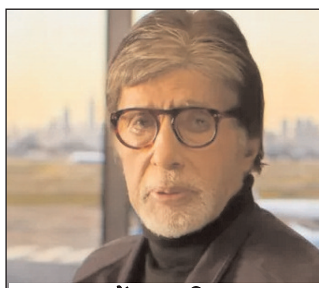

अफवाहों पर अमिताभ बच्चन ने खुद लगाई रोक, कहा-'मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा'

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 28

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 257 RNI NO.43285/85 • संस्करण- नगर • मुजफ्फरनगर बुधवार 16 सितम्बर 2026 • भाद्रपद शुक्ल 5 विक्रमी संवत • पृष्ठ 12 • मूल्य 4 रुपया

भारतीय एजेंसियों को रिपोर्ट करेगा, सरकार से बातचीत के बाद रजामंदी

बच्चों से जुड़े यौन शोषण मामलों की सभी जानकारी देगा मेटा

AI जनरेटेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक कंपनी मेटा ने बच्चों के यौन शोषण और उनकी सुरक्षा से जुड़े दूसरे मामलों की जानकारी देने पर सहमति जताई है। यह जानकारी संबंधित कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दी जाएगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह सहमति केंद्र सरकार और मेटा की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर हानिकारक कंटेंट पर रोक लगाने को लेकर जारी बातचीत में बनी है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि भारत में काम करने वाले किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा जरूरी है। इस मामले में कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

• **दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स से बातचीत जारी-** सरकार दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ भी बातचीत कर रही है। इन प्लेटफॉर्म्स और ऑनलाइन इंटरमीडियरीज से भी बच्चों से जुड़े हानिकारक कंटेंट की पहचान कर उसे हटाने के लिए जरूरी कदम उठाने को कहा जा रहा है। 9 सितंबर को मेटा के प्रतिनिधि राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के कार्यालय पहुंचे थे।

न्यायपालिका भी जांच के दायरे से बाहर नहीं रह सकती

सीजेआई सूर्यकांत बोले-जवाबदेही के लिए आलोचना भी जरूरी

जजों के खिलाफ हर शिकायत को वेबसाइट पर नहीं डाल सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने सोमवार को कहा कि लोगों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा बनाए रखने के लिए न्यायपालिका को जांच और आलोचना का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में न्यायपालिका के कामकाज की निष्पक्ष और रचनात्मक आलोचना जरूरी है। इससे न्याय व्यवस्था में जवाबदेही बढ़ती है और सुधार का रास्ता खुलता है। सीजेआई ने कहा कि जजों को अपने कार्यकाल के अलग-अलग चरणों में शिकायतों का सामना करना पड़ता है। हालांकि उन्होंने सवाल उठाया कि क्या हर शिकायत को वेबसाइट पर सार्वजनिक कर देना चाहिए। सूर्यकांत ने यह बात 'जस्टिस सीन

टू बी डन' ट्रांसपेरेंसी एंड पब्लिक ट्रस्ट ऐज पिलर्स ऑफ द लीगल सिस्टम' विषय पर आयोजित छठे राम जेठमलानी स्मृति व्याख्यान में कही।

हारने वाले के साथ न्याय हो तब भरोसा बनता है

जनता का भरोसा दोनों पक्षों के न्याय से बनता है-जनता का भरोसा और जनता की पसंद एक ही बात नहीं है। अदालत का फैसला किसी व्यक्ति की इच्छा के मुताबिक होने से ही भरोसा नहीं बनता। भरोसा तब बनता है, जब हारने वाला पक्ष भी यह महसूस करे कि उसके साथ निष्पक्ष प्रक्रिया अपनाई गई। न्यायिक संस्थानों में लगातार निगरानी जरूरी : किसी जिले में अदालत का मौजूद होना पर्याप्त नहीं है। आम नागरिक के लिए न्याय व्यवस्था तक पहुंचना आसान होना चाहिए और उसे यह भरोसा होना चाहिए कि अदालत तक पहुंचना ही उसकी सबसे बड़ी लड़ाई नहीं बन जाएगा। मौजूदा सिस्टम में बदलाव संभव हैं-उन्होंने कहा कि कॉलेजियम और कार्यपालिका के बीच संवाद में कोई बड़ी बाधा नहीं है। मौजूदा व्यवस्था में सुधार संभव है और कोई भी संस्था स्थिर या बदलाव से दूर नहीं हो सकती। सीजेआई सूर्यकांत को 24 मई 2019 को भारत के सुप्रीम कोर्ट का जज बनाया गया था। उन्होंने 24 नवंबर 2025 को भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में लेडी बाइकर को टक्कर मारने वाला गिरफ्तार

• राजस्थान से पकड़ा गया, पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा भी लगाई

पलवल/गुरुग्राम (एजेंसी)। गुरुग्राम में लेडी बाइकर को कार से टक्कर मारने के मामले में पुलिस ने आरोपी कल्याण बैंसला को गिरफ्तार कर लिया है। उसे एक दोस्त लवनीश के साथ राजस्थान के दौसा से पकड़ा गया है। दौसा पुलिस ने इसकी पुष्टि की। पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या

के प्रयास की धारा बीएनएस 109 भी जोड़ी है। पहले सेक्टर-56 थाने में लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए बीएनएस 281 और चोट पहुंचाने के आरोप में बीएनएस 125 के तहत केस दर्ज किया गया था। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने कार चलाने वाले कल्याण बैंसला को दबोच लिया है।

संजय झा के नए पैंतरे ने बिहार में किया 'खेला'

बढ़ाई सहयोगियों की धड़कनें, सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। एनडीए की राजनीति में इन दिनों मतभेद के जरिए कुछ अलग दिखने की कवायद बड़ी गंभीरता के साथ की जा रही है। इसमें एनडीए के छोटे दल तो हैं हीं, बड़े दल भी शामिल हो गए हैं। सबसे दिलचस्प तो ये है कि जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा एंड टीम मतभेद खड़ा

करने की नई-नई वजह तैयार करने में लगी हैं। चलिए जानते हैं कि मतभेद के अब तक कितने बीज बोए गए और मतभेद के इस धरातल पर जदयू के रणनीतिकार आखिर पाना क्या चाह रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जैसे ही वर्ष 2029 तक सभी राज्यों (समान नागरिक संहिता) यूसीसी लागू करने की घोषणा की, लालू स्कूल के प्रोडक्ट जदयू नेताओं में खलबली मच गई।

अपने ही गृह जिले में फेल हुए राजस्थान सीएम भजनलाल

वसुंधरा-गहलोत का भी निकाय चुनाव में नहीं चला जादू

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में जनता ने दिग्गज नेताओं को नकार दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत अपने वार्डों में अपनी पार्टी के प्रत्याशियों को नहीं जिता सके। पूर्व

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे अपने गृह जिले झालावाड़ में भाजपा का बोर्ड नहीं बना पाई। उधर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के गृह जिले अजमेर के निगम चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के गृह जिले भरतपुर के निगम में भी भाजपा बोर्ड बनाने में पीछे रह गई। गहलोत के वार्ड में बीजेपी और गजेंद्र के वार्ड में कांग्रेस ने चुनाव जीता है।

स्पेस में घातक हथियारों की तैनाती की पुष्टि, स्पेस में होगा महायुद्ध!

अंतरिक्ष को बनाया जंग का नया मैदान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। धरती पर जंग के मैदानों में हजारों को मारने के बाद अब महाशक्तियों की नजरें अंतरिक्ष पर टिक गई हैं। अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि कर दी है कि उसने पृथ्वी की कक्षा में अपने सैन्य हथियार तैनात कर दिए हैं। रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष गतिविधियों को बेअसर करने के लिए अमेरिकी स्पेस फोर्स ने यह कदम उठाया है। इस सनसनीखेज खुलासे के बाद विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अंतरिक्ष अब सिर्फ रिसर्च का जरिया नहीं बल्कि तीसरे विश्व युद्ध का नया 'बैटलग्राउंड' बन चुका है। अमेरिका ने कहा है कि उसने पृथ्वी की कक्षा में

हथियार तैनात किए हैं। यह वॉशिंगटन की तरफ से अंतरिक्ष-आधारित आक्रामक क्षमताओं की पहली सार्वजनिक कबूलनामा है। अमेरिका का कहना है कि दुश्मनों की आक्रामक कार्रवाइयों से अपनी सेनाओं की सुरक्षा के लिए ये हथियार जरूरी हैं। सोमवार को एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी वायु सेना सचिव ट्रॉय मींक ने कहा कि अमेरिका को अंतरिक्ष में 'बदलते खतरों' से निपटने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि हथियार कौन से हैं।

अमेरिका ने अंतरिक्ष में तैनात किए घातक हथियार

अमेरिकी सशस्त्र बलों की अंतरिक्ष सेवा शाखा यूएस स्पेस फोर्स ने भी ऑर्बिट में हथियारों की मौजूदगी की पुष्टि की है। उन्होंने इन्हें ऑन-ऑर्बिट स्पेस कंट्रोल वेपन बताया है जो दुश्मन की कार्रवाई से अमेरिकी सेना का बचाव करने में सक्षम हैं। न्यूज एजेंसी के मुताबिक स्पेस फोर्स के एक प्रवक्ता ने कहा अमेरिका के पास ऐसे ऑन-ऑर्बिट स्पेस कंट्रोल हथियार हैं जो दुश्मन की आक्रामक कार्रवाई से जॉइंट फोर्स की रक्षा करने में सक्षम हैं। बयान में कहा गया स्पेस कंट्रोल में वे मिशन क्षेत्र शामिल हैं जो स्पेस डोमेन में चुनौती देने और नियंत्रण करने के लिए जरूरी हैं। इसमें दुश्मन की क्षमताओं को प्रभावित करने के लिए काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है।

अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती की लगेगी रेस!

अमेरिका के इस कदम के बाद अब चीन और रूस जैसे देश भी पीछे नहीं रहेंगे। अब बस वक्त की बात है जब चीन या रूस जैसे देश इस तरह का कदम उठाएंगे। अमेरिका ने अंतरिक्ष में बढ़ते खतरों की ओर इशारा किया है। अंतरिक्ष में हथियारों की तैनाती के बारे में यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है जब अमेरिकी सेना रूस और चीन की उन क्षमताओं के विकास को लेकर चिंतित है जिनका मकसद बाधा डालना है।

अक्टूबर में लागू होगा भारत-न्यूजीलैंड व्यापार समझौता!

• भारतीय निर्यात पर ड्यूटी नहीं 15 साल में 1.9 लाख करोड़ निवेश करेगा न्यूजीलैंड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच फ्री ट्रेड एग्रीमेंट यानी एफडीए 19 अक्टूबर से लागू होने की उम्मीद है। एक अधिकारी ने 15 सितंबर को यह जानकारी दी। दोनों देशों ने 27 अप्रैल को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मकसद वस्तुओं और सेवाओं के कारोबार और निवेश को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत न्यूजीलैंड ने भारत के 100 फीसदी निर्यात को टैक्स फ्री करने की बात भी कही है। यानी भारत से न्यूजीलैंड पहुंचने वाले सामान पर न्यूजीलैंड कोई इम्पोर्ट ड्यूटी नहीं लेगा।

15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर का निवेश- दोनों देशों ने निवेश को बढ़ावा देने पर भी सहमति जताई है। एग्रीमेंट के तहत न्यूजीलैंड से अगले 15 साल में भारत में 20 बिलियन डॉलर यानी करीब 1.9 लाख करोड़ का निवेश आने की उम्मीद है। फिलहाल न्यूजीलैंड, भारत के प्रमुख उत्पादों पर अधिकतम 10 फीसदी तक शुल्क लगाता है। इनमें सिरेमिक, कालीन, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट शामिल हैं। एफडीए लागू होने के बाद इन उत्पादों समेत भारत के सभी निर्यात को न्यूजीलैंड में टैक्स फ्री पहुंच मिलेगी। सर्विस सेक्टर में भारत ने शिक्षा, फाइनेंशियल सर्विसेज, कंस्ट्रक्शन और टूरिज्म जैसे हाई-वैल्यू सेक्टरों में बाजार पहुंच हासिल की है। समझौते के तहत योगा इंस्ट्रक्टर्स, इंडियन शेफ और म्यूजिक टीचर्स के लिए भी रास्ते खुलेंगे। एफडीए में एक नया टेम्परेरी एम्प्लॉयमेंट एंट्री वीजा का रास्ता बनाया गया है। इसके तहत हर साल 5,000 भारतीय स्किल्ड प्रोफेशनल्स न्यूजीलैंड में 3 साल तक काम कर सकेंगे। इंजीनियरिंग, हेल्थकेयर और एजुकेशन सेक्टर शामिल हैं।

बिहार के साथ इस कठिन समय में खड़ा है पूरा देश

• राहुल और खरगे ने बाढ़ से तबाही पर जताया दुख • कांग्रेस कार्यकर्ताओं से दुख में की मदद की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेपाल में भीषण बारिश हो रही है और इसका खामियाजा बिहार को भुगतना पड़ रहा है। गंगा से लेकर पुनपुन और बूढ़ी घाघरा से लेकर कोसी तक खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। पिछले 5 दिनों से लगातार हो रही बारिश ने बिहार में बाढ़ के हालात बना दिए हैं। बिहार के 15 जिलों में करीब 50 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बिहार के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे दोनों ने ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं से खास अपील भी की है।

प्रियजनों को खोने वालों के लिए संवेदना- राहुल गांधी ने आगे कहा कि बिहार में आई इस आपदा में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।

2,000 रुपए तक यूपीआई पेमेंट पर नहीं लगेगा चार्ज

मोदी सरकार का आदेश, देश में 55 करोड़ यूजर हैं

बड़े पेमेंट पर दुकानदारों से फीस पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपीआई से 2,000 तक पेमेंट करने पर ग्राहक से किसी तरह की फीस नहीं ली जा सकती। वित्त मंत्रालय ने सोमवार को नोटिफिकेशन जारी कर यह स्थिति साफ कर दी। अब 2,000 तक के यूपीआई पेमेंट पर बैंक या पेमेंट सिस्टम प्रोवाइडर कोई डायरेक्ट या इनडायरेक्ट चार्ज नहीं लगा सकेंगे। रूपे डेबिट कार्ड से होने वाले पेमेंट को भी इस छूट में शामिल किया गया है।

दरअसल, अगस्त में संसद से टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) एक्ट, 2026 पास होने के बाद यूपीआई पेमेंट पर चार्ज को लेकर चर्चा शुरू हुई थी। आशंका थी कि 2,000 से ज्यादा के यूपीआई

पेमेंट पर एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट लगाया जा सकता है। इससे बड़े पेमेंट लेने वाले दुकानदारों और कारोबारियों की लागत बढ़ने की बात कही जा रही थी। इसका सीधा असर ग्राहकों पर पड़ने की आशंका थी। देश में जून 2026 तक करीब 55.5 करोड़ यूपीआई यूजर्स थे। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार ने चुपचाप यूपीआई पर फीस लगाने का रास्ता खोल दिया है। सरकार कहती है कि कोई फीस नहीं ली जाएगी, लेकिन दुकानदार पर लगने वाली फीस आखिर आएगी कहां से। ग्राहक की जेब से आएगी। भाजपा नेता अमित मालवीय ने विरोध किया।

137 साल पुराने स्टेशन पर न कभी टिकट खिड़की बनी न ही पैसेंजर सर्विस

जल्द खत्म होगा खूबसूरत भदभदा घाट रेलवे आउटपोस्ट का वजूद

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल और विदिशा के बीच स्थित ऐतिहासिक और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर भदभदा घाट रेलवे आउटपोस्ट अब अपने अस्तित्व के एक नए और अंतिम दौर में पहुंच गया है। भारतीय रेलवे द्वारा झांसी-भोपाल ब्रॉड-गेज लाइन पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम स्थापित किए जाने के बाद इस सदी पुराने रेलवे आउटपोस्ट की परिचालन

भूमिका हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगी। इस बदलाव के बाद इस सुरम्य रेलवे लैंडमार्क पर तैनात रहने वाले स्टेशन और केबिन स्टाफ की जरूरत भी खत्म हो जाएगी, जो लंबे समय से रेल प्रेमियों और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र रहा है।

ब्रिटिश काल से जुड़ा है इतिहास, नहीं होती थी पैसेंजर बुकिंग- भदभदा घाट का यह रेलवे ट्रैक और आउटपोस्ट एक सदी से भी अधिक पुराना है, जिसकी शुरुआत ब्रिटिश शासनकाल के दौरान वर्ष 1889 में हुई थी। आम रेलवे स्टेशनों के विपरीत इस स्थान पर कभी भी यात्रियों के लिए टिकट जारी नहीं किए गए और न ही यहां कोई पैसेंजर सुविधाएं उपलब्ध थीं।

अयोध्या राम मंदिर में अब होगी स्नाइपरों की तैनाती

यूपी सरकार 5.59 करोड़ रुपए से खरीदेगी ऑटोमेटिक हथियार

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने अयोध्या के श्रीराम मंदिर समेत हाईकोर्ट, लोकभवन, रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम व मेट्रो स्टेशनों जैसे संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा को और अधिक पुख्ता करने का निर्णय लिया है। इसके लिए स्नाइपरों की तैनाती की जाएगी। शासन ने नए सुरक्षा प्लान के तहत तीन स्नाइपर राइफल खरीदने को मंजूरी दी है। एक रायफल की कीमत 10.76 लाख रुपये है। उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल और प्रशिक्षित स्नाइपर्स को राम मंदिर परिसर में तैनात किया जाएगा। साथ ही निगरानी के लिए 14 टेलीस्कोपिक सर्च मिरर भी खरीदे जाएंगे।

महिला वाहिनियों को स्वचलित असलहे देने का निर्णय- इसके साथ ही राज्य सरकार ने जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को दिए गए पुराने हथियारों को बदलने का भी फैसला किया है। सांसदों व विधायकों की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को नए असलहे और पीएसी की नवगठित महिला वाहिनियों को स्वचलित असलहे देने का निर्णय लिया गया है।

अनमोल वचन

जीवन में कितना भी ऊंचे उठना सेवा की भावना मन में रखना, सदा विनम्र बने रहना। कभी भूल से भी अहंकार न करना। ऐसे आचरण से व्यक्ति में धर्म और ईश्वर भक्ति टिकी रहेगी नहीं तो सब कुछ छिन जाने में देर नहीं लगेगी। शक्ति मिल जाय, यश भी मिल जाय पर अहंकार आते ही सब कुछ मिट जाता है। भगवान से सदा श्रद्धा, नम्रता मांगना, शालीन बने रहना। भगवान से विनती करना कि वह अपने प्रति मेरी श्रद्धा में कभी कमी न करना। प्रार्थना यह भी करना कि श्रद्धा में दिनों दिन वृद्धि होती रहे। नहीं तो मैं तेरे चरणों से दूर होता जाऊँगा। भगवान मुझे अपने चरणों में रखना। मैं कभी धैर्य का साथ न छोड़ूँ। मैं सदैव शीलवान बनी रहूँ क्योंकि शील सुख का प्रदाता है। दूसरे से कठोर शब्द बोलूंगा तो जो पीड़ा होगी उससे अधिक मैं अशांत रहूँगा, मेरी भी शांति भंग हो जायेगी। मैं कभी सत्य का दामन न छोड़ूँ और क्रोध को त्याग दूँ। कभी किसी के साथ मेरे द्वारा अन्याय न हो। धर्म के पथ पर सदा चलता रहूँ ताकि आपकी दयालुता, भक्तवत्सलता का पात्र बना रह सकूँ। मेरी इच्छा केवल यह है 'हे ! आपकी दया में समा जाऊं तथा आपकी गोदी में बैठा हुआ हो मैं अस्तित्व हीन हो जाऊं।

बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या, सीसीटीवी में कैद हुई बेरहमी

मारपीट के बाद उपचार के दौरान जय सिंह ने तोड़ा दम, गुस्साए ग्रामीणों ने शव सड़क पर रखकर लगाया जाम—कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात

मुजफ्फरनगर। थाना फुगाना क्षेत्र के गांव खरड़ में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब सड़क किनारे सिरका बेचने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग जय सिंह की कुछ लोगों ने कथित रूप से बेरहमी से पिटाई कर दी। गंभीर रूप से घायल बुजुर्ग को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना से गांव में आक्रोश फैल गया। मारपीट की घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग बुजुर्ग के साथ मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं।

सड़क किनारे सिरका बेचने के दौरान हुआ विवाद

बताया गया कि गांव खरड़ निवासी करीब 80 वर्षीय जय सिंह सड़क किनारे सिरका बेचने का काम करते थे। मंगलवार को वह रोजाना की तरह सड़क किनारे मौजूद थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर कुछ लोगों से उनका विवाद हो गया। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और आरोप है कि लोगों ने बुजुर्ग के साथ मारपीट शुरू कर दी।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई मारपीट

मारपीट की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सामने आए फुटेज में बुजुर्ग के साथ कई लोगों द्वारा मारपीट किए जाने का दृश्य दिखाई दे रहा है। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस ने भी मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर घटना में शामिल लोगों की पहचान करने में जुटी है।

गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाया, उपचार के दौरान मौत

मारपीट में जय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका उपचार शुरू किया। हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर गांव में पहुंचते ही स्वजन और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया।

शव सड़क पर रखकर ग्रामीणों ने लगाया जाम

बुजुर्ग की मौत से गुस्साए ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर जाम लगा दिया। ग्रामीण आरोपितों की तत्काल गिरफ्तारी और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। जाम लगने की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन में हड़कंप मच गया और कई थानों की पुलिस फोर्स को मौके पर भेजा गया।

सीओ फुगाना ने संभाला मोर्चा, कार्रवाई के आश्वासन पर खुला जाम

सूचना मिलते ही सीओ फुगाना नरेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ गांव खरड़ पहुंचे। अधिकारियों ने आक्रोशित ग्रामीणों और स्वजन को समझाने का प्रयास किया। सीओ ने स्वजन को आश्वासन दिया कि घटना में शामिल आरोपितों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया।

पोस्टमार्टम के लिए भेजा शव, आरोपितों की तलाश में जुटी पुलिस

पुलिस ने जय सिंह के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सीसीटीवी फुटेज को भी जांच में शामिल किया गया है और उसके आधार पर मारपीट में शामिल लोगों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात

घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं। बुजुर्ग की मौत को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष है और वे आरोपितों की जल्द गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

मीरापुर के कुतुबपुर में विवाहिता ने लगाई फांसी: बाथरूम का दरवाजा तोड़कर फंदे से उतारा शव, जांच में जुटी पुलिस

गृहक्लेश के चलते महिला ने उठाया खौफनाक कदम, 5 बच्चों के सिर से उठा मां का साया

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र के ग्राम कुतुबपुर में मंगलवार को पारिवारिक कलह ने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां उजाड़ दीं। मामूली कहासुनी के बाद 32 वर्षीय एक विवाहिता ने घर के बाथरूम में अंदर से दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया मामले को गृहक्लेश से जोड़कर देख रही है।

2017 में हुआ था निकाह, दंपती के हैं 5 बच्चे

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कुतुबपुर निवासी आयशा (32 वर्ष) का निकाह वर्ष 2017 में गांव के ही बिलाल पुत्र तौफीक के साथ हुआ था। दंपति के पांच छोटे-छोटे बच्चे भी हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पति-पत्नी के बीच घरेलू मुद्दों को लेकर तनातनी चल रही थी। मंगलवार को भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर तीखी नोकझोंक और कहासुनी हुई थी।

बाथरूम में नहाने गई थी महिला, देर तक बाहर न आने पर टूटा दरवाजा

विवाद शांत होने के बाद आयशा घर के भीतर बने बाथरूम में चली गई। जब काफी समय बीत जाने के बाद भी वह बाहर नहीं आई, तो परिजनों को किसी अनहोनी का संदेह हुआ। परिजनों ने जब आवाज दी तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

देर तक बाहर न आने पर तोडा दरवाजा

इस पर परिजनों ने अनमने मन से बाथरूम का दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। आयशा फंदे पर लटकी हुई थी। आनन-फानन में उसे नीचे उतारा गया, लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं।

जांच के बाद होगी कार्रवाई

घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजीव शर्मा पुलिस बल के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने जरूरी कागजी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। थाना प्रभारी राजीव शर्मा ने बताया कि मृतका के मायके वालों को सूचना दे दी गई है और उनसे बातचीत की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और तहरीर के आधार पर मामले में आगे की वैधानिक व कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की हत्या में सेना से निलंबित सिपाही दोषी करार

हृदयाघात और सड़क हादसे की कहानी निकली झूठी, न्यायालय ने मनोज को हत्या का दोषी माना, 21 सितंबर को सुनाई जाएगी सजा

मुजफ्फरनगर। पत्नी की हत्या के मामले में विशेष न्यायालय ने भारतीय सेना के निलंबित सिपाही को हत्या का दोषी करार दिया है। विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट के पीठासीन अधिकारी डा. विजय कुमार की अदालत में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कासमपुर खोला निवासी सेना के सिपाही मनोज उर्फ मोनू को पत्नी आकांक्षा उर्फ पूजा की हत्या का दोषी माना। दोषी को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया। न्यायालय अब 21 सितंबर को दोषी की सजा पर निर्णय सुनाएगा। मनोज वर्ष 2024 से जिला कारागार में निरुद्ध है और मुकदमा दर्ज होने के बाद उसे सेना से निलंबित कर दिया गया था।

छह फरवरी 2017 को हुई थी शादी

अभियोजन पक्ष के अनुसार मेरठ के मवाना क्षेत्र के गांव मीवा निवासी सुभाष ने अपनी बेटी आकांक्षा उर्फ पूजा की शादी छह फरवरी 2017 को भारतीय सेना में सिपाही मनोज उर्फ मोनू पुत्र अजब सिंह निवासी कासमपुर खोला के साथ की थी। आरोप था कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज की मांग को लेकर आकांक्षा का उत्पीड़न करते थे। मायके पक्ष का आरोप था कि दहेज को लेकर विवाहिता को लगातार परेशान किया जा रहा था।

छुट्टी बढ़वाने के लिए बनाया था हृदयाघात का बहाना

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार के मुताबिक मार्च 2024 में मनोज छुट्टी पर घर आया था और अप्रैल 2024 में उसे वापस ड्यूटी पर जाना था। अभियोजन के अनुसार मनोज ने पत्नी की तबीयत खराब होने की बात बताकर अपनी छुट्टी बढ़वा ली थी। इसके बाद दो अप्रैल 2024 को वह पत्नी आकांक्षा को लेकर उसके मायके गांव मीवा पहुंचा था।

अगले दिन लौटते समय बताई गई हादसे की कहानी

अभियोजन पक्ष के अनुसार तीन अप्रैल 2024 को मनोज अपनी पत्नी को लेकर मीवा से कासमपुर खोला के लिए वापस रवाना हुआ। शाम करीब साढ़े सात बजे मनोज के पिता अजब सिंह ने आकांक्षा के पिता सुभाष को सूचना दी कि उनकी बेटी को हृदयाघात हुआ है और मनोज उसे चिकित्सक के पास लेकर जा रहा है। इसके बाद बताया गया कि रास्ते में कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें आकांक्षा की मौत हो गई।

मायके पक्ष ने जताया हत्या का शक

बेटी की मौत की सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष को मामले पर संदेह हुआ। परिजनों ने आरोप लगाया कि आकांक्षा की हत्या करने के बाद मामले को हृदयाघात और सड़क दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया। इसके बाद सुभाष ने मीरापुर थाने में तहरीर देकर मामले की शिकायत की और ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले में मनोज उर्फ मोनू, उसके पिता अजब सिंह, सास मिथलेश, चाचा मंगलू और बहनोई लवकुश के खिलाफ दहेज हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपित मनोज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वह वर्ष 2024 से जिला कारागार में निरुद्ध है। मामला दर्ज होने और गिरफ्तारी के बाद सेना में सिपाही के पद पर तैनात मनोज को निलंबित कर दिया गया था। तब से वह जेल में है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान उसे मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

खतौली गंगनहर में युवक ने लगाई छलांग: सीसीटीवी फुटेज ने खोला राज, पत्नी बेहोश, गोताखोर तलाश में जुटे

दो दिनों से रहस्यमय परिस्थितियों में गायब था 24 वर्षीय जोनी

खतौली (मुजफ्फरनगर)। क्षेत्र के गांव भैंसी से दो दिन पूर्व अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए 24 वर्षीय युवक का सुराग पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की मदद से जुटा लिया है। कोतवाली पुलिस द्वारा खंगाली गई फुटेज में युवक गंगनहर के पुल पर पहुंचकर पानी में छलांग लगाता हुआ साफ दिखाई दे रहा है। फुटेज सामने आते ही परिजनों में कोहराम मच गया, वहीं कोतवाली पहुंची युवक की पत्नी सदमे से गश खाकर जमीन पर गिर पड़ी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए गोताखोरों की मदद से गंगनहर में व्यापक खोजबीन अभियान शुरू कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव भैंसी निवासी जोनी (24 वर्ष) पुत्र किरणपाल का दो दिन पूर्व घर में किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद वह बिना किसी को कुछ बताए अचानक घर से लापता हो गया। परिजनों ने काफी समय तक उसकी खोजबीन की तथा रिश्तेदारों व परिचितों के यहां संपर्क साधा, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका। थक-हारकर सोमवार को युवक की पत्नी परिजनों के साथ खतौली

कोतवाली पहुंची और पुलिस को पूरी आपबीती बताते हुए जोनी को तलाशने की गुहार लगाई। पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास की सड़कों और गंगनहर की ओर जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगालनी शुरू की। जांच के दौरान एक स्थान पर लगे कैमरे की फुटेज में जोनी गंगनहर के पुल पर पहुंचता हुआ दिखा। इसके बाद उसने बिना झिझके सीधे बहती गंगनहर में छलांग लगा दी। जैसे ही पुलिस ने यह फुटेज परिजनों को दिखाई, साथ आई पत्नी अपने पति को छलांग लगाते देख गहरा सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकी और कोतवाली परिसर में ही बेहोश होकर गिर पड़ी। महिला पुलिसकर्मियों ने आनन-फानन में उसे संभाला और तुरंत उपचार के लिए निकटतम अस्पताल भिजवाया। सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से घटना की पुष्टि होने के बाद पुलिस प्रशासन तुरंत हरकत में आया। पुलिस ने स्थानीय और विशेषज्ञ गोताखोरों को बुलाकर गंगनहर में उतार दिया है। नहर के तेज बहाव और संभावित स्थानों पर मोटर बोट व गोताखोरों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि युवक का अभी तक कोई अता-पता नहीं चल पाया है, लेकिन तलाश का काम लगातार जारी है। पुलिस मामले के हर तकनीकी और पारिवारिक पहलू की गहनता से जांच कर रही है।

डिवाइन हॉस्पिटल में 14 वर्षीय बच्चे के इलाज को लेकर हंगामा

किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने पर परिजनों ने लगाए लापरवाही और अधिक रकम वसूलने के आरोप, स्वास्थ्य विभाग की जांच में रिकॉर्ड सही मिला

मुजफ्फरनगर। सिविल लाइन थाना क्षेत्र के रुड़की रोड स्थित डिवाइन हॉस्पिटल में मंगलवार शाम करीब सात बजे 14 वर्षीय बच्चे के इलाज को लेकर परिजनों ने हंगामा कर दिया। 12 सितंबर से भर्ती बच्चे की किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने के बाद परिजनों ने चिकित्सकों पर उपचार में लापरवाही बरतने, अधिक रकम लेने और दवाओं की भारी मात्रा देने के आरोप लगाए। मामले की शिकायत मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय तक पहुंचने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची और बच्चे के उपचार से जुड़े अभिलेखों की जांच की। जांच में अस्पताल के रिकॉर्ड सही पाए गए और लापरवाही के आरोप प्रमाणित नहीं हुए।

हाई ब्लड शुगर की समस्या के चलते कराया था भर्ती

परिजनों के मुताबिक बच्चे को हाई ब्लड शुगर की समस्या के चलते 12 सितंबर को डिवाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बच्चे को सीयू-4 के नंबर चार बिस्तर पर उपचार दिया जा रहा था। उपचार के दौरान उसकी किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की जानकारी सामने आने पर परिजनों ने चिकित्सकों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।

खालिद मलिक के साथ परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

मंगलवार शाम इलाज और दवाओं को लेकर परिजनों ने चिकित्सकों से सवाल-जवाब शुरू कर दिए। परिजनों का आरोप था कि बच्चे को दवाओं की भारी मात्रा दी जा रही है और इलाज के नाम पर उनसे अधिक रकम ली जा रही है। इसी बात को लेकर अस्पताल में हंगामा हो गया। परिजनों के साथ एआईएमआईएम नगर अध्यक्ष खालिद मलिक भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने भी बच्चे के उपचार को लेकर चिकित्सकों से जवाब मांगा और मामले की शिकायत स्वास्थ्य विभाग से किए जाने की बात कही।

शिकायत मिलते ही डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम

हंगामे के बाद परिजनों ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में शिकायत की। शिकायत का संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम डिवाइन हॉस्पिटल पहुंची। टीम ने बच्चे के भर्ती होने से लेकर अब तक किए गए उपचार, जांच रिपोर्ट, दवाओं और अन्य चिकित्सकीय अभिलेखों की जांच की। अस्पताल प्रबंधन से भी उपचार से संबंधित दस्तावेज लिए गए।

किडनी प्रभावित हुई, लेकिन लापरवाही के प्रमाण नहीं मिले

स्वास्थ्य विभाग की टीम के अनुसार बच्चे को हाई ब्लड शुगर की समस्या के चलते भर्ती कराया गया था। उपचार के बाद उसकी शुगर कुछ हद तक नियंत्रित हुई है, लेकिन उसकी किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित हुई है। टीम के मुताबिक गंभीर रूप से बढ़ी हुई शुगर की स्थिति में किडनी सहित शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंग भी प्रभावित हो सकते हैं। जांच में किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होने की बात सामने आई, लेकिन इसे चिकित्सकीय लापरवाही से जोड़ने वाला कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिला।

अस्पताल के रिकॉर्ड सही, आरोप नहीं हुए साबित

जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को डिवाइन हॉस्पिटल के उपचार संबंधी अभिलेख और अन्य दस्तावेज सही मिले। टीम को ऐसी कोई स्पष्ट अनियमितता नहीं मिली, जिससे चिकित्सकीय लापरवाही के आरोप प्रमाणित हो सकें। जांच के बाद बच्चे के मामले में लगाए गए लापरवाही के आरोपों की पुष्टि नहीं हुई। हालांकि बच्चे का उपचार अभी जारी है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक:
◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222,
मो. 9412211222
e-mail Address :
royalbulletin@gmail.com

पदोन्नति पर नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर को दी भावपूर्ण विदाई

देवरिया में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) की नई जिम्मेदारी संभालेंगे पंकज प्रकाश राठौर, कलेक्ट्रेट कर्मचारियों ने कार्यकाल को सराहा

मुजफ्फरनगर। नगर मजिस्ट्रेट पंकज प्रकाश राठौर की अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), देवरिया के पद पर पदोन्नति होने पर कलेक्ट्रेट कर्मचारियों की ओर से भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कलेक्ट्रेट स्थित नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय में उत्तर प्रदेश मिनिस्ट्रियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ की मुजफ्फरनगर शाखा द्वारा आयोजित समारोह में अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।

निष्ठा और पारदर्शिता से निभाए प्रशासनिक दायित्व

विदाई समारोह में वक्ताओं ने कहा कि पंकज प्रकाश राठौर ने नगर मजिस्ट्रेट के रूप में अपने प्रशासनिक दायित्वों का निष्ठा, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ निर्वहन किया। उनके कार्य करने की शैली और विभिन्न प्रशासनिक मामलों में संतुलित दृष्टिकोण की कर्मचारियों ने सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि उनका सरल, सौम्य और सहज व्यवहार कर्मचारियों के बीच हमेशा सकारात्मक माहौल बनाए रखने में सहायक रहा।

सहयोगात्मक रवैये ने बनाई अलग पहचान

कर्मचारियों ने कहा कि नगर मजिस्ट्रेट के रूप में पंकज प्रकाश राठौर का व्यवहार हमेशा सहयोगात्मक रहा। अधीनस्थ कर्मचारियों की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए सकारात्मक पहल करना उनके कार्यकाल की खास विशेषता रही। इसी कारण कलेक्ट्रेट के कर्मचारियों के बीच उनकी अलग पहचान बनी।

मुजफ्फरनगर के अनुभवों को किया साझा

समारोह में पंकज प्रकाश राठौर ने मुजफ्फरनगर में अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि

यहां कार्य करते हुए उन्हें अधिकारियों और कर्मचारियों का निरंतर सहयोग, स्नेह और सम्मान मिला, जिसके लिए वह सभी के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रशासनिक अधिकारी के लिए टीम का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण होता है और मुजफ्फरनगर में उन्हें यह सहयोग निरंतर प्राप्त हुआ। उनके संबोधन के दौरान समारोह का माहौल भावुक हो गया। कर्मचारियों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल के अनुभव साझा करते हुए उनके सरल व्यवहार और सहयोगी कार्यशैली को याद किया।

नई जिम्मेदारी के लिए दी शुभकामनाएं

कर्मचारी संघ की ओर से पंकज प्रकाश राठौर को पदोन्नति पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कर्मचारियों ने विश्वास जताया कि वह देवरिया में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के रूप में भी अपनी कार्यकुशलता और प्रशासनिक अनुभव का प्रभावी उपयोग करते हुए बेहतर कार्य करेंगे तथा नई जिम्मेदारी में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

कर्मचारी संघ के पदाधिकारी और कर्मचारी रहे मौजूद

विदाई समारोह में मंडल अध्यक्ष नरेंद्र, प्रशासनिक अधिकारी शेफालिका साहनी, संघ अध्यक्ष अम्मार हैदर, मंत्री/सचिव मनीष शर्मा, संगठन मंत्री पुष्पेंद्र सिंह सहित अनिल डाबर, आशीष कुमार, विजय कुमार, विकास शर्मा, कुलदीप कुमार, दिनेश कुमार, धीरज पाल, सचिन त्यागी, गुलफाम अहमद, प्रांजल, अंकुर काकरान, शुभम अरोड़ा त्यागी, प्रिंस जैन, संदीप कुमार, दयाशंकर और सतीश समेत कलेक्ट्रेट के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। समारोह के अंत में कर्मचारियों ने पंकज प्रकाश राठौर को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र सं. 10500 दिनांक 05.09.2023 में नियमों की जानकारी न होने के कारण पुत्र का नाम रेयांश त्यागी दर्ज नहीं करा पाये। उसका वास्तविक नाम रेयांश त्यागी है। भविष्य में भी इसी नाम से जाना जायेगा।

शुद्धीकरण हेतु आवेदन पत्र सम्बन्धित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

शैली त्यागी पत्नी श्री पंकज भारद्वाज, निवासी 228/5 साकेत कॉलोनी, नार्थ सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र सं. 6803 दिनांक 01.07.2022 में नियमों की जानकारी न होने के कारण पुत्र का नाम दक्षित त्यागी दर्ज नहीं करा पाये। उसका वास्तविक नाम दक्षित त्यागी है। भविष्य में भी इसी नाम से जाना जायेगा।

शुद्धीकरण हेतु आवेदन पत्र सम्बन्धित विभाग में प्रस्तुत किया जा रहा है।

शैली त्यागी पत्नी श्री पंकज भारद्वाज, निवासी 228/5 साकेत कॉलोनी, नार्थ सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम शशि ढाका पत्नी सुरेन्द्र ढाका पुत्री राजवीर सिंह, निवासी लक्ष्मीपुरम, कुकड़ा, जिला मुजफ्फरनगर की हूं। मेरे आधार कार्ड में सहवन गलती से शपथकर्ता का नाम शाशी (SHASI) अंकित है तथा जन्मतिथि 01.01.1972 अंकित है, जो कि गलत है। शपथकर्ता का सही नाम शशि (SHASHI DHAKA) है तथा जन्मतिथि 18.01.1966 है। इसलिए शपथकर्ता के आधार कार्ड में शपथकर्ता का सही नाम शशि (SHASHI DHAKA) तथा जन्मतिथि 18.01.1966 अंकित कर जारी करने की कृपा करें।

शपथकर्ता
शशि ढाका

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक:- 1192 /नि०वि०/सा०प्र०/2026-27 — **दिनांक:- 15/09/2026**

ऑफलाईन निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत / वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 01 निर्माण कार्यों हेतु दिनांक 06/10/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ऑफलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 16/09/2026 की प्रातः 10:00 से दिनांक 06/10/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक निर्धारित मूल्य के साथ जमा कर कार्यालय नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग से क्रय किये जा सकते हैं। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 06/10/2026 की साय 4:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदया के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग / पालिका निधि की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)
नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

बुधवार 16 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

प्रेम प्रसंग की रंजिश में पिता की गोली मारकर हत्या, बेटे पर भी फायरिंग का आरोप, पांच नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पिनना बाईपास पर सुभाष सिंह को तीन बाइक सवारों ने घेरा, हाथ पकड़कर छाती में गोली मारने का आरोप, मृतक के बेटे ने हत्यारोपियों के एनकाउंटर और परिवार की सुरक्षा की मांग की

मुजफ्फरनगर। नगर कोतवाली क्षेत्र के पिनना तिराहा बाईपास के पास मंगलवार सुबह गांव किनौनी निवासी सुभाष सिंह की गोली मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। मृतक के बेटे सागर ने कोतवाली नगर में दी तहरीर में गांव की युवती के साथ उसके भाई आकाश के प्रेम संबंध और दोनों के स्वेच्छा से घर से चले जाने को लेकर चल रहे विवाद को हत्या की वजह बताया है। आरोप है कि तीन मोटरसाइकिलों पर सवार पांच लोगों ने सुभाष सिंह को रास्ते में घेर लिया। दो आरोपियों ने उनके दोनों हाथ पकड़ लिए और एक आरोपी ने तमंचे से उनकी छाती में गोली मार दी। बेटे का आरोप है कि घटना के बाद उस पर और उसके साथियों पर भी जान से मारने की नीयत से फायर किया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पांच लोगों को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है।

17 अगस्त को शादी के लिए घर से चले गए थे आकाश-कशिश

मृतक के बेटे सागर की तहरीर के अनुसार, उसका भाई आकाश और गांव की ही युवती कशिश एक-दूसरे से प्रेम करते हैं। दोनों बालिग बताए गए हैं। आरोप है कि 17 अगस्त को

आकाश और कशिश अपनी इच्छा से शादी करने के लिए गांव से चले गए थे। दोनों के घर से जाने के बाद मामले की रिपोर्ट थाना शाहपुर में दर्ज कराई गई थी। सात सितंबर को

पुलिस ने दोनों को किया बरामद

तहरीर के मुताबिक, सात सितंबर को पुलिस ने आकाश और कशिश को बरामद कर लिया। इसके बाद आकाश को जेल भेज दिया गया। वहीं कशिश के पुलिस और मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान कराए गए। सागर का दावा है कि इन बयानों में कशिश ने आकाश से प्रेम करने तथा अपनी इच्छा से घर से जाने की बात कही थी। तहरीर में यह भी कहा गया है कि कशिश को अपने परिवार से जान का खतरा था। इसी कारण उसे नारी निकेतन सहारनपुर भेज दिया गया, जहां वह अभी रह रही है।

13 सितंबर की पंचायत में भारतीय किसान यूनियन अध्यक्ष नरेश टिकैत भी मौजूद थे

सागर ने तहरीर में 13 सितंबर को गांव में हुई बिरादरी की पंचायत का भी जिक्र किया है। उसके अनुसार, आकाश और कशिश के मामले को लेकर गांव में पंचायत हुई थी, जिसमें भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत भी मौजूद थे।तहरीर के मुताबिक, सागर और उसके पिता सुभाष सिंह ने पंचायत का समर्थन किया था। आरोप है कि पंचायत में कशिश का भाई शुभम उर्फ हरिओम, पिता सतेन्द्र और परिवार के अन्य लोग इस मामले को लेकर गुस्से में थे। सागर का आरोप है कि इसी दौरान उसके पिता सुभाष सिंह, भाई आकाश और उसे जान से मारने की धमकियां दी गई थीं।

पंचायत के दो दिन बाद ही वारदात से बढ़ी गंभीरता

13 सितंबर की पंचायत के दो दिन बाद ही 15 सितंबर को सुभाष सिंह की हत्या किए जाने से परिवार ने दोनों घटनाओं को आपस में जोड़ते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि पंचायत में किसने क्या कहा और हत्या से उसका सीधा संबंध है या नहीं, यह पुलिस की जांच का विषय है। पुलिस पंचायत में मौजूद लोगों से पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ सकती है।

नौकरी के लिए साइकिल से निकले थे सुभाष

तहरीर के अनुसार, मंगलवार 15 सितंबर की सुबह करीब 10 बजे सुभाष सिंह गांव किनौनी से साइकिल पर शामली रोड स्थित अवधेश लाला की फैक्ट्री में नौकरी करने के लिए निकले थे। वह पिनना तिराहा बाईपास से मुजफ्फरनगर की ओर जा रहे थे। आरोप है कि कुछ दूरी आगे पहुंचते ही पीछे से तीन मोटरसाइकिलों पर सवार पांच आरोपियों ने उन्हें घेर लिया।

सागर के आरोप के मुताबिक, हमलावरों को देखकर उसके पिता ने साइकिल गिरा दी और मौके से भागने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने उन्हें घेर लिया। तहरीर में कहा गया है कि विमल उर्फ कुक्की और शुभम उर्फ छोटन ने सुभाष सिंह के दोनों हाथ पकड़ लिए। आरोप है कि इसके बाद उधल के कहने पर शुभम उर्फ हरिओम ने तमंचे से सुभाष सिंह की छाती में गोली मार दी। गोली लगने से सुभाष सिंह गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़े।

बेटे ने शोर मचाया तो उस पर भी फायरिंग का आरोप

सागर ने बताया कि वह अपने साथी उज्ज्वल पुत्र मदनपाल निवासी किनौनी के साथ मोटरसाइकिल से मुजफ्फरनगर से गांव की ओर आ रहा था। उसके मुताबिक, उसने अपने पिता को हमलावरों से घिरा देखा और शोर मचाया। तहरीर में कहा गया है कि सागर के शोर मचाने पर उधल ने उसे और उसके साथियों को भी जान से मारने के लिए कहा। इसके बाद आरोप है कि शुभम उर्फ हरिओम ने सागर और उसके साथियों पर भी जान से मारने की नीयत से फायर किया।

बुढ़ाना में एक करोड़ की स्मैक के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

218 ग्राम स्मैक और इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद, शाहजहांपुर-बरेली से नशे की खेप लाकर मुजफ्फरनगर, शामली व आसपास के जिलों में करता था सप्लाई

मुजफ्फरनगर। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा–ह्यनशे के अंधकार से जीवन के उजाले की ओरह्न के तहत बुढ़ाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 218 ग्राम अवैध स्मैक और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता कर एसएसपी ने दी जानकारी

पुलिस लाइन में पत्रकारों से वार्ता करते हुए एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि जनपद में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, बिक्री और नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत बुढ़ाना पुलिस को 14 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक मादक पदार्थ तस्कर बसी तिराहे के पास मौजूद है और नशीले पदार्थों की बिक्री की फिराक में है।

समाधि के पास घेराबंदी कर दबोचा

मुखबिर की सूचना को गंभीरता से लेते

हुए बुढ़ाना पुलिस तत्काल बताए गए स्थान पर पहुंची। पुलिस टीम ने बसी तिराहे से कस्बा बुढ़ाना की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित समाधि के पास घेराबंदी की। पुलिस के अनुसार इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया, जिसे पुलिस टीम ने दबिश देकर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 218 ग्राम स्मैक और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद हुआ। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी की पहचान अहसान राणा पुत्र परवीन, निवासी ग्राम नंगला, थाना रतनपुरी, जनपद मुजफ्फरनगर के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना बुढ़ाना में मुकदमा अपराध संख्या 404/2026, धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह नशीले पदार्थ शाहजहांपुर और बरेली से खरीदकर लाता था।

इसके बाद वह इन्हें मुजफ्फरनगर, शामली और आसपास के जनपदों में लोगों को बेचकर अवैध आर्थिक लाभ कमाता था। पुलिस के अनुसार आरोपी इस बार भी स्मैक की खेप लेकर उसे बेचने की फिराक में बसी तिराहे के पास पहुंचा था, लेकिन पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस जांच में गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। उसके खिलाफ वर्तमान मुकदमे के अलावा हरियाणा और शामली में गंभीर धाराओं में तीन अन्य मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ थाना बादशाहपुर, गुरुग्राम में वर्ष 2022 में धारा 34, 307 भादवि तथा 25/27 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था।

हाईवे पर खनन की वीडियो वायरल, धमात चौकी प्रभारी लाइन हाजिर

झबरपुर में कथित अवैध खनन का मामला गरमाया, भारी वाहनों से सड़कें बदहाल; पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

मुजफ्फरनगर। पुरकाजी थाना क्षेत्र के झबरपुर गांव में कथित अवैध खनन को लेकर मामला गरमाता जा रहा है। हाईवे और आसपास के क्षेत्र में खनन गतिविधियों तथा भारी वाहनों की आवाजाही से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद एसएसपी संजय कुमार ने कार्रवाई करते हुए धमात चौकी प्रभारी नवीन कुमार को लाइन हाजिर कर दिया है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में दिन-रात खनन से जुड़े भारी ट्रकों की आवाजाही हो रही है। इसके चलते गांव की सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। बारिश के बाद कई संपर्क मार्गों पर पानी और कीचड़ जमा होने से रास्ते तालाब में तब्दील हो गए हैं। ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हाईवे और आसपास खनन गतिविधियां बढ़ने का आरोप

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुरकाजी क्षेत्र में हाईवे और उसके आसपास के कई हिस्सों में खनन गतिविधियां बढ़ी हुई हैं। बड़ी संख्या में खनन से जुड़े वाहन लगातार क्षेत्र में दौड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने क्षेत्र के दो लोगों के नाम लेते हुए कथित खनन गतिविधियों में भूमिका होने के आरोप लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप

से पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित व्यक्तियों का पक्ष सामने नहीं आया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि खनन कार्य नियमानुसार हो रहा है तो प्रशासन को खनन अनुमति, पट्टे, रॉयल्टी और वाहनों के परिवहन संबंधी दस्तावेजों की जांच कर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। नियमों का उल्लंघन मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर सवाल

कथित अवैध खनन को लेकर ग्रामीणों ने पुरकाजी थाने की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि खनन गतिविधियों की जानकारी होने के बावजूद भारी वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। कुछ ग्रामीणों ने पुलिस की कथित मिलीभगत और संरक्षण तक के आरोप लगाए हैं। हालांकि, पुलिस की मिलीभगत संबंधी आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में धमात चौकी प्रभारी को लाइन हाजिर किए जाने की कार्रवाई के बाद मामले में पुलिस विभाग की आगे की जांच और आधिकारिक रिपोर्ट महत्वपूर्ण होगी।

वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन में हलचल

ग्रामीणों द्वारा खनन गतिविधियों और भारी वाहनों की आवाजाही के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए गए। वीडियो में भारी वाहनों की आवाजाही तथा सड़क की बदहाल स्थिति दिखाई देने का दावा किया जा रहा है। वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया और पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई की।

ग्रामीणों का कहना है कि भारी वाहनों के कारण सड़कों की हालत लगातार खराब हो रही है।

गंगनहर पटरी पर तेज रफ्तार कार पुल पर चढ़कर पलटी, युवक की मौत

भोपा क्षेत्र में तड़के हुआ दर्दनाक हादसा, जिला अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम; दो अन्य सवार सकुशल

मोरना। भोपा थाना क्षेत्र में मंगलवार तड़के गंगनहर पटरी पर तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। जानसठ की ओर से आ रही क्विड कार मोड़ पर अचानक अनियंत्रित होकर पुल पर चढ़ गई और कुछ दूरी पर जाकर पलट गई। हादसे में कार सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन चिकित्सकों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। उपचार के दौरान युवक को मृत घोषित कर दिया गया। हादसे में कार सवार दो अन्य युवक पूरी तरह सुरक्षित बताए गए हैं।

सुबह 5:45 बजे गंगनहर पटरी पर मची अफरा-तफरी

जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह करीब 5:45 बजे जानसठ की ओर से एक क्विड कार संख्या यूपी 16 बीएम 2954 गंगनहर पटरी से होकर गुजर रही थी। बताया गया कि कार तेज गति से जा रही थी। जैसे ही कार पुल के पास पहुंची और मोड़ आया, उसी दौरान चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया। देखते ही देखते कार सड़क से अनियंत्रित होकर पुल पर चढ़ गई और आगे जाकर पलट गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कार पलटने के बाद उसमें सवार लोगों को बाहर निकालने का प्रयास किया गया और घटना की सूचना पुलिस को दी गई।

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुआ 21 वर्षीय आर्यन

हादसे के दौरान कार में सवार आर्यन पुत्र प्रमोद कुमार, निवासी ग्राम हरगनपुर धंधों, थाना नसीरपुर, जनपद फिरोजाबाद गंभीर रूप से घायल हो गया। उसके शरीर पर गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने तत्काल घायल को जिला अस्पताल, मुजफ्फरनगर पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। लेकिन आर्यन की हालत बेहद गंभीर होने के कारण उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित किए जाने के बाद परिवार और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई।

कार में सवार दो युवक रहे पूरी तरह सुरक्षित

दुर्घटना के समय कार में आर्यन के साथ

दो अन्य युवक भी मौजूद थे। इनमें रोहित पुत्र चंद्रपाल, निवासी अलीगढ़ तथा सत्य पुत्र संजय, निवासी प्रयागराज शामिल हैं। हादसे के बावजूद दोनों युवक सुरक्षित रहे। पुलिस के अनुसार दोनों को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। भीषण तरीके से कार पलटने के बावजूद दो युवकों का सुरक्षित बच जाना राहत की बात रही।

पुल पर चढ़ी कार, फिर पलटने से मचा हड़कंप

प्रत्यक्ष परिस्थितियों के अनुसार कार पहले तेज गति में पुल की ओर बढ़ी और मोड़ पर चालक वाहन को संभाल नहीं सका। कार अनियंत्रित होकर पुल पर चढ़ गई और इसके बाद आगे जाकर पलट गई। हादसे के बाद कार क्षतिग्रस्त हो गई। प्रथमदृष्टया पुलिस को आशंका है कि तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाए जाने के कारण मोड़ पर चालक का कार से नियंत्रण हट गया, जिसके चलते यह दुर्घटना हुई। हालांकि पुलिस द्वारा दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

हादसे की सूचना मिलते ही भोपा पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटना की जानकारी जुटाई। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाने के साथ ही दुर्घटनाग्रस्त कार के संबंध में भी जानकारी जुटाई। हादसे के कारणों और घटनाक्रम की जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि दुर्घटना के समय कार की गति कितनी थी और मोड़ पर किस वजह से चालक वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका।

भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया

भोपा थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि मंगलवार सुबह गंगनहर पटरी पर क्विड कार के पलटने की सूचना मिली थी। हादसे में कार सवार आर्यन गंभीर रूप से घायल हुआ था, जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कार में सवार दो अन्य युवक सकुशल हैं। प्रारंभिक जांच में तेज गति और लापरवाही के चलते मोड़ पर वाहन से नियंत्रण हटने की बात सामने आ रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

21 वर्षीय युवक की हादसे में मौत की खबर जैसे ही उसके परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। कम उम्र में हुई मौत से परिजन सदमे में हैं। पुलिस द्वारा शव को आवश्यक कार्रवाई के लिए कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है।

रतनपुरी में ट्रॉले में घुसी तेज कार: दिल्ली के व्यक्ति की मौत, साथी गंभीर रूप से घायल

खतौली में हाइवे अंडरपास पर हुआ भीषण सड़क हादसा, ट्राला चालक की तलाश में जुटी पुलिस

खतौली। रतनपुरी थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-58 स्थित अंडरपास के ऊपर मंगलवार को एक हृदयविदारक सड़क हादसा सामने आया। दिल्ली से आ रही एक तेज रफ्तार आई-10 कार आगे चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉला से बुरी तरह टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। हादसे में कार सवार एक व्यक्ति ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार की गति काफी तेज थी और अंडरपास के ऊपर अचानक ट्रैक्टर-ट्रॉला के सामने

आ जाने से कार चालक उस पर नियंत्रण नहीं रख सका। जोरदार धमाके के साथ कार ट्रॉला के पिछले हिस्से में जा घुसी। दुर्घटना के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के राहगीर तुरंत मौके की ओर दौड़े और राहत कार्य में जुट गए।

दिल्ली निवासी थे कार सवारे

हादसे की सूचना मिलते ही रतनपुरी थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान जसप्रीत (50) पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी दिल्ली के रूप में हुई है। वहीं उनके गंभीर रूप से घायल साथी को तत्काल एंबुलेंस की मदद से सीएचसी (सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र) खतौली में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने मृतक के शव को पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

घटना के तुरंत बाद ट्रैक्टर-ट्रॉला चालक अपने वाहन को सड़क पर ही छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटाकर एनएच-58 पर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश सिंह के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला तेज रफ्तार के कारण कार के पीछे से टकराने का प्रतीत हो रहा है। ट्रैक्टर-ट्रॉला को कब्जे में ले लिया गया है और फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले की निष्पक्ष जांच जारी है।

सऊदी में 17 माह से पति, पत्नी नौ माह की गर्भवती ! कुटेसरा में उठे सवाल

ससुराल पक्ष ने थाने पहुंचकर लगाए गंभीर आरोप, समझौते के नाम पर पांच लाख रुपये मांगने का दावा; थाना प्रभारी बोले- शिकायत मिली, जांच जारी

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र के गांव कुटेसरा में एक विवाहिता की गर्भावस्था को लेकर ससुराल और मायके पक्ष के बीच विवाद खड़ा हो गया है। विवाहिता के पति के करीब 17 माह से सऊदी अरब में रहने का दावा करते हुए ससुराल पक्ष ने गर्भावस्था को लेकर सवाल उठाए हैं। मामला बढ़ने पर विवाहिता की सास और ससुर चरथावल थाने पहुंचे और पुलिस को शिकायत देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। ससुराल पक्ष ने आरोप लगाया कि मामले में समझौते के नाम पर मायके पक्ष की ओर से पांच लाख रुपये की मांग की जा रही है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

ससुराल पक्ष के अनुसार, युवक की

शादी वर्ष 2024 में कुटेसरा निवासी युवती के साथ हुई थी। शादी के बाद विवाहिता कुछ समय तक पति और ससुराल वालों के साथ रही। इसके बाद उसका पति रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब चला गया। ससुराल पक्ष का कहना है कि पति के विदेश जाने के बाद विवाहिता भी अपने मायके चली गई और वहीं रहने लगी। परिवार के मुताबिक, बाद में उन्हें विवाहिता के गर्भवती होने की जानकारी मिली। इसके बाद उसे ससुराल बुलाया गया और चिकित्सकीय जांच कराए जाने की बात कही गई। ससुराल पक्ष का कहना है कि उस समय कराई गई चिकित्सकीय जांच में विवाहिता के करीब छह माह की गर्भवती होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद मायके पक्ष के साथ-साथ सऊदी अरब में रह रहे पति को भी इसकी जानकारी दिए जाने का दावा किया गया। अब विवाहिता की गर्भावस्था करीब नौ माह बताई जा रही है। ससुराल पक्ष का कहना है कि पति के करीब 17 माह से विदेश में रहने के कारण गर्भावस्था को लेकर उनके मन में सवाल खड़े हुए हैं। इसी मुद्दे को लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद बढ़ गया। शिकायत में ससुराल पक्ष ने दावा किया है कि युवक ने विवाहिता को अपने साथ रखने से इनकार कर दिया है। मामला रिश्तेदारों और परिचितों तक पहुंचने के बाद दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने के प्रयास किए जाने की बात भी सामने आई है।ससुराल पक्ष का आरोप है कि इसी दौरान मामले को निपटाने के लिए पांच लाख रुपये की मांग की गई। परिवार ने कथित तौर पर दबाव और धमकी दिए जाने का भी आरोप लगाया है। इन्हीं आरोपों को लेकर ससुर ने चरथावल थाने में शिकायत देकर पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की।

एक विवाद, दो कहानी: हेड कांस्टेबल और पत्नी के परिजनों ने एक-दूसरे पर लगाए गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। पुलिस विभाग से जुड़े एक हेड कांस्टेबल के पारिवारिक विवाद ने अब तूल पकड़ लिया है। मामले में हेड कांस्टेबल और उसकी पत्नी के परिजनों ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दोनों पक्षों ने पुलिस अधिकारियों को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल मामला सीओ नई मंडी राजू कुमार साव के संज्ञान में है और पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि घटनाक्रम में वास्तविक रूप से क्या हुआ और किन आरोपों की पुष्टि होती है।

पीड़ित पक्ष का आरोप–घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट और अभद्रता

पीड़ित पक्ष के अंकुश का आरोप है कि उनके रिश्ते में मौसा लगने वाले हेड कांस्टेबल सोनू मेरठ में तैनात हैं। उनकी पत्नी के साथ कुछ समय से विवाद चल रहा है। अंकुश के मुताबिक, विवाद के चलते उनकी मासी कुछ दिनों के लिए उनके घर आई हुई थीं। इसी दौरान हेड कांस्टेबल सोनू अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पहुंचे और महिलाओं के साथ मारपीट व अभद्रता की।

अंकुश का आरोप है कि आरोपियों ने महिलाओं को कथित तौर पर घसीटा और उनकी वीडियो बनाने

का प्रयास किया। उनका कहना है कि घटना के बाद उनकी मां का मेडिकल कराया गया, जिसमें चोटों की पुष्टि हुई है। पीड़ित पक्ष ने नई मंडी थाने में शिकायत देने के साथ ही एसएसपी कार्यालय पहुंचकर कार्रवाई की मांग की।

अंकुश ने यह भी आरोप लगाया कि मामले में दूसरे पक्ष के एक व्यक्ति ने पुलिस कार्यालय में कथित तौर पर रिश्वत देने का प्रयास किया, जिसका वीडियो उनके पास मौजूद है। हालांकि, इस आरोप की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। पीड़ित पक्ष की मांग है कि घर में घुसकर मारपीट, महिलाओं के साथ अभद्रता और अन्य लगाए गए आरोपों की जांच कर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए। उन्होंने पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है।

हेड कांस्टेबल सोनू ने आरोपों को बताया गलत, रखा अपना पक्ष

वहीं, हेड कांस्टेबल सोनू ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि वह और उनकी पत्नी दोनों पुलिस विभाग में नौकरी करते हैं। सोनू का आरोप है कि उनकी पत्नी दो तारीख की रात घर से नकदी, जेवर और जरूरी दस्तावेज लेकर चली गईं। उन्होंने पत्नी की गुमशुदगी की तहरीर कंकरखेड़ा थाने में देने की बात कही है। सोनू के मुताबिक, पत्नी की तलाश करते हुए उन्हें जानकारी मिली कि उनकी पत्नी को उसके रिश्तेदारों ने अपने यहां रखा हुआ है। इसके बाद वह पत्नी के बारे में पूछताछ करने उनके घर पहुंचे। सोनू का आरोप है कि वहां कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट की, जिसमें उनके सिर में चोट आई और घुटने में भी गंभीर चोट लगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उनका मोबाइल, चेन और पर्स आदि सामान भी छीन लिया गया था। सोनू का कहना है कि नई मंडी थाना पुलिस ने उनकी मदद की और उनका मोबाइल व अन्य सामान वापस दिलाया। रिश्वत देने के आरोप पर सोनू ने साफ कहा कि ऐसा कोई मामला नहीं है और वह आज पहली बार इस स्थान पर आए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी विभिन्न अधिकारियों के यहां शिकायतें दी गई हैं और वह अपनी पत्नी व बच्चों से मिलना चाहते हैं।

पत्नी और बच्चों से मिलवाने की मांग

सोनू का कहना है कि उनकी पत्नी करीब 15 दिनों से उनके सामने नहीं आई हैं और उन्हें अपने बच्चों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि उनकी पत्नी को सामने लाया जाए, बच्चों से मिलवाया जाए और उनकी संपत्ति वापस दिलाई जाए।

जांच के बाद ही सामने आएगी सच्चाई

फिलहाल इस पूरे मामले में दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। एक पक्ष जहां घर में घुसकर महिलाओं से मारपीट और अभद्रता का आरोप लगा रहा है, वहीं हेड कांस्टेबल सोनू अपने साथ मारपीट और पत्नी-बच्चों को उनसे दूर रखने का आरोप लगा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों के स्तर से मामले की जांच की जा रही है।

जांच में सामने आने वाले तथ्यों, मेडिकल रिपोर्ट, शिकायतों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय होगी।

संपादकीय

दखल की सीमा -अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर नहीं रोक सकते छात्रों का भविष्य

सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि अदालत में कानून के आधार पर पैरोकारी करने से जुड़ा कोई संगठन ही या तो अपने अधिकारों का बेजा इस्तेमाल करने की कोशिश करे और अपनी सीमा का अतिक्रमण करे। सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में स्पष्ट व्यवस्था दी है कि अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन करके कोई भी संस्था ऐसा आदेश पारित नहीं कर सकती, जिससे किसी का भविष्य बाधित हो।गौरतलब है कि हैदराबाद स्थित नालसार विधि विश्वविद्यालय के छात्रों के खिलाफ बार काउंसिल आफ इंडिया यानी बीसीआइ के अध्यक्ष ने कुछ समय पहले एक आदेश जारी कर दिया था कि वहां पढ़ने वाले पूरे बैच के विद्यार्थियों का वकील के रूप में नामांकन किसी भी राज्य के बार काउंसिल में न किया जाए। उसके बाद इस मसले पर काफी विवाद उठा था कि क्या सिर्फ इसलिए विद्यार्थियों के भविष्य या करिअर को बाधित क्या जा सकता है कि उन्होंने किसी कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश के आने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि इस विवाद के तूल पकड़ने के बाद बीसीआइ के अध्यक्ष ने वह आदेश वापस ले लिया था, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम रहा कि क्या उसके पास विद्यार्थियों के खिलाफ ऐसा आदेश जारी करने का अधिकार है।इसी मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने साफ तौर पर कहा है कि बीसीआइ के पास विधि के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है। अदालत ने यह भी कहा कि विद्यार्थियों के संबंध में किसी भी तरह की कार्रवाई करना उस संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के मुताबिक इस पर फैसला ले सकता है। मगर हैरानी की बात यह है कि एक ऐसे मामले में बीसीआइ ने अतिरिक्त सजगता दिखाते हुए नालसार विधि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के खिलाफ फरमान जारी कर दिया था, जिससे उसका कोई सीधा वास्ता नहीं था। सवाल है कि वहां के कुछ विद्यार्थियों ने अगर किसी मसले पर अपनी असहमति जाहिर की थी, तो क्या यह उनकी अभिव्यक्ति की आजादी और अधिकार के तहत नहीं आता है। सिर्फ इसके लिए समूचे बैच के खिलाफ आदेश जारी कर देने की हड़बड़ी के पीछे आखिर कौन-सी मानसिकता काम कर रही थी? क्या बीसीआइ को इस बात का अंदाजा नहीं था कि अगर यह मामला अदालत में जाएगा, तो तर्कों और कानूनों की कसौटी पर उसे कैसे देखा जाएगा?यह विचित्र है कि बीसीआइ खुद कानून के पेशे को विनियमित करने वाली एक संवैधानिक संस्था है और इसके बावजूद उसे नियम-कायदों का पालन या अन्य तकाजों का ध्यान रखना जरूरी नहीं लगा। यों भी, बीसीआइ सिर्फ उन्हीं को विनियमित कर सकती है, जो वकील के रूप में नामांकित हो चुके हों। कानून के छात्रों की किसी गतिविधि पर कोई आदेश जारी करना उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

सवाल सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं, तकनीक की दिशा और बच्चों की सोच पर मोबाइल-एआई के असर का भी है

(ज्योति सिडाना)

सृजनशीलता की पहली शर्त कल्पना है, लेकिन तकनीक के बढ़ते प्रभाव के बीच बच्चों को अपनी कल्पना से कुछ नया सोचने और करने के अवसर लगातार कम होते जा रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है।

मानव जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में विज्ञान की महत्त्वपूर्ण भूमिका है। मशीनीकरण से लेकर कृत्रिम मेधा तक कई आधुनिक सुविधाओं ने जीवन की राह को आसान कर दिया है। मगर इसी के साथ नई चुनौतियां भी पैदा हुई हैं। अब संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवार और अकेले रहने की प्रवृत्ति बढ़ी है। कृषि और लघु उद्योगों के स्थान पर कंप्यूटर-निर्देशित सेवा उद्योगों का विस्तार हो रहा है।

शिक्षा में इंटरनेट की भूमिका ज्यादा है। मानव श्रम की जगह रोबोट तथा मानव बुद्धि के स्थान पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का वर्चस्व बढ़ रहा है। मशीनों का निर्माण श्रम को घटाने और कम समय में अधिक उत्पादकता के उद्देश्य से हुआ था। मगर कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के पीछे हमारी सोच क्या है, यह विचारणीय प्रश्न है। क्या मानव बुद्धि पर हमारा विश्वास कम हो गया है? आविष्कार और नवाचार जरूरी है, लेकिन इसकी दिशा ऐसी तकनीक की ओर मोड़ने की कोशिश क्यों नहीं की जा रही, जो गरीबी, असमानता, महिलाओं के प्रति हिंसा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं के समाधान में सहायक हो?

हमें यह स्वीकार करना होगा कि तकनीक बुरी नहीं होती, सवाल उसके सदुपयोग और दुरुपयोग का है। अगर किसी तकनीक का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों, समाज में वैमनस्य फैलाने, लोगों को मानसिक रूप से प्रभावित करने या उन्हें आत्मघाती कदम उठाने के लिए प्रेरित करने में किया जाए, तो जिम्मेदारी तकनीक की नहीं, उसके दुरुपयोग करने वालों की ही होती है। आज अक्सर ऐसी घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिनसे तकनीक के बढ़ते प्रभाव की गंभीरता समझी जा सकती है।

पिछले दिनों महाराष्ट के छत्रपति संभाजीनगर में आइफोन पाने की जिद में एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत की खबर ने समाज को झकझोर दिया। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा में मोबाइल फोन पर गेम खेलने से रोकने पर चौदह वर्षीय बच्चे की आत्महत्या कर लेने की घटना भी चिंता पैदा करती है। ऐसी घटनाएं बताती हैं कि स्मार्टफोन-इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग केवल सुविधा का विषय नहीं है, बल्कि यह पारिवारिक और सामाजिक संबंधों को भी प्रभावित करने लगा है।

आज मोबाइल फोन की लत एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। विभिन्न अध्ययनों में इसके कारण मानसिक तनाव, नींद की कमी, आंखों पर प्रतिकूल प्रभाव, मोटापा, अकेलापन, चिड़चिड़ापन, क्रोध, हिंसक व्यवहार तथा निर्णय लेने की क्षमता और सहनशीलता में कमी जैसी समस्याओं की ओर संकेत किया गया है। किसी आदत को छोड़ना कठिन हो सकता है, लेकिन लत से छुटकारा पाना उससे कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण होता है। इसका उदाहरण वे बच्चे हैं, जिनका मोबाइल फोन से संबंध इतना गहरा हो जाता है कि फोन न मिलने पर उनका व्यवहार असामान्य होने लगता है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास के बाद यह स्थिति एक नए रूप में सामने आ रही है। छोटे-छोटे बच्चे अपने स्कूल का कार्य कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से करने लगे हैं। किसी सामान्य प्रश्न को हल करने से लेकर शोध कार्य और नई परियोजना तैयार करने के लिए कृत्रिम मेधा को प्राथमिकता दी जाती है। परिणामस्वरूप पुस्तकों से दूरी बढ़ रही है और खुद के दिमाग का इस्तेमाल संकुचित होता जा रहा है।

हालत यह है कि बच्चों के लिए खेलना हो, तो मोबाइल, कुछ देखना हो तो मोबाइल, पढ़ना हो तो मोबाइल, कुछ सीखना हो तो मोबाइल और यहां तक कि किसी बीमारी के बारे में जानकारी प्राप्त करनी हो, तो भी मोबाइल। नई तकनीकों के इस्तेमाल का एक खास प्रभाव बच्चों की कल्पनाशीलता और सृजनशीलता पर भी दिख रहा है।

सृजनशीलता के लिए कल्पना आवश्यक है, लेकिन बच्चों को अपनी कल्पना के आधार पर कुछ नया सोचने और करने के अवसर नहीं मिल रहे। कई बार उन्हें कुछ अलग सोचने के बजाय तैयार सामग्री का अनुकरण करने के लिए प्रेरित किया जाता है। उनकी मौलिकता की उपेक्षा इसलिए भी होने लगी है, क्योंकि कृत्रिम मेधा तैयार समाधान उपलब्ध करा देती है।

इसी तरह सृजनशीलता को भी अब पेशेवर सफलता और बाजार से जोड़ कर देखा जाने लगा है। इसके लिए स्वाभाविकता और स्वतंत्र सोच आवश्यक है, लेकिन तकनीक ने बच्चों को एक सीमा तक 'कट, कॉपी और पेस्ट' संस्कृति का हिस्सा बना दिया है। जब हर चीज तैयार मिल जाए, तो स्वयं मेहनत करके सफल होने की इच्छा भी कम होने लगती है। आज बच्चों के लिए मोबाइल की स्क्रीन ही खेल का मैदान बन गई है। यह आदत निश्चित तौर पर बच्चों के शारीरिक और मानसिक व्यवहार को प्रभावित करती है। मोबाइल फोन पर लगातार अकेले गेम खेलते रहने से टीम भावना, धैर्य, चुनौतियों का सहजता से सामना करने की क्षमता, चिंतन तथा हार और जीत को समान भाव से स्वीकार करने की प्रवृत्ति कमजोर हो सकती है।

समाज-मनोवैज्ञानिक लगातार बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रहने तथा 'स्क्रीन टाइम' सीमित करने की सलाह दे रहे हैं। बच्चों और अभिभावकों को यह समझना आवश्यक है कि मोबाइल कब जरूरी है और कब उससे दूरी बनाना बेहतर है। मगर बच्चों को केवल मोबाइल से दूर कर देना काफी नहीं होगा। परिवार के सदस्यों को भी बच्चों के साथ पर्याप्त समय बिताना होगा और उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों को बच्चों को नवाचार एवं स्वतंत्र चिंतन के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यह इसलिए भी जरूरी है कि बच्चे अब आत्मकेंद्रित होते जा रहे हैं और आमने-सामने संबंधों की अपेक्षा आभासी संबंधों को अधिक महत्त्व देने लगे हैं।

वे काल्पनिक दुनिया में रहना तो चाहते हैं, लेकिन अपनी कल्पना को सृजनशीलता में बदलने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं करते। ऐसे में बच्चों को तकनीक से पूरी तरह काटने के बजाय उसका विवेकपूर्ण और सीमित उपयोग सिखाना अधिक व्यावहारिक समाधान है। याद रखना चाहिए कि इंटरनेट सूचना दे सकता है, लेकिन समझ, तर्क, विवेक और दृष्टिकोण विकसित करने की जिम्मेदारी मनुष्य की ही है।

टीवी बहसों का 'सर्कस' और मलबे में दबती जवाबदेही~क्या टीआरपी के आगे गौण हो गए असली मुद्दे?

(सुधीश पचौरी)

टीवी डिबेट्स में दिल्ली पीजी हादसे जैसी व्यवस्थागत विफलताओं को छोड़ 'नाराज फूफा' और धार्मिक विवादों पर सियासत हावी है। मीडिया का यह चयनात्मक रुख असली जनसरोकारों और प्रशासनिक जवाबदेही को छिपाता है। इस सप्ताह भी कुछ चैनलों पर 'मनुस्मृति' पर विपक्ष के एक नेता के सीधे हमले और उनके नारे 'पितृसत्ता को नष्ट करो' (स्मैश पैट्रिआर्की) पर चर्चा जारी रही। एक चर्चा में चर्चक विपक्षी नेता से पूछता रहा कि वे एक समुदाय को ही निशाना क्यों बनाते हैं, अन्य किसी धर्म में काम करती पितृसत्ता को नष्ट करने की बात क्यों नहीं कहते! इसके ठीक बाद केरल के एक बड़े मौलवी साहब ने फरमा दिया कि महिलाओं को घर के भीतर ही रहना चाहिएज्वे मंच पर आईं, तो तबाही मच जाएगी.. ! इससे बहस और भी फंसी। मौलवी साहब तो चर्चा में कुछ 'लिबरलों' के निशाने पर बने रहे, लेकिन 'पितृसत्ता को नष्ट करो' का नारा देने वालों ने उनके बयान पर कोई टिप्पणी नहीं की। 'सत्य निकेतन' इलाके में एक पीजी के अचानक गिरने से सात युवकों की हुई मौत को लेकर लगभग हर चैनल दिल्ली सरकार और उसके अधिकारियों पर लगातार हमलावर रहे और उनकी जवाबदेही मांगते रहे। इस एक घटना ने देश की व्यवस्था की पोल खोल दी कि किस तरह दिल्ली सरकार और प्रशासन के सामने अनगिनत विद्यार्थी पीजी माफिया की मनमानी के सामने लाचार हैं। हर दुर्घटना के बाद कुछ हो-हल्ला होता है, फिर कुछ समय बाद भूल जाते हैं और लाखों विद्यार्थी मनमाना किराया वसूले जाने और न के बराबर सुविधाएं पाने के भरोसे छोड़े दिए जाते हैं। जब दबाव बना और अदालत सजग हुई, तब दिल्ली भर के पीजी की जांच की बात कही गई। खतरनाक इमारतों को तोड़ने-गिराने की सरकारी मुहिम ने जोर पकड़ा। उधर दिल्ली विश्वविद्यालय भी छात्रावासों की सीटें बढ़ाने पर तैयार हुआ। यह भी स्पष्ट रहा कि दिल्ली में पढ़ने आने वाले सभी विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा शायद कभी नहीं दी जा सकती। यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम' का गान कर रहे हैं। इसे देख एक विपक्षी दल के कुछ नेता जम्मू-कश्मीर की विधान सभा में 'वंदेमातरम' को पूरा गाने पर ही एतराज जताने लगे कि ऐसा क्यों किया! इस बीच एक दिन उज्जैन से हनुमानजी की एक प्रतिमा को प्रशासन द्वारा हटाने की पूरी कोशिश करके भी न हटा पाने की खबर कुछ इस तरह से आई, मानो कोई चमत्कार हो। बेहतर हुआ कि इस पर बहसें नहीं हुईं, क्योंकि अगर होतीं, तो एक ओर 'भक्त' होते जो इसे 'चमत्कार' कहते नहीं अघाते, दूसरे इसकी वैज्ञानिक जांच की मांग करते नजर आते। फिर जिन दिनों पीजी की इमारत गिर जाती हो, और बच्चे मर जाते हों उन दिनों ऐसे चमत्कारों की खबरें दुर्घटनाओं को मुंह चिढ़ाती दिखती हैं। बेहतर हो कि ऐसी घटनाओं की वैज्ञानिक जांच हो और अंधविश्वास तथा विश्वास में फर्क बताया जाए। फिर कुछ चैनलों पर 'संविधान बरक्स शरिया' को लेकर बहसें होती रहीं? ऐसी बहसें जाने कितनी बार दुहराई गई हैं।

यानी फिर किसी 'दुर्घटना' पर रोने के लिए तैयार रहिए, क्योंकि 'पीजी सिस्टम' नहीं सुधरेगा। इसी बीच अयोध्या के राम मंदिर के इंतजाम के लिए सीईओ के पद पर एअर मार्शल जितेंद्र मिश्रा का 'चयन' भी विपक्ष को नहीं भाया और वे इस पर भी सवाल उठाते नजर आए। इसी तरह जब एक 'वैश्विक रैंकिंग संस्था' ने भारत को 'ए' रैंकिंग दी, तो विपक्ष फिर सवाल उठाने लगा कि ऐसा कैसे हो सकता है! फिर एक बड़ी खबर में जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के वीडियो दिखाए जाते रहे कि विधान सभा में शासक पार्टी के बड़े नेता फारुख अब्दुला और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके एमएलए, सब खड़े होकर आदरपूर्वक पूरे छह छंदों वाले 'वंदेमातरम' का गान कर रहे हैं।

मलबे पर डांट-फटकार और कागजी जांच, क्या हर हादसे के बाद भूल जाना ही दिल्ली की नियति है?

दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था।

(तवलीन सिंह)

दिल्ली में अवैध पीजी इमारत हादसे ने छात्रों की सुरक्षा, प्रशासनिक भ्रष्टाचार और बुनियादी सुविधाओं की कमी पर बड़े सवाल खड़े किए हैं। हर हादसे के बाद होती राजनीति के बीच जमीनी हालात जस के तस बने हुए हैं। हम जैसे लोग जिनका काम है राजनीति और राजनेताओं की हरकतों तथा बदलती आदतों पर नजरें टिका कर रखना, उन छोटी-छोटी तब्दीलियों को भी ध्यान से देखते हैं। निजी तौर पर मेरा ध्यान रहता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर, इसलिए कि यकीन है मुझे कि उनकी सरकार और भारतीय जनता पार्टी, उनके बल पर चलती है। प्रधानमंत्री जब कमजोर दिखते हैं, तो सत्ता का पूरा ढांचा हिल-सा जाता है। दिल्ली में विश्व के कई बड़े राजनेता आए और अपने प्रधानमंत्री ने शान से उनका स्वागत किया, लेकिन इसके बावजूद मुझे लग रहा है कई दिनों से कि जब से काकरोच जनता पार्टी ने जंतर मंतर पर अपना प्रदर्शन किया है, प्रधानमंत्री बौखला से गए हैं। पिछले सप्ताह जो सिर्फ शक था मेरे दिमाग में, वह यकीन में बदल गया, क्योंकि यह समझना मुश्किल है मेरे लिए कि जिस दिन दिल्ली में नौजवान विद्यार्थियों के शव उस इमारत के मलबे से निकाले जा रहे थे, नरेंद्र मोदी क्यों दिखे गुजरात में एक ऐसे मंच पर जिस पर उनको नहीं होना चाहिए था। वडोदरा के किसी कालेज का मंच था वह और जो अंग्रेजी गाना बज रहा था, उसके शब्द अगर प्रधानमंत्री को किसी ने बताए होते, तो किसी भी हाल में वे उस मंच पर नहीं जाते। वह गाना था 'वी विल, वी विल, राक यू'ज उसकी कुछ पंक्तियां ये हैं- 'दोस्त आप बुड्ढे हो, गरीब होज आपके चेहरे पर मिट्टी है और आप दुनिया की नजरों में इतने गिरे हुए हो कि समय आ गया है कि कोई आपको अपनी औकात बताए।' शब्द गाए नहीं गए थे उस दिन, सिर्फ गाने की धुन बजाई गई थी, लेकिन क्या प्रधानमंत्री जानते हैं कि कितना बुरा लगा उनको उस मंच पर दिखाया जाना, ऐन उस वक्त जब दिल्ली में उस अवैध पीजी के मलबे से छात्रों के शव निकाले जा रहे थे। माना कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम बहुत पहले तय किए जाते हैं, लेकिन जब कोई बड़ा हादसा हो जाता है, तो

उनको बदल देने की गुंजाइश हमेशा होती है। प्रधानमंत्री की बौखलाहट के उदाहरण और भी हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिणी परिसर में जब शोकसभाएं चल रही थीं, मोदी श्रीराम कालेज आफ कामर्स गए जहां उन्होंने अपने भाषण में एक ऐसी बात कहीं जो कहनी नहीं चाहिए थी। उन्होंने एक बार फिर 'दिमागी नक्सल' का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने लालकिले से दिमागी नक्सलों का जिक्र क्या किया कि सारे दिमागी नक्सल बाहर आने लग गए। हो सकता है कि प्रधानमंत्री ने छात्रों के लिए ये शब्द इस्तेमाल न किए हों, लेकिन इन शब्दों को काकरोच जनता पार्टी के लोगों ने इसे अपनी तरफ इशारा समझ कर खूब मजाक करते हुए उछाला सोशल मीडिया पर। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काकरोच जनता पार्टी के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जहां बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं। इन बेहाल गलियों में बने हैं वे पीजी, जिनमें दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्र रहते हैं सिर्फ इसलिए कि विश्वविद्यालय ने उतने छात्रावास नहीं बनाए हैं जिनकी जरूरत है। पहला सवाल यह है कि छात्रावास क्यों नहीं बने हैं? छात्रों को क्यों रहना पड़ता है छोटे-छोटे कमरों में जिनका मासिक किराया 16,000 रुपए से कम नहीं है? सवाल और भी हैं।

दिल्ली में 'डबल-इंजन' नहीं, 'ट्रिपल-इंजन' सरकार है जिसके शासनकाल में बने हैं ये असुरक्षित और अवैध छात्रावास। क्या सो रहे थे दिल्ली के शासक या उनकी आंखें नहीं थीं? इमारत गिरने के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री ने कई दिखावे किए मलबे के बीच अपने अफसरों को डांटने के। जैसे सारा दोष उनका था, मुख्यमंत्री का नहीं। दिन भर दिखीं मलबे के ऊपर खड़ीं और बाद में पत्रकारों से उन्होंने कहा कि जांच होगी और हिसाब लिया जाएगा पूरी तरह, लेकिन शायद जानती नहीं हैं मुख्यमंत्री कि बिल्कुल इसी तरह के बयान दिए गए थे, जब मालवीय नगर में कुछ महीने पहले अवैध इमारत गिरी थी। उस हादसे के बाद वादा किया गया था कि जितनी भी अवैध इमारतें हैं दिल्ली में, उनका पूरा निरीक्षण होगा और सरकार 'एक्शन' लेगी। यथार्थ यह है कि कुछ नहीं हुआ है। यथार्थ यह भी है कि भविष्य में कुछ नहीं होगा, इसलिए कि अवैध निर्माण होता है सबकी सांठगांठ से। इसमें नेता शामिल हैं, अधिकारी भी और नगरपालिका चलाने वाले भी। भ्रष्टाचार इतना अधिक है कि इसको अगर कभी भविष्य में रोका जाए, तो चमत्कार ही माना जाएगा। मैं दिल्लीवासी हूं बचपन से, इसलिए काफी हद तक मेरा वास्ता रहा है स्थानीय अधिकारियों और नगरपालिका के मुलाजिमों से। निजी अनुभव से बता सकती हूं कि खुल कर पैसे मांगे जाते हैं जब निर्माण में कुछ अवैध पाया जाता है, लेकिन इसलिए कि अमीरों से ज्यादा पैसा बनता है, तो नगरपालिका के अफसरों की नजरें टिकी रहती हैं दिल्ली के आला रिहाइशी इलाकों पर। जब भी कोई छोटा-मोटा अवैध निर्माण पाया जाता है, तो ये लोग डराने-धमकाने लगते हैं। मगर तब चुप हो जाते हैं, जब उनकी घूस की मांगें पूरी कर दी जाती हैं। दिल्ली की आधी रिहाइशी कालोनियां अवैध हैं, जिनमें सबसे बड़ा इलाका है सैनिक फार्म का। इतना बड़ा रिहाइशी इलाका कैसे बना अवैध तरीके से? तंग गलियों और अनियोजित बाजारों के बीच बनी हैं अमीरों की आलीशान कोठियां, जिनसे हर साल वसूली होती है। नरेंद्र मोदी से मेरे जैसे लोगों की उम्मीद थी कि उनके आने से दिल्ली का हाल सुधर जाएगा। आज क्या उम्मीद रख सकते हैं हम, जब प्रधानमंत्री इतना बौखलाए हुए दिखने लगे हैं। दिल्ली में उस इमारत के गिरने के बाद काजपा के नेताओं ने पीजी को मुद्दा बना कर कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाली हैं, यह साबित करने के लिए कि देश के छात्रों को वास्तव में 'काकरोचों' की तरह जीवित रहने पर मजबूर किया है नेताओं और सरकारी अधिकारियों ने। इन तस्वीरों में दिखाई गई हैं तंग गलियां जिनमें बिजली के तारों के मोटे गुच्छे लटके दिखते हैं।

मां शाकंभरी के जयकारों से गूंजा क्षेत्र, पदयात्राओं में उमड़ा आस्था का सैलाब

निकाली गई पदयात्राओं को सुरेश राणा सहित गणमान्य नागरिकों धार्मिक विधि विधान के साथ किया रवाना

थानाभवन। मंगलवार को मां शाकंभरी देवी के भक्तों की पदयात्राओं का भव्य आयोजन किया गया। नगर के बड़ा हनुमान मंदिर से श्रद्धालुओं की भारी मौजूदगी के बीच पदयात्रा को मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने रवाना किया। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी लवी राणा मौजूद रहे
पदयात्रा के शुभारंभ से पहले मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर मां शाकंभरी देवी से सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इसके बाद जैसे ही पदयात्रा आगे बढ़ी, पूरा वातावरण जय माता दी और मां शाकंभरी देवी की जय के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लेकर भक्ति में लीन नजर आए।

मुख्य अतिथि सुरेश राणा ने कहा कि धार्मिक यात्राएं समाज में आस्था, संस्कार और सामाजिक एकता को मजबूत करने का कार्य करती हैं। मां शाकंभरी देवी के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था और समर्पण प्रेरणादायी है। उन्होंने पदयात्रा के सफल आयोजन के लिए महाराणा प्रताप युवा क्लब के सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

पदयात्रा में युवाओं के साथ बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष श्रद्धालुओं ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जगह-जगह श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। पदयात्रा के दौरान भक्तिमय माहौल बना रहा और पूरा क्षेत्र मां के जयकारों से गूंजता रहा। इसके अतिरिक्त मोहल्ला खेल में भाजपा के वरिष्ठ नेता जगमाल सैनी ने पदयात्रा को रवाना किया इसके अतिरिक्त मोहल्ला मुजावरान,मोहल्ला घंटों वालामंदिर सहित नव दुर्गा पार्टी की ओर से भव्य पदयात्रा निकाली गई ।इन सभी पदयात्राओं में नगर वासियों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया ।

पदयात्राओं में जगमाल सैनी,विनोद सैनी,ऋषिपाल सैनी पूर्व सभासद,रजनीश उपाध्याय,संजय कश्यप ,शालू राणा,प्रदीप राणा,रवि राणा,योगी सतीश नाथ,अमित मित्तल,गोपाल सैनी, छोटा आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

शामली में कार साइड लगने के मामूली विवाद में फायरिंग, स्कार्पियो सवार युवक ने चलाई पिस्टल; दोनों पक्षों पर मुकदमा

शामलीः शहर के वर्मा मार्केट और नौ कुआं मोड़ के पास कार साइड लगने के मामूली विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर कहासुनी और मारपीट हो गई। आरोप है कि इसी दौरान स्कार्पियो सवार एक युवक ने पिस्टल से फायरिंग कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। मौके पर पुलिस को फायरिंग का खोखा भी मिला है।दरअसल, आदर्श मंडी क्षेत्र के टिटौली निवासी अशोक अपने भतीजे के साथ शिव चौक की ओर जा रहे थे। वर्मा मार्केट में भगत जी स्वीट्स के पास उनकी कार की इलेक्ट्रॉनिक सामान के व्यापारी की कार से हल्की टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी और गाली-गलौज शुरू हो गई।आरोप है कि अशोक के बुलाने पर उनका पुत्र काले रंग की स्कार्पियो से मौके पर पहुंचा और पिस्टल से फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों पक्ष वहां से

चले गए। ऋषभ का आरोप है कि नौ कुआं मोड़ के पास अशोक, उनके पुत्रऔर अन्य लोगों ने उन्हें दोबारा घेर लिया और लाठी-डंडों से मारपीट की। साथ ही जान से मारने की धमकी देने का आरोप है।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। पुलिस ने ऋषभ की तहरीर पर अशोक और उनके पुत्र के खिलाफ जानलेवा हमले समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। वहीं अशोक की तहरीर पर ऋषभ गर्ग, ईशु सिंघल और दो अज्ञात के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों से एक-एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है।

रालोद में विनीत गुप्ता बने खतौली नगर अध्यक्षःजिलाध्यक्ष संजय राठी ने सौंपी कमान

खतौली के वार्ड, मोहल्ले और बूथ स्तर तक रालोद को मजबूत करने पर बल ढंग

खतौली (मुजफ्फरनगर)। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों और संगठनात्मक पुनर्गठन के तहत खतौली में बड़ा बदलाव किया है। पार्टी नेतृत्व के निदेर्शानुसार रालोद जिलाध्यक्ष संजय राठी ने विनीत गुप्ता तिलौरे वाले को खतौली नगर अध्यक्ष पद की नई जिम्मेदारी सौंपी है। मनोनयन के पश्चात नवनियुक्त नगर अध्यक्ष विनीत गुप्ता ने पार्टी के केंद्रीय एवं प्रांतीय नेतृत्व सहित जिलाध्यक्ष संजय राठी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, समर्पण और ईमानदारी के साथ खरे उतरेंगे। विनीत गुप्ता की

नियुक्ति पर रालोद के स्थानीय नेताओं और कार्यकताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे संगठन के हित में एक दूरदर्शी कदम बताया।

गुप्ता से पार्टी ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पार्टी की रीति-नीतियों को नगर के प्रत्येक वार्ड, मोहल्ले और बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सकेगा, जिससे नए युवाओं और व्यापारियों का जुड़ाव रालोद से बढ़ेगा। ढोल-नगाड़ों के साथ मनाया गया जश्न

नियुक्ति की खबर मिलते ही रालोद समर्थकों एवं परिचितों ने विनीत गुप्ता को माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान उपस्थित वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और एकजुट होकर संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का सामूहिक संकल्प लिया।

शामली तहसील परिसर में पार्किंग ठेके की नीलामी 24 सितंबर को, जानिए शर्तें और नियम

उप जिलाधिकारी के आदेश पर शामली तहसील सभाकक्ष में होगी 31 मार्च 2027 तक की पार्किंग नीलामी

शामलीः तहसील परिसर शामली में स्थित पार्किंग का ठेका वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए दिए जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। तहसीलदार शामली ने सर्व साधारण को सूचित किया है कि उप जिलाधिकारी के आदेश दिनांक 07.09.2026 के अनुपालन में यह नीलामी आयोजित की जा रही है। पार्किंग ठेके की यह समय सीमा 31 मार्च, 2027 तक के लिए होगी।

नीलामी की तारीख और समय

नीलामी में हिस्सा लेने वाले बोलीदाताओं के लिए कुछ अनिवार्य शर्तें लागू की गई हैं। बोली लगाने से पूर्व बोलीदाता को ठेके की नीलामी हेतु अंकन -10,000/- रुपये की धनराशि प्रतिभाग के रूप में नगद जमा करानी होगी। इसके अलावा, बोलीदाता को बोली प्रक्रिया में शामिल होने से पहले अपना मूल चरित्र प्रमाण पत्र और हैसियत प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।भुगतान के नियम और अन्य शर्तें

नीलामी के दौरान सबसे ऊंची बोली लगाने वाले उच्चतम बोलीदाता को

नीलामी की कुल धनराशि का 1/4 हिस्सा तत्काल जमा करना होगा। इसके बाद शेष बची धनराशि नीलामी स्वीकृत होने के तुरंत बाद जमा करनी होगी। यदि धनराशि जमा करने में कोई विलंब होता है, तो पहले से जमा की गई धनराशि जब्त कर ली जाएगी।पार्किंग के संचालन के लिए केवल तहसील परिसर के भीतर ही स्थान दिया जाएगा। इसके लिए अस्थायी व्यवस्था ठेकेदार को स्वयं अपने खर्च पर वहन करनी होगी। इसके साथ ही ठेका अवधि समाप्त होने पर ठेकेदार को अपने व्यय पर स्थान खाली करना पड़ेगा।

इस नीलामी को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अंतिम अधिकार उप जिलाधिकारी महोदय का होगा।

तहसील प्रशासन की ओर से नीलामी की तिथि दिनांक 24.09.2026 नियत की गई है। इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि को प्रातः 11.00 बजे तहसील सभाकक्ष में उपस्थित होकर पार्किंग नीलामी की कार्यवाही में प्रतिभाग कर सकते हैं।

रूस में फंसे युवकों की जानकारी के लिए राव अब्दुल वारिस की पहल, भारतीय दूतावास से की फोन पर वार्ता

हसनपुर लुहारी पहुंचे पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस, पीड़ित परिवार को दिया भरोसा; रूस वीजा डिपार्टमेंट के अधिकारी ने दो दिन में पूरी जानकारी देने की बात कही

थानाभवन। पढ़ाई और बेहतर भविष्य का सपना लेकर रूस गए शामली और मुजफ्फरनगर के युवकों के रूसी सेना में भर्ती होने की खबर से परिवारों में मचे हड़कंप के बीच अब राजनीतिक स्तर पर भी मदद की पहल शुरू हो गई है। हसनपुर लुहारी गांव में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए भारतीय दूतावास रूस के वीजा डिपार्टमेंट में तैनात रोहित से फोन पर वार्ता की। बातचीत में अधिकारी ने आश्वासन दिया कि दो दिन के भीतर रूस में मौजूद बच्चों के संबंध में पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी जाएगी।

पूर्व विधायक राव अब्दुल वारिस ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनकी पूरी बात सुनी और उन्हें हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि परिवारों की चिंता जायज है और युवकों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होना बेहद

जरूरी है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर युवकों की लोकेशन, स्थिति और भारत वापसी को लेकर जानकारी जुटाने का प्रयास किया।

14 अप्रैल को रूस गया था आशु, 30 जुलाई के बाद संपर्क टूटा

थानाभवन क्षेत्र के हसनपुर लुहारी गांव निवासी आशु कुमार पुत्र राकेश कुमार 14 अप्रैल 2026 को रूस गया था। परिजनों के अनुसार उसका दाखिला Moscow State Linguistic University में हुआ था और उसका वीजा 5 मार्च 2027 तक वैध बताया जा रहा है। परिवार के मुताबिक आशु से आखिरी बार 30 जुलाई को बातचीत हुई थी। इससे पहले वह 30 जून को हॉस्टल से निकल गया था। इसके बाद उसका परिवार से संपर्क नहीं हो सका।

कई दिनों तक बेटे की कोई जानकारी नहीं मिलने पर परिवार की चिंता बढ़ती गई। परिजनों ने मामले की जानकारी विदेश मंत्रालय तक पहुंचाते हुए आशु की तलाश कराने और उसे सुरक्षित भारत वापस लाने की मांग की। मुजफ्फरनगर के दो युवकों को लेकर भी बढ़ी चिंता

इसी मामले में मुजफ्फरनगर के पीपल शाह निवासी शक्ति पुंडीर पुत्र विपिन कुमार और बढ़ बलवा खेड़ी निवासी हिमांशु शर्मा पुत्र मुकेश शर्मा के नाम भी सामने आए हैं। परिजनों के अनुसार दोनों अगस्त 2025 में रूस गए थे। बताया गया कि 30 जून को दोनों युवकों को हॉस्टल से निकाल दिया गया, जिसके बाद परिजनों को उनकी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों के अनुसार विदेश मंत्रालय से मिली जानकारी में दोनों युवकों के रूसी सेना में भर्ती होने की बात सामने आई है। हालांकि परिवार अब भी युवकों की वास्तविक स्थिति और लोकेशन की आधिकारिक जानकारी मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

एजेंटों की भूमिका पर भी उठे सवाल

युवकों के परिवारों ने उन्हें रूस भेजने वाले एजेंटों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। परिजनों का कहना है कि युवकों को पढ़ाई और बेहतर भविष्य के सपने दिखाकर रूस भेजा गया था, लेकिन बाद में वे अचानक संपर्क से बाहर हो गए। अब परिवारों की सबसे बड़ी चिंता युवकों की सुरक्षा को लेकर है। जानसठ क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन युवकों की भी चिंता

परिजनों के अनुसार मुजफ्फरनगर के जानसठ क्षेत्र के करीब डेढ़ दर्जन युवक भी इसी तरह रूस गए थे, जिनमें से कई के संबंध में परिवारों को अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। युवकों के संपर्क से बाहर होने के कारण उनके परिवार लगातार सरकारी स्तर पर मदद की उम्मीद लगाए हुए हैं। राव अब्दुल वारिस की भारतीय दूतावास के वीजा डिपार्टमेंट के अधिकारी रोहित से हुई बातचीत के बाद परिवारों को अब कुछ राहत की उम्मीद जगी है।

21 वे सुंदरकांड में चौपाइयों से गूंजा थानाभवन, भक्ति में डूबीं महिलाएं

महिला इकाई ने श्रद्धा के साथ कराया सुंदरकांड पाठ, पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेश राणा रहे मौजूद

थानाभवन। सुंदरकांड की चौपाइयां, हनुमान जी के जयकारे और भजनों की गूंज... शुक्रवार को थानाभवन में माहौल पूरी तरह भक्तिमय नजर आया। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन महिला इकाई थानाभवन, जनपद शामली की ओर से धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा मुख्य रूप से मौजूद रहे। आयोजन में महिला सुंदरकांड सेवा समिति आईवीएफ थानाभवन का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीराम और संकटमोचन हनुमान जी के पूजन-अर्चन के साथ हुआ। इसके बाद महिलाओं ने सामूहिक रूप से सुंदरकांड का पाठ किया। जैसे-जैसे सुंदरकांड की चौपाइयां और भजनों की स्वर लहरियां गूंजती गईं, पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में महिलाओं ने श्रद्धापूर्वक पाठ में सहभागिता की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीराम और हनुमान जी की आराधना कर परिवार, समाज और नगर की सुख-शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। सुरेश राणा बोले– भक्ति के साथ सेवा और संस्कारों का संदेश देता है सुंदरकांड कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने कहा कि धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों को मजबूत करने का काम करते हैं। सुंदरकांड भगवान हनुमान जी की भक्ति, सेवा, समर्पण,

साहस और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा का संदेश देता है। उन्होंने महिला इकाई द्वारा आयोजित धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, भाईचारे और एकजुटता की भावना को मजबूत करते हैं। महिला पदाधिकारियों ने संभाली आयोजन की कमान

कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष,रश्मि गर्ग नगर कोषाध्यक्ष दीपा घायल, नगर संयोजक पूजा, नगर सलाहकार श्रेया गोयल, नगर मंत्री कविता, मीडिया प्रभारी सहित महिला इकाई की कार्यकारिणी की अनेक सदस्य मौजूद रहीं। महिला पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने श्रद्धा के साथ सुंदरकांड पाठ में भाग लिया और आयोजन को सफल बनाने में सहयोग किया।

रश्मि गर्ग ने कहा कि संगठन की ओर से समय-समय पर धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। इन आयोजनों का उद्देश्य धार्मिक चेतना के साथ समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता की भावना को और मजबूत करना है। आरती के बाद बांटा प्रसाद सुंदरकांड पाठ के समापन पर भगवान हनुमान जी की विधिवत आरती की गई। इसके बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भक्तिमय वातावरण में हुए आयोजन ने सभी का मन मोह लिया। उपस्थित महिलाओं ने धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

रंग संसार

अफवाहों पर अमिताभ बच्चन ने खुद लगाई रोक, कहा-'मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा'

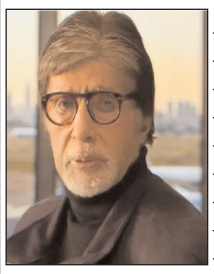

मुंबई। सेलेब्स की एक-एक बात और मूवमेंट पर फैंस की पैनी नजर रहती है, कभी-कभी तो उनके द्वारा कही गई छोटी सी बात को समझे बिना ही बात का बतंगड़ बना दिया जाता है। इसी बीच, मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने रिटायरमेंट की उड़ रही अफवाहों के बीच साफ किया कि रिटारमेंट लेने का उनका कोई प्लान नहीं है। दरअसल, मेगास्टार के हालिया ब्लॉग पोस्ट के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि वे अपने काम से दूरी बनाने पर विचार कर रहे हैं, जिस पर साफाई देते हुए मेगास्टार ने फिर से ब्लॉग पोस्ट किया और अपनी पहले की बात को स्पष्ट किया।उन्होंने लिखा, "नहीं हुजूर, मैं काम से रिटायर नहीं हो रहा हूं, अंग्रेजी में इसका मतलब है कि मैं अब सोने जा रहा हूं और आपको वहां आने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है।" दरअसल, दिग्गज अभिनेता के पिछले ब्लॉग को कुछ लोगों ने इस तरह से लिया था कि वे रिटायरमेंट पर विचार कर सकते हैं। उस खास पोस्ट में, अमिताभ बच्चन ने लिखा था कि कैसे उनकी कुछ ब्लॉग एंट्री को अक्सर गलत समझा जाता है और जिस तरह से उनके शब्दों का मतलब निकाला जाता है और रिपोर्ट किया जाता है, उस पर मजाक उड़ाया जाता है।उन्होंने पोस्ट को 'और मैं रिटायर हो गया' शब्दों के साथ खत्म किया, जिससे बाद में यह अंदाजा लगने लगा कि क्या वह अपने करियर की बात कर रहे थे। अपनी लेटेस्ट पोस्ट में उन्होंने साफ किया कि रिटायर का इस्तेमाल सोने के लिए किया जा रहा था, न कि एक्टिंग या अपने प्रोफेशनल कमिटमेंट्स से दूर जाने के लिए। बता दें कि अमिताभ बच्चन अभी 'कौन बनेगा करोड़पति का 18वां सीजन' होस्ट कर रहे हैं, जिससे वह दो दशक से ज्यादा समय से जुड़े हुए हैं। यह शो पहली बार वर्ष 2000 में शुरू हुआ था, जिसमें अमिताभ बच्चन ने होस्ट का रोल निभाया था और इस क्विज शो को इंडियन टेलीविजन की सबसे आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक बना दिया था।

राज काज

किसानों के लिए वरदान हैं ये 3 सरकारी योजनाएं, मिलता है सालाना 6,000 रुपए से लेकर 5 लाख तक लोन का लाभ

नई दिल्ली। किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए केंद्र सरकार कई योजनाएं संचालित कर रही है। इनमें कुछ ऐसी योजनाएं भी हैं जो किसानों को सीधे वित्तीय सहायता, वृद्धावस्था में पेंशन और खेती के लिए आसान ऋण जैसी सुविधाएं प्रदान करती हैं। हालांकि, जानकारी के अभाव में आज भी कई पात्र किसान इन योजनाओं का पूरा लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में अगर आप खेती करते हैं, तो आज हम आपको सरकार की तीन ऐसी योजनाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जो आपके बहुत काम आ सकती हैं।दरअसल, हम किसानों से संबंधित जिन योजनाओं की बात कर रहे हैं वो हैं-प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना और किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी), जो आपके लिए बड़े काम की साबित हो सकती हैं। सबसे पहले बात करते हैं पीएम किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की। पीएम-किसान देश की सबसे लोकप्रिय किसान योजनाओं में शामिल है। इस योजना के तहत पात्र भूमिधारक किसानों को हर वर्ष 6,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह राशि किसानों के बैंक खातों में 2,000 रुपए की तीन समान किस्तों में सीधे हस्तांतरित की जाती है।योजना का उद्देश्य किसानों को खेती और घरेलू जरूरतों के लिए अतिरिक्त आर्थिक मदद उपलब्ध कराना है। इसका लाभ उन किसानों को मिलता है जिनके नाम पर खेती योग्य जमीन दर्ज है। योजना का पैसा प्राप्त करने के लिए ई-केवाईसी, आधार से बैंक खाते की लिंकिंग और भूमि रिकॉर्ड का सत्यापन अनिवार्य है। पीएम-किसान योजना का लाभ केवल पात्र भूमिधारक किसान परिवारों को दिया जाता है। संस्थागत भूमिधारक इसके पात्र नहीं होते। इसके अलावा, जिन परिवारों में कोई सदस्य आयकरदाता है, उन्हें भी इस योजना का लाभ नहीं मिलता। डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट और आर्किटेक्ट जैसे पंजीकृत पेशेवर भी योजना की अपात्र श्रेणी में आते हैं। इसलिए आवेदन से पहले पात्रता की शर्तों को समझना जरूरी है। दूसरी योजना है-प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना। छोटे और सीमांत किसानों को बुढ़ापे में आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार यह योजना संचालित करती है।

दैनिक राशिफल बुधवार 16 सितम्बर 2026

मेष – मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष – दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क – सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह– कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग।

कन्या – आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढड्डे के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा

तुला – आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्कषचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक – कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु – यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढड्डे के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ – परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन – अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगें। सुख-आनंद कारक समय है।

दैनिक पंचांग

16 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	05.55 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	08.06 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.20 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.36 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.42 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.28 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.31 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.11 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मिथुन	23.10 बजे से
		कर्क	01.23 बजे से
		सिंह	03.39 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 259 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि पंचमी 09.00 बजे को समाप्त।
नक्षत्र विशाखा 17.23 बजे को समाप्त।
योग वैधृति 12.23 बजे को समाप्त।
करण बालव 09.00 बजे तदनन्तर कौलव 21.51 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 04.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 43'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872834
जूलियन दिन 2461299.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 04
विशेष बलराम जयंती।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

खादी एवं ग्रामोद्योग की योजनाओं को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विधायक प्रतिनिधि सुप्रिया पाल ने लाभार्थियों को रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाने के लिए किया प्रेरित

मुजफ्फरनगर। रूड़की रोड स्थित कम्बल कारखाना परिसर में मंगलवार को उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित विपणन विकास सहायता कार्यक्रम (एसडीएसपी) योजनांतर्गत विभागीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मीरापुर विधायक प्रतिनिधि सुप्रिया पाल ने की।

कार्यक्रम में जिला पंचायत मुजफ्फरनगर के सदस्य डॉ. विपिन त्यागी, वरिष्ठ भाजपा नेता सुधीर त्यागी सहित अग्रणी जिला प्रबंधक पीएनबी मुजफ्फरनगर, सहायक उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में लाभार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अर्चना रानी ने किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सुप्रिया पाल ने लोगों को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं का अभिवादन करते हुए कहा कि यदि मातृशक्ति इसी प्रकार प्रत्येक कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भागीदारी करती रही तो वह दिन दूर नहीं, जब महिलाओं को सरकार द्वारा 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था का लाभ मिलेगा।

जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोमप्रकाश ने विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत

जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विभाग का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव में सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम भविष्य में भी निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने लाभार्थियों से प्रधानमंत्री के जन्मदिवस के अवसर पर चलाए जा रहे संकल्प कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने की अपील की। वहीं विभागीय अधिकारियों ने योजनाओं के लिए आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी दी। अधिकारियों ने लाभार्थियों की शंकाओं का समाधान भी किया, ताकि उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस दौरान सेवानिवृत्त अधिकारी राजबीर सिंह एवं तेजपाल सिंह ने भी लाभार्थियों से अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जागरूकता और सही जानकारी बेहद जरूरी है।

कार्यक्रम के अंत में जिला ग्रामोद्योग अधिकारी सोमप्रकाश ने सभी अतिथियों, बैंक अधिकारियों, विभागीय कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित लाभार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने लोगों से खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।

बेलड़ा के जूनियर हाईस्कूल में चोरी:मजदूरों को कमरे में किया बंद, जांच में जुटी पुलिस

रसोई का ताला तोडकर बर्तन, सिलेंडर, राशन व खेल सामग्री भी उडाई

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव बेलड़ा स्थित शहीद अमरेश पाल जूनियर हाईस्कूल में सोमवार की रात अज्ञात बदमाशों ने दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने स्कूल के कमरों के ताले तोड़कर वहां रखा कीमती सामान साफ कर दिया। इतना ही नहीं, परिसर में ठहरे जल निगम के मजदूरों को बाहर से कुंडी लगाकर बंद कर दिया और उनकी मोटरसाइकिल भी ले उड़े। सुबह घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया।

सुबह स्कूल पहुंचे प्रधानाध्यापक तो टूटे मिले ताले

स्कूल के प्रधानाध्यापक अजय जैन ने बताया कि मंगलवार सुबह जब वे विद्यालय पहुंचे, तो मुख्य कमरों के ताले टूटे पड़े थे और भीतर सामान बिखरा हुआ था। चोरों ने रसोईघर, स्टोर रूम और कार्यालय को निशाना बनाते हुए एमडीएम (मध्याह्न भोजन) का राशन, बर्तन और उपकरण पार कर दिए थे। चोर स्कूल से गैस सिलेंडर, कुकर, 3 सिल्वर

की बाल्टियां, दाल-मसाले, बच्चों की खाने की प्लेटें व गिलास के अलावा बैटरा, अग्निशमन (फायर) सिलेंडर, 4 लोहे की अग्निशमन बाल्टियां, 2 वजन तोलने की मशीनें, स्टेशनरी, स्वच्छता का सामान और बच्चों के खेलकूद का सामान उड़ा ले गये। घटना के वक्त स्कूल परिसर में जल निगम के तीन मजदूर ठहरे हुए थे। शातिर चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले मजदूरों के कमरे का दरवाजा बाहर से बंद (कुंडी लगा) कर दिया, ताकि वे बाहर न आ सकें। पीड़ित मजदूर महकार ने बताया कि चोर उनकी स्कूल परिसर में खड़ी बाइक भी चुराकर ले गए। मजदूरों ने किसी तरह खिड़की या संपर्क के जरिए डायल 112 को घटना की सूचना दी।

प्रधानाध्यापक अजय जैन ने भोपा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ लिखित तहरीर देकर जल्द से जल्द घटना के खुलासे और सामान बरामदगी की मांग की है। मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक आशुतोष कुमार ने बताया कि पीड़ित प्रधानाध्यापक की तहरीर पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया है और साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। आसपास के रास्तों और संदिग्धों पर नजर रखी जा रही है, जल्द ही चोरी का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हर थाने को मिली फिंगरप्रिंट किट, अभिज्ञान ऐप से होगी अपराधियों की पहचान

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने किया वितरण, अंतरराज्यीय अपराधियों का रिकॉर्ड खंगालने में भी मिलेगी मदद

मुजफ्फरनगर। अपराधियों की पहचान और अपराधों के अनावरण की प्रक्रिया को और अधिक तेज एवं प्रभावी बनाने के लिए मुजफ्फरनगर पुलिस ने तकनीकी व्यवस्था को मजबूत किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन में जनपद के सभी थानों के लिए फिंगरप्रिंट किट वितरित की। इन किटों के जरिए पुलिसकर्मी मौके पर ही फिंगरप्रिंट प्राप्त कर संदिग्धों एवं अपराधियों की पहचान की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ा सकेंगे।

एनसीआरबी द्वारा संचालित अभिज्ञान ऐप के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रत्येक थाने को उपलब्ध कराई गई फिंगरप्रिंट किट में फिंगरप्रिंट एनरोलमेंट डिवाइस, दो एमडीटी (सैमसंग मोबाइल), चार वेबकैम और छह सिंगल डिजिट स्कैनर शामिल हैं।

मौके पर ही फिंगरप्रिंट लेकर होगी पहचान

नई तकनीकी व्यवस्था के तहत पुलिसकर्मी फुट पेट्रोलिंग, चेकिंग और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के दौरान फिंगरप्रिंट प्राप्त कर सकेंगे। प्राप्त फिंगरप्रिंट के आधार पर अभिज्ञान ऐप के माध्यम से पहचान की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करने में मदद मिलेगी।

इस व्यवस्था का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि दूसरे राज्यों में सक्रिय अपराधियों की पहचान करने और उनके आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी हासिल करने में पुलिस को सहायता मिल सकेगी। इससे

अंतरराज्यीय स्तर पर अपराध करने वाले अपराधियों पर निगरानी और कार्रवाई को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

अपराध नियंत्रण में तकनीक का बढ़ेगा इस्तेमाल

पुलिस अधिकारियों के अनुसार फिंगरप्रिंट आधारित तकनीकी प्रणाली से पुलिस की कार्यप्रणाली अधिक तकनीकी दक्ष और प्रभावी बनेगी। अपराध स्थल अथवा संदिग्धों से प्राप्त फिंगरप्रिंट की पहचान में तेजी आने से मामलों के अनावरण की प्रक्रिया भी अधिक सटीक हो सकेगी।

शासन की अपराध एवं अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत पुलिसिंग में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा अत्याधुनिक तकनीकी संसाधनों को पुलिस की कार्यप्रणाली में शामिल किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि तकनीक के प्रभावी इस्तेमाल से अपराधियों की पहचान, अपराधों के अनावरण, अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में सहायता मिलेगी। साथ ही आमजन में सुरक्षा की भावना को भी और सुदृढ़ किया जा सकेगा।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक अपराध इंदु सिद्धार्थ, सहायक पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक उदल सिंह सहित जनपद के समस्त थानों से आए पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ककरौली के गांव निजामपुर में नाली का विवाद: युवक से मारपीट, चार के खिलाफ मुकदमा

गांव के लोगों ने कराया बीच-बचाव, जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप

मुजफ्फरनगर। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव नयागांव निजामपुर में नाली के पानी को लेकर हुए विवाद ने उस समय तूल पकड़ लिया, जब एक युवक के साथ कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और डंडों से मारपीट कर दी गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के सामने से निकलती है पानी की नाली

पुलिस को दी गई तहरीर में गांव नयागांव निजामपुर निवासी मोहम्मद आसिफ ने बताया कि उसके घर के पास से होकर नाली का पानी पड़ोसी हसन अली के घर के सामने से होकर आगे निकलता है। सुबह करीब आठ बजे इसी नाली के पानी को लेकर विवाद शुरू हो गया। पानी रोकने को लेकर मोहल्ले के कुछ लोग आसिफ से पीछे का पानी रोकने के लिए कहने लगे। जब उसने ऐसा करने से मना किया तो विवाद बढ़ गया। इसी

दौरान आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर लात-घूंसों तथा डंडों से मारपीट कर दी। तहरीर में चार लोग नामजद

तहरीर के अनुसार, हसन अली पुत्र शब्बीर, शौकीन पुत्र हसन अली, फारूख पुत्र हसन अली और शकिला पत्नी हसन अली ने मारपीट की। इस दौरान शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कराया। लोगों के हस्तक्षेप के बाद आरोपी जाते समय उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

पीड़ित की तहरीर के आधार पर थाना ककरौली पुलिस ने चारों नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है तथा घटना से जुड़े तथ्यों और आरोपों की पुष्टि के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुश्तैनी जमीन पर एक्सप्रेसवे की आहट, कुतुबपुर के ग्रामीणों का प्रशासन के खिलाफ मोर्चा

एडीएम कार्यालय पहुंचे बड़ी संख्या में किसान, 13 बिंदुओं पर दर्ज कराईं आपत्तियां, बोले—जमीन लेनी है तो बाजार भाव से मिले मुआवजा, प्रभावित परिवारों के एक सदस्य को नौकरी भी दी जाए

मुजफ्फरनगर। गोरखपुर एक्सप्रेसवे के प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण को लेकर मुजफ्फरनगर में ग्रामीणों का विरोध तेज हो गया है। छपार थाना क्षेत्र के गांव कुतुबपुर के बड़ी संख्या में ग्रामीण मंगलवार शाम करीब चार बजे एडीएम कार्यालय पहुंचे और प्रस्तावित अधिग्रहण को लेकर प्रशासन के सामने अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। ग्रामीणों ने करीब 13 बिंदुओं के माध्यम से अपनी मांगें और आपत्तियां अधिकारियों के सामने रखीं। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित परियोजना में उनकी उपजाऊ और पुश्तैनी कृषि भूमि जा रही है। जमीन चली गई तो केवल खेत नहीं जाएंगे, बल्कि कई परिवारों की रोजी-रोटी और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी प्रभावित होगा।

ह्यखेत हमारी जमीन नहीं, परिवार की आजीविका का आधारह्व

ग्रामीणों ने प्रशासन के सामने सबसे पहले अपनी पुश्तैनी जमीन बचाने की मांग रखी। ग्रामीणों का कहना है कि खेती की जमीन उनके परिवारों की आय का मुख्य जरिया है। वर्षों से जिस जमीन पर परिवारों की आजीविका टिकी है, उसके अधिग्रहण से उन्हें भविष्य में गंभीर आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है। ग्रामीणों की ओर से सिद्धार्थ त्यागी ने प्रशासन के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता अपनी जमीन को बचाना है। उनका कहना है कि यदि परियोजना के लिए जमीन लेना अपरिहार्य है तो प्रभावित किसानों को ऐसा उचित मुआवजा दिया जाए, जिससे वे दूसरी जगह कम से कम उतनी ही गुणवत्ता और समान मात्रा में जमीन खरीद सकें।

सर्किल रेट नहीं, जमीन का वास्तविक बाजार भाव चाहिए

ग्रामीणों की सबसे बड़ी आपत्ति मुआवजा निर्धारण को लेकर है। उनका कहना है कि कुतुबपुर में लागू सर्किल रेट जमीन के वास्तविक बाजार मूल्य को प्रतिबिंबित नहीं करता। ऐसे में केवल सरकारी सर्किल रेट के आधार पर मुआवजा तय किया गया तो किसानों को अपनी जमीन का वास्तविक मूल्य नहीं मिल

पाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि मुआवजा तय करने से पहले आसपास के समान प्रकृति वाले गांवों में पिछले तीन वर्षों के दौरान कृषि भूमि की हुई रजिस्टर्ड बिक्री का तुलनात्मक अध्ययन कराया जाए। इसके आधार पर क्षेत्र में जमीन की वास्तविक बाजार कीमत का आकलन किया जाए और उसी के अनुरूप किसानों को मुआवजा दिया जाए।

सड़क से दूरी से लेकर भविष्य की कीमत तक का हो आकलन

ग्रामीणों ने जमीन की कीमत तय करने के लिए केवल सर्किल रेट को आधार बनाने का विरोध किया। उनका कहना है कि किसी कृषि भूमि का मूल्य उसकी स्थिति और सुविधाओं के आधार पर भी तय होता है। ग्रामीणों ने मांग की कि मुआवजा निर्धारित करते समय जमीन की सड़क से दूरी, मुख्य मार्ग और संपर्क मार्ग की उपलब्धता, सिंचाई की सुविधा, आबादी से निकटता, बाजार की दूरी और जमीन की भविष्य की उपयोगिता को भी ध्यान में रखा जाए। उनका कहना है कि जिस जमीन की मौजूदा स्थिति और भविष्य की संभावनाएं बेहतर हैं, उसका मूल्य भी उसी हिसाब से होना चाहिए। ग्रामीणों ने सर्किल रेट को मुआवजे की अधिकतम सीमा मानने के बजाय वास्तविक बाजार मूल्य को आधार बनाने की मांग की।

बड़ी जमीन गंवाने वाले परिवारों को रोजगार का सहारा चाहिए

ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण के बदले केवल आर्थिक मुआवजे तक मामला सीमित रखने का विरोध किया। उन्होंने बड़ी मात्रा में कृषि भूमि खोने वाले परिवारों के कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी अथवा रोजगार का अवसर उपलब्ध कराने की मांग भी रखी। ग्रामीणों का कहना है कि किसान की जमीन चली जाने के बाद एकमुश्त मुआवजा कुछ समय के लिए आर्थिक राहत दे सकता है, लेकिन आने वाले वर्षों में परिवार की नियमित आय का क्या होगा, यह बड़ा सवाल है। इसलिए प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए ठोस व्यवस्था की जानी चाहिए।

ग्रामीणों ने उठाया पुनर्वास का मुद्दा

ग्रामीणों का कहना है कि अधिग्रहण का असर केवल जमीन के मालिक तक सीमित नहीं रहेगा। इससे पूरे परिवार की आर्थिक व्यवस्था प्रभावित होगी।

भाकियू ने मिलावटखोरों के खिलाफ खोला मार्चा: एसडीएम जानसठ को सौंपा ज्ञापन, मिलावटी सामान की जांच की मांग

शुक्रताल में वन विभाग की भूमि पर अवैध कब्जे को लेकर भी शिकायत

जानसठ (मुजफ्फरनगर)। तहसील क्षेत्र में धड़ल्ले से बिक रहे नकली एवं रसायनयुक्त खाद्य पदार्थों के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को तहसील अध्यक्ष अंकित जावला के नेतृत्व में किसान कार्यकताओं ने जानसठ तहसील मुख्यालय पहुंचकर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने मांग की है कि क्षेत्र में अभियान चलाकर नकली दूध, मावा, पनीर और मिलावटी तेल बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। खपत के मुकाबले उत्पादन कम

एसडीएम को सौंपे गए ज्ञापन में कार्यकताओं ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि क्षेत्र में दूध की दैनिक खपत के मुकाबले स्थानीय दुग्ध उत्पादकों के पास दूध की उपलब्धता बेहद कम है। इसके बावजूद बाजारों में दूध, दही और मावे की आपूर्ति में कोई कमी नहीं आ रही है। आरोप है कि सिंथेटिक और हानिकारक रसायनों के मिश्रण से कृत्रिम दूध और मावा तैयार कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है। रसायनों से तैयार हो रहा नकली दूध

नकली उत्पादों के इस अवैध कारोबार से जहां एक तरफ असली दुग्ध उत्पादक किसानों को भारी आर्थिक नुकसान

उठाना पड़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ इन जहरीले पदार्थों के सेवन से आम जनता गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रही है। इसके अलावा सरसों के तेल में भी बड़े पैमाने पर मिलावट का आरोप लगाया गया। भाकियू ने प्रशासन से क्षेत्र की डेयरी, मिष्ठान दुकानों और तेल पेराई केंद्रों पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा नियमित छापेमारी करने, मिलावटी और रसायनयुक्त उत्पाद बनाने तथा बेचने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेजने के अलावा असली दुग्ध उत्पादक किसानों के हितों की रक्षा के लिए पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की मांग की: मिलावटखोरी के साथ-साथ भाकियू (अराजनैतिक) ने धार्मिक स्थल शुक्रताल में हो रहे अवैध निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। तहसील अध्यक्ष अंकित जावला ने मंगलवार को जिलाधिकारी को संबोधित एक अन्य ज्ञापन सौंपकर आरोप लगाया कि शुक्रताल क्षेत्र में स्थित वन विभाग की कीमती भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध रूप से कब्जे किए जा रहे हैं। उन्होंने डीएम से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर भूमि को मुक्त कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से संसार राठी, यशपाल राठी, आकाश चौधरी, राजीव सहरावत, विवेक राठी, नफीस मेम्बर और राधे श्याम त्यागी सहित कई किसान नेता शामिल रहे।

एनएचएम के संविदा आयुष चिकित्सकों ने दिया ज्ञापन, मानदेय बढ़ाने की मांग

मुजफ्फरनगर। आयुष डॉक्टर वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में कार्य कर रहे संविदा आयुष चिकित्सकों ने जिला अधिकारी मुजफ्फरनगर को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया उनकी मांग है कि उन्हें भी संविदा पर कार्य कर रहे एमबीबीएस चिकित्सकों के समान वेतन दिया जाए, ज्ञापन जिला अधिकारी कार्यालय की प्रशासनिक अधिकारी शेफाली द्वारा रिसीव किया गया। अध्यक्ष डॉ. सचिन जैन ने बताया कि 16 साल पहले जब नियुक्ति की जाती थी तो संविदा पर आयुष एवं एमबीबीएस दोनों का मानदेय समान था लेकिन समय बीतने के साथ-साथ संविदा एमबीबीएस चिकित्सको का मानदेय राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर बढ़ाया जाता रहा, परंतु आयुष चिकित्सको पर कोई तवज्जो सरकार द्वारा नहीं दी गई, जिसके कारण आज भी नये आयुष चिकित्सकों का मानदेय 32000 है, जबकि नए संविदा एमबीबीएस चिकित्सक का मानदेय 1 लाख है आज की इस भर्ती महंगाई में

अगर सरकार ही आयुष चिकित्सकों का शोषण करेगी तो इसे दुर्भाग्य ही माना जाएगा । एक तरफ जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आयुष के उत्थान के कार्यों में लगे हुए हैं वहीं राज्य सरकार प्रधानमंत्री की मंशा के विपरीत कार्य कर रही है बार-बार कहने के बावजूद भी राज्य सरकार सुनने को तैयार नहीं है जिसके कारण अब आयुष चिकित्सक आंदोलन करने के लिए बाध्य है। संगठन के मंत्री डॉ राहुल वर्मा ने बताया कि नियमित पदों पर एमबीबीएस एवं आयुष चिकित्सकों का मानदेय बिल्कुल बराबर है तो संविदा पर यह भेदभाव क्यों।

कोषाध्यक्ष डॉ. फैजल सिद्दीकी ने बताया कि उड़ीसा एवं बिहार की सरकारों ने आयुष चिकित्सकों के मानदेय में वृद्धि कर दी है लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार इस तरफ कोई ध्यान नहीं दे रही है।

डॉक्टर वेदभूषण शर्मा ने कहा कि जब दूसरे प्रदेशों में मानदेय बढ़ाया जा सकता है तो उत्तर प्रदेश में क्यों नहीं बढ़ाया जा सकता है। डॉ देवेंद्र ने कहा कि यदि सरकार हमारी मांग पर ध्यान नहीं देगी तो हम लोग आंदोलन करने के लिए भी तैयार है जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी

18 सितंबर को तहसीलों में परखी जाएगी आपदा से निपटने की तैयारियां

मॉक ड्रिल में रेस्क्यू से लेकर अस्पताल पहुंचाने तक होगा पूरा परीक्षण, अधिकारियों को जिम्मेदारियां तय कर तैयारियां पूरी करने के निर्देश

मुजफ्फरनगर। प्राकृतिक आपदा या किसी भी तरह की आपात स्थिति में प्रशासनिक तंत्र कितनी तेजी और प्रभावी ढंग से राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर सकता है, इसे परखने के लिए आगामी 18 सितंबर को जिले की सभी तहसीलों में मॉक एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देशों के क्रम में प्रस्तावित मॉक ड्रिल की तैयारियों को लेकर अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय और आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की व्यवस्था पर विस्तार से मंथन हुआ। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिरुद्ध प्रताप सिंह ने मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यह अभ्यास केवल औपचारिकता पूरी करने के लिए नहीं है। इसका उद्देश्य आपदा के समय प्रशासनिक तंत्र की वास्तविक क्षमता, उपलब्ध संसाधनों, कर्मचारियों की तत्परता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को परखना है। उन्होंने कहा कि वास्तविक आपदा के दौरान कुछ मिनट भी बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। ऐसे में सूचना मिलने के बाद संबंधित अधिकारी और राहत-बचाव दल कितनी जल्दी मौके पर पहुंचते हैं, प्रभावित लोगों को सुरक्षित निकालने में कितना समय लगता है और स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन तथा अन्य विभाग किस तरह एक-दूसरे के साथ तालमेल बनाते हैं, मॉक ड्रिल में इन्हीं पहलुओं की व्यावहारिक जांच की जाएगी।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि 18 सितंबर से पहले सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं। तहसील स्तर पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके दायित्वों की स्पष्ट जानकारी दी जाए, ताकि मॉक एक्सरसाइज के दौरान किसी तरह का भ्रम या देरी न हो। संबंधित स्थानों पर राहत एवं बचाव से जुड़े आवश्यक उपकरण, संसाधन और टीमें उपलब्ध रखने के भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति में तत्काल सक्रिय होने वाली टीमों को पहले से तैयार रखा जाए।

सूचना मिलते ही कितनी तेजी से पहुंचेगी राहत टीम, होगा परीक्षण

मॉक ड्रिल के दौरान सबसे महत्वपूर्ण परीक्षण आपदा की सूचना मिलने के बाद होने वाली प्रतिक्रिया का होगा। यह देखा जाएगा कि सूचना संबंधित विभागों तक कितनी तेजी से पहुंचती है और उसके बाद राहत एवं बचाव दल कितने समय में सक्रिय होते हैं। इसके साथ ही घटनास्थल तक टीमों की पहुंच, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना, प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराना और गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाने की प्रक्रिया को भी परखा जाएगा।

मॉक एक्सरसाइज में राहत एवं बचाव कार्य के कई स्तरों को शामिल किया जाएगा। संभावित आपदा के परिदृश्य के आधार पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाने, फंसे लोगों को बाहर निकालने, घायलों को प्राथमिक उपचार देने और उन्हें अस्पताल तक पहुंचाने की व्यवस्था का परीक्षण किया जाएगा।

राबिया-इस्तखार-जोया विवाद में नया मोड़, अब किन्नर जोया ने जारी किया वीडियो

आर्थिक मदद के बाद बदनाम करने का लगाया आरोप, बोली-जरूरत के समय राशन से लेकर पैसे तक दिए, अब अपना पैसा वापस चाहती हूं

मुजफ्फरनगर। तीन बच्चों की मां राबिया, उसके पति इस्तखार बेग और किन्नर जोया के बीच चल रहा विवाद अब लगातार नए मोड़ ले रहा है। राबिया के गंभीर आरोपों के बाद इस्तखार बेग ने ओडिशा से वीडियो जारी कर अपनी सफाई दी थी। अब सोमवार देर रात करीब 11 बजे किन्नर जोया ने भी वीडियो जारी कर अपना पक्ष सामने रखा है। जोया ने राबिया के लगाए आरोपों को खारिज करते हुए उलटे उस पर आर्थिक मदद लेने के बाद उसे बदनाम करने का आरोप लगाया है। हालांकि, जोया की ओर से किए गए दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। जोया ने वीडियो में दावा किया कि राबिया और उसके परिवार से उसकी जान-पहचान के दौरान उसने कई बार उनकी आर्थिक मदद की। जरूरत पड़ने पर राशन, घरेलू सामान और पैसे तक उपलब्ध कराए। जोया का कहना है कि परिवार की परिस्थितियों को देखते हुए उसने कई बार मदद की और इस दौरान उसे कभी इस तरह के विवाद का सामना नहीं करना पड़ा। जोया के मुताबिक, राबिया की बातों पर भरोसा करते हुए उसने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में काफी रकम खर्च की। उसका दावा है कि कई मौकों पर उसे घर में राशन खत्म होने, बेटी के बीमार होने अथवा अन्य जरूरतों की जानकारी देकर मदद मांगी गई, जिसके बाद उसने अपनी क्षमता के अनुसार सामान और पैसे दिए।

जोया का आरोप है कि जब तक वह राबिया और उसके परिवार की आर्थिक मदद करती रही, तब तक उनके बीच संबंध सामान्य रहे। लेकिन बाद में जब उसने लगातार खर्च उठाना बंद किया तो परिस्थितियां बदल गईं और उस पर तरह-तरह के आरोप लगाए जाने लगे। जोया ने दावा किया कि उसने राबिया के परिवार पर कुल मिलाकर कई लाख रुपये खर्च किए हैं। अब वह अपनी रकम वापस चाहती है। हालांकि, उसके इस दावे के समर्थन में कितनी रकम दी गई और उसका कोई दस्तावेजी प्रमाण है या नहीं, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। विवाद के सबसे अहम हिस्से इस्तखार बेग के साथ संबंधों को लेकर भी जोया ने सफाई दी। उसने कहा कि इस्तखार के साथ उसका रिश्ता केवल दोस्ती का था। दोनों के बीच एक-दूसरे के घर आने-जाने की बात स्वीकार करते हुए जोया ने कहा कि परिवार के लोग भी इस बारे में जानते थे। जोया ने इस्तखार के साथ भाग जाने के आरोप को पूरी तरह गलत बताया। उसका कहना है कि वह इस्तखार के साथ कहीं नहीं गई और न ही उसे इस बात की जानकारी है कि इस्तखार वर्तमान में कहां है। इससे पहले इस्तखार बेग ने ओडिशा से वीडियो जारी कर राबिया के आरोपों पर अपना पक्ष रखा था। इस्तखार ने तीन तलाक देने के आरोप से इनकार करते हुए कहा था कि राबिया उसकी पत्नी है और वह उसके साथ रहना चाहता है। इस्तखार ने जोया के साथ अपने संबंधों को लेकर भी सफाई दी थी। उसका कहना था कि जोया के साथ उसके पुराने संबंध रहे हैं, लेकिन करीब आठ महीने पहले दोनों अलग हो चुके हैं। इस्तखार के अनुसार, वह राबिया को छोड़कर जोया के साथ नहीं गया है। विवाद की शुरूआत राबिया की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद हुई थी। राबिया ने अपने पति इस्तखार बेग पर तीन तलाक देने और किन्नर जोया के साथ चले जाने का आरोप लगाया था। घरेलू विवाद से जुड़े अन्य गंभीर आरोप लगाते हुए उसने पुलिस-प्रशासन से कार्रवाई और इंसाफ की मांग की थी।

रामपुर चौराहे पर रास्ते के विवाद में दो युवकों पर हमला, पेचकश-हथौड़े से पीटने का आरोप

प्लास्टर का काम कर रहे युवकऔर उसके साथी के सिर व शरीर पर आईं गंभीर चोटें, जिला अस्पताल में भी धमकी देने का आरोप, छपार पुलिस से मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र के रामपुर चौराहे पर रास्ते को लेकर हुए विवाद के बाद दो युवकों के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि कहासुनी के कुछ देर बाद ठेकेदार समेत कई लोग मौके पर पहुंचे और दोनों युवकों पर पेचकश, हथौड़े, डंडों तथा लात-घूंसों से हमला कर दिया। हमले में एक युवक के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसे कई टांके लगाए गए, जबकि उसके साथी को भी शरीर के कई हिस्सों में चोटें लगने की बात कही गई है। घटना के बाद घायलों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया।

पहले रास्ते को लेकर हुई थी कहासुनी

रामपुरी निवासी इमरान द्वारा थाना छपार पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार उनका पुत्र नोमान प्लास्टर ऑफ पेरिस का काम करता है। 14 सितंबर को नोमान अपने साथी अनस के साथ रामपुर चौराहा स्थित गुप्ता पेंट वालों के यहां काम कर रहा था। इसी दौरान रास्ते को लेकर टाइल-पत्थर का काम करने वाले कुछ लोगों से दोनों की कहासुनी हो गई। उस समय मामला शांत हो गया था।

कुछ देर बाद कई लोगों के साथ पहुंचने का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि कहासुनी के कुछ समय बाद दीदाहेड़ी निवासी ठेकेदार मुशर्रफ, नईम तथा करीब सात-आठ अज्ञात लोग मौके पर पहुंचे। आरोप है कि आते ही उन्होंने नोमान और अनस के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और इसके बाद एक राय होकर दोनों पर हमला कर दिया।

पेचकश और हथौड़े से हमले का आरोप

पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमलावरों ने पेचकश, हथौड़े, डंडों तथा लात-घूंसों से नोमान को बेरहमी से पीटा। हमले में उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और सिर में कई टांके लगाए गए। शरीर के अन्य हिस्सों पर भी चोटें लगने की बात तहरीर में कही गई है। वहीं, नोमान के साथी अनस को भी आरोपियों द्वारा बुरी तरह पीटने का आरोप है। पीड़ित पक्ष के अनुसार अनस के शरीर में कई जगह चोटें आई हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि मारपीट करने के बाद आरोपी दोनों युवकों को जान से मारने की धमकी देकर मौके से चले गए। घटना के बाद गंभीर रूप से घायल नोमान और अनस को उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मामला अस्पताल पहुंचने के बाद भी शांत नहीं हुआ। आरोपियों के परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए और वहां घायल नोमान तथा उसके परिवार पर दबाव बनाने और धमकाने का प्रयास किया। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि अस्पताल में आरोपियों के परिजनों ने कथित रूप से 'जो करना है कर लो' जैसी धमकी दी।

सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित कराने की मांग

पीड़ित पक्ष ने पुलिस से जिला अस्पताल में हुई कथित धमकी की घटना की भी जांच कराने की मांग की है। इसके साथ ही अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित कर जांच में शामिल करने की मांग की गई है

गांधी कालोनी में रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन ने लगाया रक्तदान एवं मेडिकल जांच शिविर

25 लोगों ने किया रक्तदान, 500 लोगों की हुई स्वास्थ्य जांच, छात्र-छात्राओं को पेन ड्राइव व पुस्तकें वितरित

मुजफ्फरनगर। रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन की ओर से मंगलवार को गांधी कॉलोनी स्थित सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज में रक्तदान एवं मेडिकल जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में करीब 25 लोगों ने रक्तदान किया, जबकि लगभग 500 लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर उन्हें आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ ही आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में उपस्थित छात्र-छात्राओं को 10 पेन ड्राइव एवं 500 पुस्तकों का भी वितरण किया गया। इसके अलावा शिविर में उपस्थित महिलाओं के लिए 10 लकी पायल ड्रॉ निकाले गए, जिससे कार्यक्रम में उत्साह और बढ़ गया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रोटेरियन पायल गोड, डीजी आरआई डिस्ट्रिक्ट 3100 रहीं, जबकि डॉ. सुनील तेवतिया, सीएमओ मुजफ्फरनगर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। रोटरी क्लब की ओर से दोनों अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष रोटेरियन राजकुमार गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि रक्तदान महादान है। स्वस्थ व्यक्ति द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करता रहेगा और भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य अतिथि रोटेरियन पायल गोड ने रोटरी क्लब मुजफ्फरनगर मिडटाउन द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच जैसे शिविर समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। उन्होंने रक्तदाताओं, चिकित्सकों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों का उत्साहवर्धन किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील तेवतिया ने स्वास्थ्य जागरूकता और रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए लोगों से नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य की जांच कराने से बीमारियों की समय रहते पहचान और उपचार संभव हो जाता है। शिविर के आयोजन में सनातन धर्म कन्या इंटर कॉलेज के कमेटी अध्यक्ष राजेश गोयल, प्रबंधक भगवानदास तागरा, कोषाध्यक्ष सुरेश अनेजा, प्रधानाचार्या मोनिका, दीपिका शर्मा, कविता वर्मा, संघमित्रा बौद्ध, दीपा सोनी, ममता शर्मा एवं प्रतिभा वर्मा सहित विद्यालय परिवार का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। रोटरी क्लब की ओर से विद्यालय प्रबंधन एवं सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया।

शिविर के सफल आयोजन में कार्यक्रम संयोजक रोटेरियन सुनील अग्रवाल एवं रोटेरियन मयंक मित्तल का विशेष योगदान रहा। क्लब की ओर से रोटेरियन कुलदीप भारद्वाज, सचिन मित्तल, शैलेंद्र शर्मा, प्रगति कुमार, राहुल सिंगल, विनय सिंगल एडवोकेट, प्रशांत गुप्ता, अमित कुचल, अंकित माहेश्वरी, मोहित गर्ग एवं राजीव गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग किया।

कार्यक्रम के अंत में क्लब सचिव रोटेरियन दीपक सिंघल ने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, चिकित्सकों, रक्तदाताओं, कॉलेज प्रबंधन, रोटेरियन साथियों तथा सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

नेपाल आपदा पीड़ितों के लिए नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने रवाना की राहत सामग्री

नेपाल हेल्पिंग हैंड अभियान में नेपाल आपदा पीड़ितों की मदद को आगे आया मुजफ्फरनगर, सभासदों, भाजपा कार्यकताओं, अधिकारियों और सामाजिक-व्यापारिक संगठनों ने दिया सहयोग

मुजफ्फरनगर। नेपाल में आई भीषण आपदा से प्रभावित लोगों की सहायता के लिए नगरपालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप की पहल पर चलाए गए ह्यनेपाल हेल्पिंग हैंडह्व अभियान के तहत एकत्र खाद्य सामग्री मंगलवार को टाउनहाल मैदान से नेपाल के लिए रवाना की गई। पालिकाध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने खाद्य सामग्री से भरे वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने अभियान में सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार जताया और कहा कि संकट की घड़ी में जरूरतमंदों की सहायता करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है।

नेपाल में आपदा के बाद बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए हैं और उन्हें खाद्य सामग्री सहित आवश्यक वस्तुओं की जरूरत है। ऐसे में मुजफ्फरनगर से सहायता सामग्री भेजने के लिए नगरपालिका परिषद् की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप द्वारा चलाए गए अभियान को विभिन्न वर्गों का व्यापक समर्थन मिला। नगरपालिका परिषद के सभासदों, अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों तथा व्यापारिक संगठनों ने भी अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की। लोगों ने अपनी क्षमता के अनुसार खाद्य सामग्री उपलब्ध कराकर नेपाल के आपदा प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाने में योगदान दिया।

मंगलवार को टाउनहाल मैदान से खाद्य सामग्री से भरे वाहन को नेपाल के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि नेपाल के लोगों के साथ भारत का संबंध केवल पड़ोसी देशों का नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी गहरा है। आपदा की इस घड़ी में नेपाल के लोगों की सहायता के लिए आगे आना हमारा मानवीय दायित्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हमेशा आपदा के समय पड़ोसी और मित्र देशों की सहायता के लिए तत्पर रहा है। नेपाल के लिए भी भारत सरकार की ओर से राहत और सहायता के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भी जरूरतमंदों की सहायता और मानवीय सेवा को प्राथमिकता दी जाती रही है। नेपाल के आपदा प्रभावित लोगों की मदद के लिए चलाया गया यह अभियान इसी सेवा भावना का उदाहरण है। उन्होंने बताया कि इस अभियान में लोगों ने सूखा राशन चावल, आटा, दाल, घी-तेल और अन्य सामग्री दी हैं। इसके साथ ही 3 लाख 11 हजार रुपये का नकद सहयोग प्राप्त हुआ है। मीनाक्षी स्वरूप ने अभियान को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों का आभार व्यक्त किया।

इस दौरान मुख्य रूप से व्यापारी नेता कृष्ण गोपाल मित्तल, राकेश त्यागी, जनार्दन विश्वकर्मा, युवा भाजपा नेता विकल्प जैन, सभासद कुसुमलता पाल, राजीव शर्मा, मनोज वर्मा, रजत धीमान, योगेश मित्तल, शौकत अंसारी, हकीम इरशाद अंसारी, प्रशान्त गौतम, नवनीत गुप्ता, अनुज कुमार, विजय कुमार चिंटू, प्रमोद अंबेडकर, सुन्दर सिंह, ईओ पवन कुमार, एनएसए डॉ. अनु चौधरी, एई नैपाल सिंह, जेई जितेन्द्र सैनी, लिपिक एसबीएस रूचि शर्मा, पूर्व सभासद आशुतोष गुप्ता, डीके जैन, विपिन जैन आदि मौजूद रहे।

गांव-गांव तक पुलिस की पहुंच होगी और मजबूत, ग्राम प्रहरियों को मिली साइकिलें

एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने खुद साइकिल चलाकर किया उत्साहवर्धन

मुजफ्फरनगर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर श्री संजय कुमार वर्मा द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन, मुजफ्फरनगर में सम्पूर्ण जनपद से आये ग्राम प्रहरियों चौकीदारों को साइकिल वितरित की गयी तथा जनपद के समस्त अनुचरों को ड्रेस प्रदान की गयी। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा द्वारा स्वयं साइकिल चलाकर ग्राम प्रहरियों को उनके दायित्वों के प्रति प्रोत्साहित किया गया। उन्होंने ग्राम प्रहरियों को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित भ्रमण करते हुए संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखने तथा किसी भी महत्वपूर्ण सूचना को तत्काल पुलिस तक पहुंचाने हेतु प्रेरित किया। ग्राम प्रहरी पुलिस विभाग एवं ग्रामीण जनता के मध्य एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करते हैं। ग्राम स्तर पर कानून-व्यवस्था से संबंधित सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान, संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की प्रभावी पहुंच बनाए रखने में ग्राम प्रहरियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। साइकिल उपलब्ध कराये जाने से ग्राम प्रहरियों को अपने दायित्वों के निर्वहन में सुविधा होगी तथा वे अपने क्षेत्र में अधिक प्रभावी ढंग से भ्रमण एवं निगरानी कर सकेंगे। इसी क्रम में जनपद के समस्त अनुचरों को ड्रेस प्रदान की गयी, जिससे उनके कर्तव्यों के निर्वहन में एकरूपता, अनुशासन एवं विभागीय गरिमा सुनिश्चित हो सके। पुलिस विभाग के प्रत्येक स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उनकी कार्यक्षमता एवं मनोबल को बढ़ाना प्रभावी पुलिसिंग का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उ0प्र0 शासन द्वारा पुलिस को आधुनिक, संवेदनशील, जवाबदेह एवं जनसहभागिता आधारित बनाने के साथ-साथ अपराध एवं अपराधियों के प्रति ह्लजीरो टॉलरेंसह्व की नीति अपनायी गयी है। शासन की इसी मंशा के अनुरूप मुजफ्फरनगर पुलिस द्वारा ग्राम स्तर तक पुलिस की पहुंच को और अधिक मजबूत करते हुए ग्राम प्रहरियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराये जा रहे हैं, ताकि अपराध नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा ग्राम प्रहरियों एवं अनुचरों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं जिम्मेदारी के साथ करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही पुलिस एवं आमजन के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षित एवं सुदृढ़ वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया गया।

इनरव्हील क्लब चैंबर के निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में 155 लाभार्थियों ने उठाया लाभ

मुजफ्फरनगर। इनर व्हील क्लब ऑफ मुजफ्फरनगर चैंबर द्वारा मंगलवार को सनातन धर्म डिग्री कॉलेज में अपोलो डायग्नोस्टिक्स के सहयोग से निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलेज की छात्राओं, स्टाफ तथा समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों सहित कुल 155 लाभार्थियों के स्वास्थ्य की जांच की गई।

शिविर में हीमोग्लोबिन, रक्त शर्करा एवं कोलेस्ट्रॉल की निःशुल्क जांच की गई। विशेष रूप से छात्राओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए हीमोग्लोबिन की जांच पर जोर दिया गया, ताकि रक्ताल्पता जैसी समस्या का समय रहते पता लगाया जा सके। वहीं स्टाफ एवं अन्य लाभार्थियों को भी स्वास्थ्य जांच की सुविधा प्रदान की गई।

शिविर के सफल आयोजन में सनातन धर्म डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रो. सुधीर कुमार पुंडीर, प्रो. अलका बंसल एवं प्रो. रुचि अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा। क्लब अध्यक्ष श्वेता गोयल ने कहा, ह्लहमारा प्रयास है कि छात्राएं अपनी पढ़ाई के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक रहें। अक्सर हीमोग्लोबिन की कमी, अनियमित दिनचर्या और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण कम उम्र में ही कई समस्याएं शुरू हो जाती हैं। इसी उद्देश्य से यह स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया, ताकि समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान हो सके। स्वस्थ शरीर ही बेहतर भविष्य की नींव है। इनर व्हील क्लब आगे भी इसी प्रकार के जनसेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

शिविर के समापन अवसर पर प्रो. अलका बंसल एवं अपोलो डायग्नोस्टिक्स के फ्रैंचाइजी अक्षत जैन को उनके सहयोग के लिए प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्वेता गोयल, सचिव निधि शर्मा, आईएसओ नीशा सिंगल, कोषाध्यक्ष अंजू जलौत्रा, एडिटर चेतना सेठी, शशि सोबती, पूनम गुप्ता, मधु गोयल, मधु भार्गव, अंजली गुप्ता, आँचल पंत, भारती सहानी सहित क्लब की अन्य सदस्याएं उपस्थित रहीं। इनर व्हील क्लब ऑफ मुजफ्फरनगर चैंबर द्वारा आयोजित इस शिविर का मुख्य उद्देश्य स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को समय पर स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध कराना रहा।

चरथावल सीएचसी में मनाया कन्या जन्मोत्सव: नवजात बच्चियों की माताओं को बांटी बेबी किट

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत आयोजन

मुजफ्फरनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चरथावल के परिसर में मंगलवार को उस समय खुशियों का माहौल बन गया, जब शासन की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की वार्षिक कार्ययोजना के तहत भव्य 'कन्या जन्मोत्सव' का आयोजन किया गया। समाज में बालिकाओं के जन्म को लेकर सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने और बेटियों को बेटों के समान दर्जा दिलाने के उद्देश्य से सीएचसी प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग ने संयुक्त रूप से यह पहल की।

चरथावल सीएचसी प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सतेंद्र कुमार के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए सीएचसी परिसर को गुब्बारों और झंडियों से बेहद आकर्षक ढंग से सजाया गया था। इस दौरान हाल ही में जन्म लेने वाली नवजात बच्चियों का जन्मदिन एक साथ केक काटकर बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर नवजात शिशुओं की माताओं और स्थानीय नागरिकों के बीच मिठाइयां बांटी गईं। सीएचसी प्रबंधन की ओर से नवजात बच्चियों के बेहतर लालन-पालन के लिए उनकी माताओं को बेबी किट और खिलौने भेंट स्वरूप प्रदान किए गए।

बेटियों को बराबरी का हक देने का आह्वान

समारोह में उपस्थित महिला जनप्रतिनिधियों और चिकित्सा अधिकारियों ने प्रसूताओं को बधाई देते हुए बच्चियों के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और उच्च शिक्षा की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में बेटों से पीछे नहीं हैं, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और अवसर देने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर जिला महिला सशक्तिकरण केंद्र के प्रतिनिधि, महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारी, सीएचसी का समस्त चिकित्सा स्टाफ, स्थानीय महिला जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी मौजूद रहे। आयोजन ने समाज में बेटियों के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता की सोच को मजबूती प्रदान की।

रुकनपुर में पुलिसकर्मियों पर पथराव, सिपाही की आंख के पास लगी चोट

सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर चार-पांच लोगों ने ईंट-पत्थरों से किया हमला, दो नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के ग्राम रुकनपुर में सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर ईंट-पत्थरों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि मौके पर मौजूद चार-पांच लोगों ने पुलिसकर्मियों को घेरकर जान से मारने की नीयत से पथराव शुरू कर दिया। हमले में सिपाही सत्यवान सिंह के बाईं आंख के पास पत्थर लगने से वह घायल हो गए। मामले में पुलिस ने दो नामजद आरोपियों समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रात में सूचना मिलने पर रुकनपुर पहुंची थी पुलिस टीम

पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक, 13 सितंबर 2026 की रात सिपाही सत्यवान सिंह और होमगार्ड चालक शक्तिराम की ड्यूटी पुलिस प्रतिक्रिया वाहन पर थी। इसी दौरान रात करीब 10 बजकर 25 मिनट पर सूचना मिली। सूचना के आधार पर दोनों पुलिसकर्मी ग्राम रुकनपुर पहुंचे।

चार-पांच लोगों ने अचानक शुरू कर दिया पथराव

तहरीर के अनुसार, पुलिस टीम के मौके पर पहुंचते ही वहां चार-पांच लोग मौजूद मिले। आरोप है कि इन लोगों ने पुलिसकर्मियों पर जान से मारने की नीयत से ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। सिपाही सत्यवान सिंह ने खुद को बचाने का प्रयास किया, लेकिन एक पत्थर उनकी बाईं आंख के पास जा लगा। चोट लगने के बाद वह लहूलुहान हो गए।

दो आरोपियों की हुई पहचान

तहरीर में बताया गया है कि घटना में शामिल लोगों में से अजय कुमार पुत्र नत्यूराम, निवासी रुकनपुर तथा प्रियांशु पुत्र आदेश, निवासी अलमासपुर, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर के नाम सामने आए। आरोप है कि दोनों ने पुलिसकर्मी के साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की नीयत से ईंट-पत्थरों से हमला किया।

सरकारी कार्य में बाधा डालने का भी आरोप पुलिसकर्मी की तहरीर में आरोप लगाया गया है कि हमलावरों ने गाली-गलौज और पथराव करते हुए सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की। स्थिति बिगड़ने पर सिपाही सत्यवान सिंह और होमगार्ड शक्तिराम ने किसी तरह मौके से निकलकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया, जिसके बाद स्थिति को शांत कराया गया।

घायल सिपाही का कराया गया चिकित्सीय परीक्षण

हमले में घायल सिपाही ने घटना के बाद अपना चिकित्सीय परीक्षण कराया। इसके बाद 14 सितंबर 2026 को कोतवाली नगर पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

दो नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पुलिस ने तहरीर के आधार पर अजय कुमार और प्रियांशु समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। पुलिस मौके पर मौजूद लोगों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जानकारी जुटा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बीट आरक्षियों के साथ एसपी सिटी ने की गोष्ठी, अपराधियों पर प्रभावी निगरानी के निर्देश

अमृत जैन ने क्षेत्र में नियमित भ्रमण और आमजन से बेहतर समन्वय स्थापित करने पर दिया जोर

मुजफ्फरनगर। पुलिस कार्यालय में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन ने नगर क्षेत्र के विभिन्न थानों पर तैनात बीट आरक्षियों के साथ गोष्ठी आयोजित की। इस दौरान उन्होंने बीट क्षेत्र की गतिविधियों पर लगातार नजर रखने और अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की सक्रियता बढ़ाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसपी सिटी ने बीट आरक्षियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित रूप से भ्रमण करने, आमजन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी निगरानी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीट पुलिसिंग को मजबूत करने से स्थानीय स्तर पर होने वाली गतिविधियों और समस्याओं की जानकारी पुलिस को समय से मिल सकेगी। उन्होंने बीट आरक्षियों को क्षेत्र में होने वाली किसी भी छोटी-बड़ी घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को देने के लिए निर्देशित किया। साथ ही कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने और आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने पर विशेष जोर दिया।

गोष्ठी में सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा सहित पुलिस के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

इंद्रधनुष जैसे रंगीन पंख और ब्रश जैसी जीभवाला पक्षी रेनबो लोरिकीट

यह इंद्रधनुषी पक्षी आस्ट्रेलिया में पाए जाने बाले तोतों की एक प्रजाति का प्रतिनिधि है। उत्तरी क्वींसलैंड से लेकर दक्षिण आस्ट्रेलिया के समुद्री तटों तक में यह सामान्यतः बहुतायत से मिलते हैं। इसके अलावा वैलीसवा, मैलनेशिया और फिलीपींस में भी इन्हें देखा जाता है। इनका वैज्ञानिक नाम ट्राइकोग्लोसस मॉल्केनस हैं। इनका आवास वर्षा वन, समुद्र तटीय झाड़ियां और घने जंगल है।

ये लगभग 35 सेंटीमीटर लंबे होते हैं और इनके शरीर पर उपस्थित चटक रंगों की विविधता के कारण ही इन्हें इंद्रधनुषी लोरिकीट नाम दिया गया है। लगभग 135 ग्राम बजनी यह पक्षी चटक लाल, हरा, नीला, पीला और नारंगी रंगों से सजा होता है। इसकी मुड़ी हुई चोंच और आंखे सुर्ख लाल होती हैं। सिर गहरा नीला और छाती नारंगी पीली जिन पर काले रंग की बारीक धारियां बनी होती हैं। मुख्य पंख हरे और पूंछ हरी पीली होती है।

यह पक्षी अपने भोजन की तलाश में लगभग 40 मील तक उड़ान भरते हैं। इनकी चोंच ब्रश जेसी होती है जो मकरंद पीने के लिए उपयुक्त है। इसके अलावा यह फल, कीट पतंगे आदि भी खा लेते हैं। पर कड़क बीजों से इनकी जीभ को नुकसान पहुंच सकता है। ये ताड़ के पेड़ों पर बनी कोटरों में, चट्टानों की दरारों पर रहते हैं। यहां तक कि इन्हें पेड़ के तने के नीचे भी गड्ढे खोदकर अपना घोंसला बनाते हुए देखा गया है। मादा एक बार में 1 से 4 अंडे देती है। अंडो का ऊष्मयन काल 25 दिन का होता है। केवल मादा ही देखभाल करती है। नर कोई मदद नहीं करते।

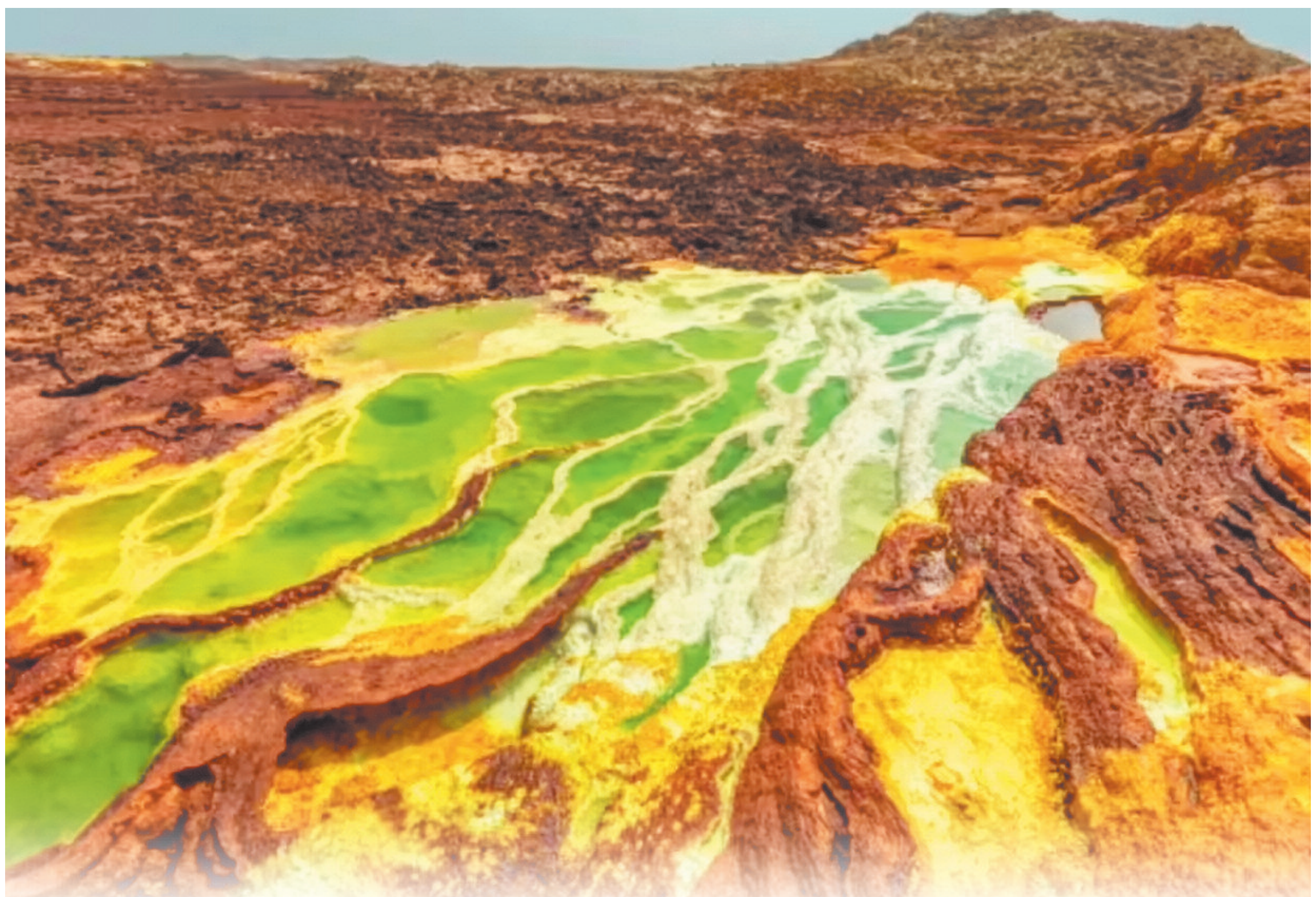

क्या सच में धरती पर बहती हैं एसिड की नदियां
ये है पृथ्वी पर मौजूद नर्क का द्वार

धरती पर कई ऐसी जगह है, जहां पहुंचने पर आपको लगेगा कि आप किसी एलियन ग्रह पर आ गए हैं। इथियोपिया में भी एक ऐसी ही जगह है, जहां जाने पर लगेगा कि यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म का सीन है। इस जगह का नाम डानाकिल डिप्रेशन है जो समुद्र तल से 100 मीटर नीचे है। यहां जाने पर आपको प्रचंड गर्मी, तेजाब और कैमिकल की बदबू मिलेगी। यहां पर कई दरारें हैं, जिनमें से लावा भी निकल रहा होता है।

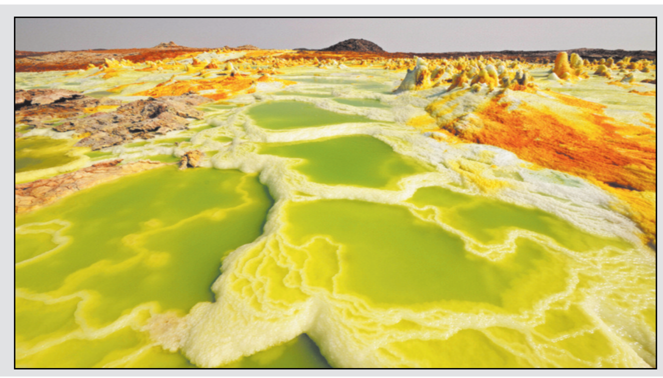

पृथ्वी पर कई अद्भुत, रहस्यमयी और खतरनाक स्थान हैं, लेकिन इथियोपिया (अफ्रीका) में स्थित डानाकिल डिप्रेशन एक ऐसा इलाका है जो इन तीनों श्रेणियों में सबसे ऊपर आता है। यहां का नजारा न केवल डरावना है, बल्कि खतरनाक भी है, इतनी गर्मी, जहरीली गैसें और उबलते एसिड से भरे झरने कि इसे 'धरती का नर्क' तक कहा जाता है। यह क्षेत्र अपने चरम तापमान, लगातार सक्रिय ज्वालामुखी, रंग-बिरंगे लेकिन जानलेवा एसिडिक पूल्स और गैस के बुलबुलों से भरा हुआ है। यह नजारा जितना आकर्षक लगता है, उतना ही विनाशकारी और रहस्यपूर्ण भी है।

कहां है डानाकिल डिप्रेशन और क्यों है ये इतना खतरनाक?

डानाकिल डिप्रेशन अफ्रीका के पूर्वी हिस्से में स्थित इथियोपिया के अफार क्षेत्र में आता है। यह समुद्र तल से लगभग 125 मीटर नीचे स्थित है, जिससे यह धरती के सबसे नीचले क्षेत्रों में से एक बनता है। इसे दुनिया के 5 सबसे निचले पॉइंट्स में गिना जाता है। यहां सालभर तापमान कभी 45 डिग्री सेल्सियस से कम नहीं होता, यानी दिन-रात यहां पर भीषण गर्मी रहती है। यह क्षेत्र तीन टेक्टोनिक प्लेट्स, अफ्रीकन, अरबियन और सोमालियन प्लेट्स के मिलन स्थल पर स्थित है। यही कारण है कि यहां लगातार भूगर्भीय गतिविधियां होती रहती हैं और जगह-जगह पर लावा, सल्फर गैस और एसिडिक पूल्स बनते रहते हैं। यही वो कारण हैं जिनकी वजह से इसे 'पृथ्वी का एलियन हिस्सा' कहा जाता है।

एसिड की नदियां, विज्ञान की चौंकाने वाली हकीकत

डानाकिल डिप्रेशन की सबसे अनोखी और डरावनी बात है यहां बहती एसिड की नदियां और रंग-बिरंगे खनिज तालाब। यहां मौजूद पानी में इतनी तेज अम्लता होती है कि अगर कोई व्यक्ति उसमें हाथ भी डाले, तो झुलस सकता है। यहां के पानी का श्च॥ स्तर इतना कम है कि ये बैटरी एसिड जितना खतरनाक होता है। और यही नहीं, इन जल स्रोतों से सल्फर डाईऑक्साइड, क्लोरीन और अन्य जहरीली गैसें भी लगातार निकलती रहती हैं, जो न केवल इंसानों बल्कि मशीनों को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं।

धरती का पाताललोक क्यों कहा जाता है

इस क्षेत्र की तुलना बार-बार नरक या पाताललोक से इसलिए की जाती है क्योंकि यहां की जलवायु, तापमान, और विषाक्तता इंसानों के जीवित रहने के लिए लगभग असंभव बनाते हैं। यहां पानी पीने योग्य नहीं है, हवा में सांस लेना मुश्किल हो सकता है और रहने लायक वातावरण बिल्कुल भी नहीं है।

नमक के पहाड़ भी हैं

इस विशाल रेगिस्तान में नमक के पहाड़ भी मिल जाएंगे। नमक निकालने वाले इस जगह को सफेद सोने की खान भी कहते हैं। यह अफार त्रिभुज का एक हिस्सा बनाते है, जहां तीन टेक्टॉनिक प्लेट्स आपस में मिलती हैं, जो धीरे-धीरे एक दूसरे से अलग हो रही हैं।

झरने के आसपास दिखे हैं मृत जानवर

यह जगह देखने में तो सुंदर है, लेकिन भयानक है। इसके झरनों को कभी-कभी हत्यारा झील भी करार दिया जाता है। मृत जानवर और कीड़े अक्सर सल्फर उगलने वाले झरनों के किनारे देखे जाते हैं। इनकी मौत का कारण या तो जहरीला पानी या लंबे समय तक कार्बन डाइ ऑक्साइड युक्त हवा में सांस लेना है।

नर्क का दरवाजा

इसे नर्क का दरवाजा भी कहा जाता है। इन इलाकों में बेहद कम बारिश होती है। बारिश या अवशोषित समुद्र का पानी जब यहां पहुंच जाता है तो वह मैग्मा के कारण गर्म हो जाता है। नमक और मैग्मा के मिनरल का आपस में रिएक्शन होता है, जिसके कारण यह पीले और हरे रंग बनाते हैं। धरती की सबसे गर्म जगहों में से एक और भीषण दुर्गंध के बावजूद लोग इस चमत्कार को देखने के लिए यहां आते हैं।

वैज्ञानिक करते हैं शोध

बेहद निडर लोग एक दिन की यात्रा करके यहां पहुंचते हैं। जबकि कई लोग हेलीकॉप्टर के जरिए आसमान से इस नजारे को देखते हैं। यहां मुख्य आकर्षणों में एर्टा एले ज्वालामुखी शामिल है, जो पृथ्वी पर सक्रिय छह लावा झीलों में से एक है। वैज्ञानिक यहां दूसरे ग्रहों पर होने वाले मौसम पर शोध भी करते हैं।

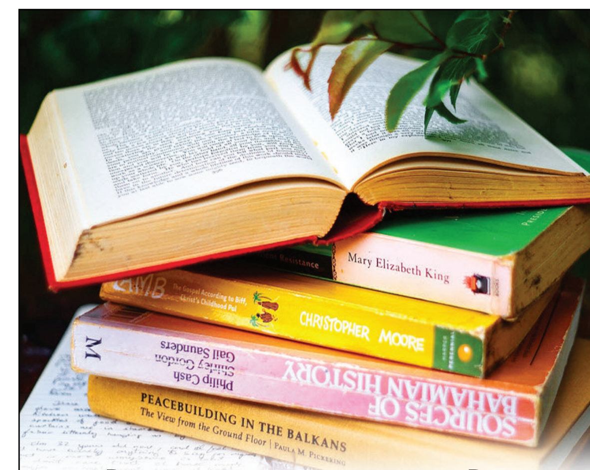

गोल या तिकोनी नहीं, हमेशा चौकोर ही क्यों होती हैं किताबें

किताबें हमारे जीवन में ज्ञान और सूचना का आधार हैं। कई लोगों को किताबों का बहुर शौक होता है। दुनिया की बड़ी बड़ी लाइब्रेरियां तमाम किताबों से भरी हैं। किताबें सफ़र से लेकर अलेकेपन की बेहतरीन साथी हैं, लेकिन क्या आपने कभी गौर किया है कि वे हमेशा चौकोर या आयताकार होती हैं?

क्या गोल या तिकोनी किताबें हो सकती हैं

तकनीकी रूप से, किताबें किसी भी आकार की हो सकती हैं। हालाँकि, गोल या तिकोनी किताबें बनाना संभव है, लेकिन वे व्यावहारिक नहीं होतीं।

पेज का सीमित उपयोग

गोल या तिकोनी आकार में पेज का पूरा उपयोग नहीं हो पाता, जिससे कागज की बर्बादी होती है।

स्टोरेज और स्टैकिंग में समस्या

गोल या तिकोनी किताबों को स्टोर करना और एक-दूसरे के ऊपर रखना मुश्किल हो जाता है।

चौकोर किताबों का चयन क्यों होता है

प्रैक्टिकल डिज़ाइन का फायदा

चौकोर या आयताकार आकार किताबों को बनाने में आसान और किफायती बनाता है। यह डिज़ाइन छपाई, बाइंडिंग और ट्रिमिंग में भी सहूलियत देता है।

पढ़ने में सुविधा

चौकोर पन्ने पर पाठक के लिए टेक्स्ट पढ़ना आसान होता है। पेज का हर कोना उपयोग में आता है, जिससे रीडिंग का अनुभव बेहतर होता है।

स्टोरेज और पोर्टेबिलिटी

चौकोर किताबें आसानी से अलमारियों में फिट हो जाती हैं। इन्हें कैरी करना और एक जगह से दूसरी जगह ले जाना भी आसान होता है।

वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण

आँखों की मूवमेंट: हमारी आँखें एक रेखीय पैटर्न में चलती हैं, इसलिए चौकोर पेज पर पढ़ना स्वाभाविक होता है।

मानव आदत: इंसान आयताकार या चौकोर चीजों का उपयोग करने का आदी है, जैसे मोबाइल स्क्रीन, टीवी, और लैपटॉप।

डिजाइन और क्रिएटिविटी के अपवाद

हालांकि अधिकतर किताबें चौकोर होती हैं, कुछ क्रिएटिव किताबें खास आकार में भी बनाई जाती हैं। बच्चों की किताबों और कॉफी टेबल बुक्स में अनोखे आकार देखने को मिल सकते हैं। किताबों का चौकोर होना सिर्फ एक डिजाइन चॉइस नहीं, बल्कि इसके पीछे व्यावहारिक, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक कारण हैं। यह आकार न केवल पब्लिशिंग और रीडिंग में सहूलियत देता है, बल्कि किताबों को स्टोर और कैरी करना भी आसान बनाता है।

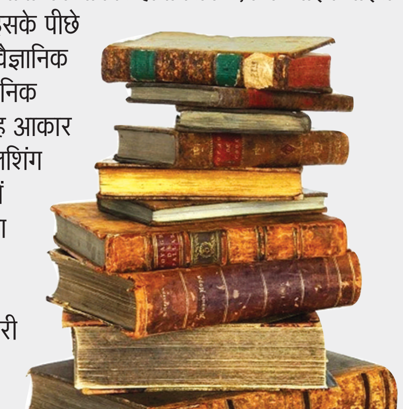

दुनिया की ऐसी कुछ जेल जहां सजा भी है कैदियों के लिए मजा
परिवार के साथ रहना, एसी, टीवी जैसी सुविधाएं उपलब्ध

भारत में तो नहीं लेकिन दुनिया के कुछ ऐसे देश जरूर है जहां पर इस तरीके की बंदी ग्रह देखने को मिलते हैं जहां की सुविधा देखने के बाद किसी भी कैदी का घर जाने का मन तो बिल्कुल भी नहीं करेगा लेकिन यह सुविधा क्यों दी जाती है इसके बारे में जानते हैं। नॉर्वे ऑस्ट्रेलिया स्वीटजरलैंड आदि यह कुछ ऐसे देश है जहां पर खास तरीके की जो जेल बनाई गई है जहां पर कैदियों को रखने का मकसद उन्हें सजा देने के साथ-साथ एक बार फिर अच्छा जीवन जीने की सीख को लेकर इन जगहों का निर्माण किया गया। यहां पर कैदियों को लगभग वह हर्ष सुविधा दी जाती है जो एक लग्जरी होटल में होती है चाहे वह टीवी फ्रिज हो या फिर खेलने की जगह यहां सब मिलता है।

स्पेन की वह जेल जहां पर कैदी रहते हैं परिवार के साथ

स्पेन के अरनजुएल जेल में कैदियों को अपने परिवार के साथ रहने की मोहलत दी जाती है यहां उनके लिए स्कूल खेलने का मैदान तक उपलब्ध कराया जाता है यह जेल कांच से बनी है जहां पर एक टीवी फ्रिज और बास्केटबॉल प्लेग्राउंड उपलब्ध कराया जाता है।

एक ऐसी जेल जहां कैदी करते हैं फार्मिंग

जी हां, न्यूजीलैंड मैं ओटेगा जेल, यहाँ कैदीयो को को कुकिंग फार्मिंग की ट्रेनिंग दी जाती है, इसके साथ-साथ इन्हें कड़ी सुरक्षा में भी रखा जाता है। अगर बात की जाए इन्हें यहां पर क्या सिखाया जाता है, तो इन्हें विभिन्न तरह की चीज बनाना और कई तरीके की फसल उगाना सिखाया जाता है, जिससे कि वह अपनी सजा काटने के बाद अपना जीवन अच्छी तरीके से जी सके बिना किसी गलत तरीके से पैसा कमाए।

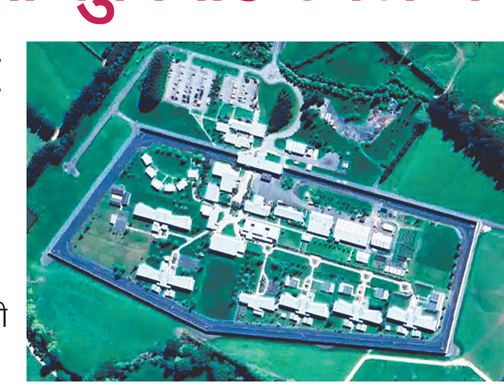

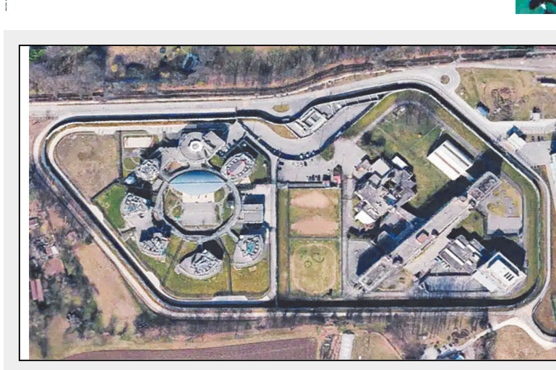

स्विट्जरलैंड की चैंप डॉलन

यह एक ऐसी जगह है जिसे 2011 में 40 मिलियन डॉलर खर्च करके आधुनिक तरीके का बनाया गया था इसके बाद अब यह किसी अच्छी खासी होटल से काम नहीं है यहां पर प्राइवेट बाथरूम बड़े-बड़े आरामदायक कमरे मनोरंजन के लिए टीवी जैसी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

नोएडा सेक्टर-105 में निवासियों को भेजे जा रहे अव्यावहारिक लेबर सेस नोटिसों के खिलाफ आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने जिलाधिकारी से की हस्तक्षेप की मांग

नोएडा। सेक्टर-105 के निवासियों को उप श्रम आयुक्त कार्यालय द्वारा भेजे जा रहे निर्माण उपकर (लेबर सेस) के भारी-भरकम और अव्यावहारिक नोटिसों को लेकर पूरे क्षेत्र में गहरा असंतोष और आक्रोश व्याप्त है।

मामले की गंभीरता और जनहित को ध्यान में रखते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर-105 के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने उत्तर प्रदेश सरकार की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर, श्रीमती मेधा रूपम को पत्र सौंपकर इस पूरी प्रक्रिया पर तुरंत रोक लगाने और नोटिसों को निरस्त करने की पुरजोर मांग की है।

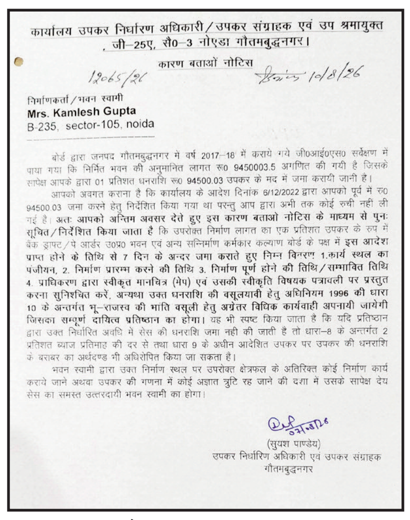
कार्यालय उपकर निर्धारण अधिकारी/उपकर संग्राहक एवं उप श्रमायुक्त
, जी–25ए, सै0–3 नोएडा गौतमबुद्धनगर।

कारण बताओ नोटिस

12065/26 दिनांक 10/8/26

निर्माणकर्ता/भवन स्वामी
Mrs. Kamlesh Gupta
B-235, sector-105, noida

बोर्ड द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर में वर्ष 2017–18 में कराये गये जी0आई0एस0 सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्मित भवन की अनुमानित लागत रू0 9450003.5 अगणित की गयी है जिसके सापेक्ष आपके द्वारा 01 प्रतिशत धनराशि रू0 94500.03 उपकर के मद में जमा करायी जानी है।

आपको अवगत कराना है कि कार्यालय के आदेश दिनांक 6/12/2022 द्वारा आपको पूर्व में रु0 94500.03 जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु आप द्वारा अभी तक कोई रुची नहीं ली गई है। अतः आपको अन्तिम अवसर देते हुए इस कारण बताओ नोटिस के माध्यम से पुनः सूचित/निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्माण लागत का एक प्रतिशत उपकर के रुप में बैंक ड्राफ्ट/पे आर्डर उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पक्ष में इस आदेश प्राप्त होने के तिथि से 7 दिन के अन्दर जमा कराते हुए निम्न विवरण 1.कार्य स्थल का पंजीयन, 2. निर्माण प्रारम्भ करने की तिथि 3. निर्माण पूर्ण होने की तिथि/सम्भावित तिथि 4. प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र (मेप) एवं उसकी स्वीकृति विषयक पत्रावली पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, अन्यथा उक्त धनराशि की वसूलयावी हेतु अधिनियम 1996 की धारा 10 के अन्तर्गत भू–राजस्व की भांति वसूली हेतु अग्रेतर विधिक कार्यवाही अपनायी जायेगी जिसका सम्पूर्ण दायित्व प्रतिष्ठान का होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि प्रतिष्ठान द्वारा उक्त निर्धारित अवधि में सेस की धनराशि जमा नही की जाती है तो धारा–8 के अन्तर्गत 2 प्रतिशत ब्याज प्रतिमाह की दर से तथा धारा 9 के अधीन आदेशित उपकर पर उपकर की धनराशि के बराबर का अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया जा सकता है।

भवन स्वामी द्वारा उक्त निर्माण स्थल पर उपरोक्त क्षेत्रफल के अतिरिक्त कोई निर्माण कार्य कराये जाने अथवा उपकर की गणना में कोई अज्ञात त्रुटि रह जाने की दशा में उसके सापेक्ष देय सेस का समस्त उत्तरदायी भवन स्वामी का होगा।

(सुयश पाण्डेय)
उपकर निर्धारिण अधिकारी एवं उपकर संग्राहक
गौतमबुद्धनगर

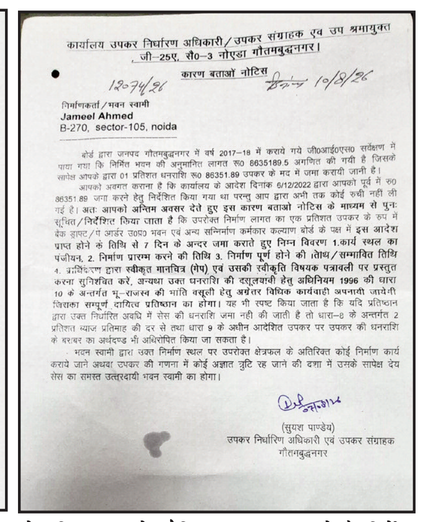
कार्यालय उपकर निर्धारण अधिकारी/उपकर संग्राहक एव उप श्रमायुक्त
, जी–25ए, सै0–3 नोएडा गौतमबुद्धनगर।

कारण बताओ नोटिस

12074/26 दिनांक 10/8/26

निर्माणकर्ता/भवन स्वामी
Jameel Ahmed
B-270, sector-105, noida

बोर्ड द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर में वर्ष 2017–18 में कराये गये जी0आई0एस0 सर्वेक्षण में पाया गया कि निर्मित भवन की अनुमानित लागत रू0 8635189.5 अगणित की गयी है जिसके सापेक्ष आपके द्वारा 01 प्रतिशत धनराशि रू0 86351.89 उपकर के मद में जमा करायी जानी है।

आपको अवगत कराना है कि कार्यालय के आदेश दिनांक 6/12/2022 द्वारा आपको पूर्व में रु0 86351.89 जमा करने हेतु निर्देशित किया गया था परन्तु आप द्वारा अभी तक कोई रुची नहीं ली गई है। अतः आपको अन्तिम अवसर देते हुए इस कारण बताओ नोटिस के माध्यम से पुनः सूचित/निर्देशित किया जाता है कि उपरोक्त निर्माण लागत का एक प्रतिशत उपकर के रुप में बैंक ड्राफ्ट/पे आर्डर उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के पक्ष में इस आदेश प्राप्त होने के तिथि से 7 दिन के अन्दर जमा कराते हुए निम्न विवरण 1.कार्य स्थल का पंजीयन, 2. निर्माण प्रारम्भ करने की तिथि 3. निर्माण पूर्ण होने की तिथि/सम्भावित तिथि 4. प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत मानचित्र (मेप) एवं उसकी स्वीकृति विषयक पत्रावली पर प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें, अन्यथा उक्त धनराशि की वसूलयावी हेतु अधिनियम 1996 की धारा 10 के अन्तर्गत भू–राजस्व की भांति वसूली हेतु अग्रेतर विधिक कार्यवाही अपनायी जायेगी जिसका सम्पूर्ण दायित्व प्रतिष्ठान का होगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि प्रतिष्ठान द्वारा उक्त निर्धारित अवधि में सेस की धनराशि जमा नही की जाती है तो धारा–8 के अन्तर्गत 2 प्रतिशत ब्याज प्रतिमाह की दर से तथा धारा 9 के अधीन आदेशित उपकर पर उपकर की धनराशि के बराबर का अर्थदण्ड भी अधिरोपित किया जा सकता है।

भवन स्वामी द्वारा उक्त निर्माण स्थल पर उपरोक्त क्षेत्रफल के अतिरिक्त कोई निर्माण कार्य कराये जाने अथवा उपकर की गणना में कोई अज्ञात त्रुटि रह जाने की दशा में उसके सापेक्ष देय सेस का समस्त उत्तरदायी भवन स्वामी का होगा।

(सुयश पाण्डेय)
उपकर निर्धारिण अधिकारी एवं उपकर संग्राहक
गौतमबुद्धनगर

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने इस संदर्भ में अवगत कराया कि कार्यालय उपकर निर्धारण अधिकारी एवं उप श्रमायुक्त, सेक्टर-3, नोएडा द्वारा वर्ष 2017-18 के कथित जीआईएस सर्वे के आधार पर मकानों की काल्पनिक निर्माण लागत तय कर दी गई है। बिना किसी धरातलीय जांच या भौतिक सत्यापन के 7 से 10 वर्ष पुराने निर्मित मकानों पर लाखों रुपये का सेस, 2 प्रतिशत प्रतिमाह का भारी ब्याज और 100 प्रतिशत तक पेनल्टी की चेतावनी दी जा रही है। उदाहरण स्वरूप, श्रीमती कमलेश गुप्ता (मकान संख्याः बी-235) को पत्रांक 12065/26 के तहत ?94.50 लाख की काल्पनिक लागत दिखाकर 94,500.03 का नोटिस भेजा गया है। इसी प्रकार जमील अहमद (मकान संख्याः बी-270) को ?86,351 और जय चंद एस. (मकान संख्याः बी-229) को 11,886 का नोटिस थमा दिया गया है, जो पूरी तरह से अन्यायपूर्ण है।

दिव्य कृष्णात्रेय ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि विधिक और नैतिक रूप से निर्माण पूर्ण होने के वर्षों बाद तथा 3 वर्ष की कानूनी समयसीमा बीत जाने के पश्चात ऐसी मनमानी वसूली न्यायसंगत नहीं है। नोएडा प्राधिकरण के नियमों और लीज डीड में भी अलग से ऐसे सेस का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है। यदि कोई उपकर देय था, तो वह निर्माण के समय या कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी करते वक्त लिया जाना चाहिए था। आज सेवानिवृत्त और वरिष्ठ नागरिकों पर अचानक ऐसा आर्थिक बोझ डालना सीधे तौर पर आम जनता का उत्पीड़न है।

आरडब्ल्यूए की ओर से जिलाधिकारी महोदया से अनुरोध किया गया है कि सेक्टर-105 के निवासियों को जारी किए गए इन सभी नियमाविरुद्ध नोटिसों को जनहित में तत्काल निरस्त किया जाए। साथ ही उपकर निर्धारण की इस मनमानी प्रक्रिया पर रोक लगाकर पारदर्शी तरीके से भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश जारी किए जाएं। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया कि जिलाधिकारी श्रीमती मेधा रूपम के कुशल और न्यायप्रिय नेतृत्व में सेक्टर-105 के निवासियों को इस मानसिक व आर्थिक तनाव से शीघ्र राहत मिलेगी।

सेक्टर के हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा के लिए आरडब्ल्यूए पूरी मजबूती से प्रयासरत है।

नोएडा जेपी विशटाउन प्रोजेक्ट की होगी जांच

शासन ने ओएसडी की अध्यक्षता में बनाई कमेटी, सात बिंदुओं पर मांगी रिपोर्ट

नोएडा। सेक्टर-128 स्थित जेपी विशटाउन में परियोजनाओं के निर्माण में देरी और अनधिकृत निर्माण की शिकायतों पर शासन ने जांच के आदेश दिए हैं। इसके लिए नोएडा के ओएसडी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। कमेटी को एक महीने के अंदर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपनी होगी।।जेपी विशटाउन का निर्माण जेपी इंफ्राटेक लिमिटेड की ओर से किया गया था। परियोजना समय पर पूरी नहीं होने और अन्य समस्याओं के चलते मामला एनसीएलटी तक पहुंचा था।

इसके बाद एनसीएलटी से स्वीकृत रिजोल्यूशन प्लान के तहत परियोजना को पूरा कराने की जिम्मेदारी सुरक्षा रियल्टी को दी गई।

अब सुरक्षा रियल्टी की ओर से भी निर्माण में लापरवाही बरते जाने के आरोप लगाए गए हैं। जेपी विशटाउन निवासी आशीष ने 10 अगस्त 2026 को शासन में शिकायत की थी। इसमें निर्धारित समय सीमा में निर्माण पूरा नहीं करने, स्वीकृत डीपीआर और मानचित्र के अनुरूप काम नहीं करने और स्वीकृत योजना से अलग निर्माण किए जाने के आरोप लगाए गए।

ओएसडी की अध्यक्षता में कमेटी: शिकायत के आधार पर शासन ने नोएडा के ओएसडी संतोष कुमार की अध्यक्षता में जांच समिति बनाई है। इसमें नोएडा नियोजन विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक वैभव गुप्ता, नोएडा के वरिष्ठ एवं वित्त लेखाधिकारी विजय स्वरूप, यीडा वित्त विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक सलीम अहमद और यीडा नियोजन विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक मनीष लाल को सदस्य बनाया गया है।

7 बिंदुओं पर होगी जांच: कमेटी सबसे पहले यह जांच करेगी कि एनसीएलटी से स्वीकृत रिजोल्यूशन प्लान की शर्तों का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं।

इसके साथ ही वर्तमान निर्माण स्वीकृत डीपीआर और मानचित्र के अनुसार हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच होगी।।स्वीकृत योजना से अलग कोई अतिरिक्त टावर, फ्लोर, दूसरी यूनिट, बिल्टअप एरिया या अन्य निर्माण किया गया है या नहीं, यह भी देखा जाएगा। यदि अतिरिक्त निर्माण मिला तो उसकी प्राधिकरण से अनुमति ली गई थी या नहीं, इसकी जांच होगी।

कमेटी यह भी देखेगी कि अतिरिक्त निर्माण से खरीदारों के खाली क्षेत्र, हरियाली, कॉमन सुविधाएं, पार्किंग, सड़क और फायर सेफ्टी जैसी सुविधाएं प्रभावित तो नहीं हो रही हैं। इसके अलावा एफएआर या स्वीकृत ग्राउंड कवरेज में अनधिकृत बढ़ोतरी की भी जांच होगी।

खरीदारों के अधिकार अतिरिक्त निर्माण से प्रभावित हुए हैं या नहीं और परियोजना की वास्तविक प्रगति क्या है, इसकी भी रिपोर्ट तैयार की जाएगी।।कमेटी खरीदारों से प्राप्त धनराशि के इस्तेमाल की भी जांच करेगी कि उसका उपयोग परियोजना के निर्माण में ही किया जा रहा है या नहीं।

जेब से पैसे चोरी के शक में राजमिस्त्री की पीट-पीटकर हत्या, साथी आरोपी फरार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर थाना क्षेत्र के जीटा-2 सेक्टर में पैसे चोरी करने के शक में एक राजमिस्त्री द्वारा अपने साथी की कथित तौर पर पिटाई करने का मामला सामने आया है। इस मारपीट के दौरान पीड़ित का सिर दीवार से टकरा गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। बाद में अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय गणेश के रूप में हुई है। गणेश मूल रूप से महाराजगंज का रहने वाला था। वह जीटा-2 सेक्टर में स्थित एक निर्माणाधीन मकान में रहकर टाइल लगाने का काम करता था।।गणेश के साथ अंबेडकर नगर का रहने वाला रामसहाय भी उसी मकान में टाइल लगाने का काम करता था। पुलिस के अनुसार दोनों आपस में दोस्त बताए जा रहे हैं। देर रात को रामसहाय को अचानक शक हुआ कि गणेश ने उसकी जेब से पैसे निकाल लिए हैं। इसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखी बहस हुई और विवाद बढ़ गया।

मारपीट के दौरान सिर दीवार से टकराया: विवाद बढ़ने पर आरोप है कि रामसहाय ने गणेश के साथ मारपीट की। इसी मारपीट के दौरान गणेश का सिर जोर से दीवार से टकरा गया और उसे सिर में गंभीर चोट लग गई। मारपीट की इस घटना के कुछ देर बाद रामसहाय आराम से सोने चला गया। उसे लगा कि गणेश भी सो गया है, जबकि गणेश गंभीर हालत में बेहोश पड़ा हुआ था।

मकान मालिक ने पहुंचाया अस्पताल, पुलिस जांच में जुटी: अगली सुबह जब मकान मालिक मौके पर पहुंचा, तब जाकर इस पूरी घटना की जानकारी सामने आई। मकान मालिक ने देखा कि गणेश के सिर से खून बह रहा था और वह बेहोशी की हालत में था। मकान मालिक ने उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों के उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस की टीम आरोपी रामसहाय की तलाश में उसके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों की स्थिति और साफ हो सकेगी।

राज्यपाल नागालैंड एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह ने अर्पित की श्रद्धांजलि

नोएडा। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्रा जी (बाबूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन पर आज महामहिम राज्यपाल नागालैंड नंद किशोर यादव एवं नोएडा विधायक पंकज सिंह ने उनके नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। महामहिम राज्यपाल जी ने दिवंगत श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया तथा श्रद्धेय कलराज मिश्रा जी एवं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने तथा परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर , कृष्णा पासवान राज्य मंत्री, राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रसाद सिंह, मनोज बाल्मीकि, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, एम एल सी अश्वनी त्यागी, एम एल सी अशोक कटारिया, विधायक अमित अग्रवाल जी, डॉ. वीरपाल निर्वाल, पूर्व सांसद सत्यदेव पचौरी, पूर्व सांसद और एम एल सी विद्या सागर सोनकर, शिव शंकर शर्मा , शिव विहारी, कुंवर सिंह अगरिया (पूर्व विधायक), राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, रविंद्र सिंह चौहान ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के निधन से राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके सरल, सहज एवं स्नेहपूर्ण व्यक्तित्व को सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें स्मरण किया।

ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

इस अवसर पर , जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान, जिला महामंत्री अमित त्यागी, पूर्व मंत्री वीरेंद्र तिवारी, पूर्व एमएलसी सतीश शर्मा, शशि प्रकाश मिश्रा, संजय बाली, खुर्रम रिजवी, ब्रह्मदेव मिश्रा, रवि अवाना, संजीव पुरी, अंकुर शर्मा, ऋषभ जैन, आलोक चौहान, अजय राजभर, मुकुल बाजपेई, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे और पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

ग्रेटर नोएडा में शुरू हुआ बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026

नोएडा। बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया 2026 की शुरुआत आज इंडिया एक्सपो सेंटर, ग्रेटर नोएडा में हुई। चार दिवसीय एस कंस्ट्रक्शन और माइनिंग इक्विपमेंट प्रदर्शनी के उद्घाटन अवसर पर सरकार, उद्योग जगत, विभिन्न देशों के राजनयिक मिशनों और इंफ्रास्ट्रक्चर संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि मौजूद रहे। उद्घाटन समारोह में स्टीफन रुमेल, सीईओ, मेस्से मुएनचेन ग्रुप; लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह, एवीएसएम, वीएसएम, डायरेक्टर जनरल, बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन; एंटोनियो बार्टोली, भारत में इटली के राजदूत; और जॉर्ज एंजवाइलर, डिप्टी हेड ऑफ मिशन, जर्मनी के संघीय गणराज्य के दूतावास ने भाग लिया। इसके अलावा इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों, कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशनों, इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों और रिसर्च संस्थानों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

भूपिंदर सिंह, प्रेसिडेंट - आईएमईए, मेस्से मुएनचेन और सीईओ, मेस्से मुएनचेन इंडिया ने कहा इस संस्करण को मिल रही प्रतिक्रिया बताती है कि बाजार निवेश के लिए तैयार है। कंपनियां अपने विकास की योजनाओं के साथ प्रदर्शनी में आई हैं, जबकि खरीदार अपनी तय समयसीमा और काम से जुड़ी जरूरतों के साथ यहां पहुंच रहे हैं। हमारी भूमिका दोनों पक्षों को एक मंच पर लाना, जानकारी लेने से लेकर फैसला करने तक की प्रक्रिया को आसान और तेज बनाना और महत्वपूर्ण बातचीत को लंबे समय की साझेदारी में बदलने में मदद करना है।

दीपक शेट्टी, प्रेसिडेंट, इंडियन कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ने कहा भारत का कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उद्योग तेजी से बदल रहा है। ग्राहकों की बदलती जरूरतों के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाली, टेक्नोलॉजी से लैस और पर्यावरण के अनुकूल मशीनों की मांग बढ़ रही है।

ग्राहक ऐसी मशीनें चाहते हैं, जो ज्यादा उत्पादक और कुशल हों, कठिन परिस्थितियों में भरोसेमंद तरीके से काम करें, आधुनिक डिजिटल तकनीक से लैस हों और सुरक्षा तथा पर्यावरण से जुड़े पहलुओं को बेहतर बनाएं। भारतीय मैन्युफैक्चरर्स लगातार इनोवेशन, मजबूत इंजीनियरिंग और देश में ही ज्यादा निर्माण के जरिए इन जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। बाउमा कॉनएक्सपो इंडिया भारतीय मैन्युफैक्चरर्स द्वारा तैयार किए जा रहे इन नए और आधुनिक समाधानों को दिखाने का एक महत्वपूर्ण मंच है। ये समाधान बाजार की बदलती जरूरतों को पूरा करने, भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास को आगे बढ़ाने और निर्यात को बढ़ावा देने में मदद करेंगे।

रविंद्र त्यागी, प्रेसिडेंट, बिल्डर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने कहा कॉन्ट्रैक्टर्स मशीनों का आकलन कुछ व्यावहारिक सवालों के आधार पर करते हैं–एक शिफ्ट में मशीन कितना काम कर सकती है? वह लगातार कितनी भरोसेमंद तरीके से चलेगी? स्पेयर पार्ट्स कितनी जल्दी मिल सकते हैं? सर्विस टीम कितनी तेजी से मदद करती है? यह प्रदर्शनी हमारे सदस्यों को मैन्युफैक्चरर्स से सीधे ये सवाल पूछने और निवेश का फैसला लेने से पहले अपनी साइट की वास्तविक जरूरतों के अनुसार हर मशीन का आकलन करने का अवसर देती है।'

नोएडा प्राधिकरण के बाहर किसानों का हल्लाबोल, बिजली काटने पर भड़के; 5 प्लॉट और मुआवजे को लेकर अड़े

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ सेक्टर-96 स्थित मुख्य प्रशासनिक भवन पर किसानों का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को भी जारी रहा। अपनी लंबित मांगों को लेकर डटे किसानों ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार वे बिना ठोस समाधान के वापस नहीं लौटेंगे।

धरना प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब प्राधिकरण की ओर से धरनास्थल की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। इससे आक्रोशित किसानों ने प्राधिकरण प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि वे शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन यदि इसमें बाधा डाली गई तो वे बड़ा कदम उठाने को बाध्य होंगे। किसानों के कड़े रुख को देखते हुए अधिकारियों ने तुरंत बिजली आपूर्ति बहाल करवा दी।

81 गांवों के प्रतिनिधियों की बैठक: जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि किसान और ग्रामीण अपनी मांगें पूरी कराए बिना घर नहीं लौटेंगे। इस दौरान नोएडा के 81 गांवों के प्रतिनिधियों ने महापंचायत में हिस्सा लिया और अपनी स्थानीय समस्याओं को सामने रखा। बैठक में आगे के आंदोलन और रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई।

1976 की जमीनों के दाम आसमान पर: संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी ने बताया कि किसान बीते 5 वर्षों से लगातार ज्ञापन दे रहे हैं और वार्ता कर रहे हैं, लेकिन अब सिर्फ आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। जमीनों के दाम बनाम मुआवजाः 1976 में नोएडा की स्थापना के समय किसानों की जमीनें बेहद कम दरों पर अधिग्रहित की गई थीं, जिनकी कीमत आज लाखों रुपये प्रति वर्गमीटर हो चुकी है। इसके बावजूद पात्र किसान अपने हक के लिए भटक रहे हैं।

किसानों की मुख्य मांगें

5 प्रतिशत विकसित भूखंडः वर्ष 1976 से 1997 के बीच प्रभावित सभी किसानों को 5 प्रतिशत विकसित भूखंड का लाभ दिया जाए।

उचित मुआवजाः अधिग्रहित की गई जमीनों का वर्तमान दरों के हिसाब से उचित और बढ़ा हुआ मुआवजा मिले।

लंबित भूखंडों का आवंटनः पात्र किसानों को रुके हुए विकसित प्लॉट तुरंत आवंटित किए जाएं।

समान निर्माण नीतिः किसानों के आवासीय निर्माण पर कार्रवाई में पक्षपात खत्म कर समान नीति लागू हो।

बिजली व सिंचाई राहतः किसानों के लिए बिजली की दरें कम की जाएं और क्षेत्र में सिंचाई व्यवस्था दुरुस्त की जाए।

इस मौके पर एकलव्य सिंह सहारा, श्रीपाल कसाना, विपिन प्रधान, रविंद्र भगत, सिंह राज गुर्जर, योगेश भाटी, सोमेश भारद्वाज, धर्मेंद्र चपराना, मदन भाटी, सचिन अवाना और प्रमोद टाइगर समेत सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

खेल परिसर दो हजार एलईडी स्ट्रीट लाइट से जगमग होगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर में रोशनी बढ़ाने का काम किया जाएगा। इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार जगमग करने के लिए इंडोर स्टेडियम, क्रिकेट पवेलियन और फुटपाथ समेत सभी प्रमुख स्थानों पर दो हजार एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी। प्राधिकरण के विद्युत अभियांत्रिकीस्त्रद्गश्चह्ल ने निविदा जारी कर तैयारी शुरू कर दी है। इस पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

अधिकारी के मुताबिक अगले डेढ़ से दो माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। पुरानी एवं खराब सीएफएल और सोडियम स्ट्रीट लाइट को एलईडी में बदला जाएगा। पूर्व में लगी एलईडी लाइट की रोशनी भी धूमिल हो गई है। खेल परिसर में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं आयोजित होती रहती हैं।

इसको देखते हुए प्राधिकरण ने रोशनी बढ़ाने का फैसला लिया है, ताकि प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों और दर्शकों को किसी तरह की दिक्कत न हो। खेल परिसर में कम रोशनी की शिकायत मिल रही थी। ग्रेटर नोएडा के सीईओ से अनुमति लेकर विद्युत अभियांत्रिकी विभाग ने एलईडी लाइट लगाने के लिए निविदा जारी की है। खेल परिसर में 2000 एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। कम रोशनी वाली एलईडी की जगह पर उच्च क्षमता की नई एलईडी लाइट लगाई जाएंगी।

खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र बनाना: बता दें कि शहीद विजय सिंह खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। शासन द्वारा इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं उच्च मानकों के अनुसार दुरुस्त की जानी हैं। खेल परिसर के संचालन के लिए विशेषज्ञता प्राप्त निजी कंपनी की तलाश भी की जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार विकसित किए गए खेल परिसर में मौजूदा समय में क्रिकेट, फुटबॉल, टेनिस और स्विमिंग सहित अन्य खेलों की सुविधाएं मौजूद हैं। आंतरिक सड़कों, बिल्डिंग को नया रूप देने, जल निकासी आदि मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त करने के साथ बेहतर प्रकाश व्यवस्था की योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। इसके तहत खेल परिसर में पहले से लगी सभी सीएफएल और सोडियम स्ट्रीट लाइट को हटाकर उनके स्थान पर उच्च क्षमता की एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सुविधाएं: शहीद विजय सिंह पथिक खेल परिसर को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने की तैयारी चल रही है। यहां आने वाले खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिल सकें, इसके लिए मानकों के अनुसार काम कराए जा रहे हैं। खेल परिसर को जगमग करने के लिए एलईडी लाइट की संख्या बढ़ाई जाएगी।

मांगें पूरी होने पर ही होगी घर वापसी: अशोक भाटी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ भारतीय किसान यूनियन का अनिश्चितकालीन धरना मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। धरना भाकियू के गौतमबुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है।

धरनास्थल पर कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने का निर्णय लिया गया। साथ ही, धरनास्थल से ही किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करने तथा आगामी पंचायत की रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी।

इस दौरान प्राधिकरण द्वारा धरनास्थल की विद्युत आपूर्ति बंद किए जाने पर कार्यकर्ताओं ने कड़ी नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की। आंदोलनकारियों ने प्रशासन से साफ कहा कि हम शांतिपूर्ण तरीके से धरना दे रहे हैं, लेकिन यदि आंदोलन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न की गई तो किसान कठोर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। हम आवश्यकता पड़ने पर स्थान बदलकर भी आंदोलन करना जानते हैं। कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद अधिकारियों ने तत्काल विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा, 'नोएडा के किसानों और ग्रामीणों की मांगें पूरी होने के बाद ही हमारी घर वापसी होगी। समस्याओं के समाधान तक धरना निरंतर जारी रहेगा।' उन्होंने बताया कि नोएडा के 81 गांवों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लेकर अपने-अपने गांवों की समस्याओं से अवगत कराया। बैठक में आगे की पंचायत और आंदोलन की रूपरेखा भी तैयार की गई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, एकलव्य सिंह सहारा, श्रीपाल कसाना, विपिन प्रधान, रविंद्र भगत जी, सिंहराज गुर्जर, योगेश भाटी, सोमेश भारद्वाज, रविंद्र कसाना, धर्मेंद्र चपराना, रिकी प्रधान, मदन भाटी, सचिन अवाना, प्रमोद टाइगर, सुधीर भाटी, राकेश नंबरदार सहित बड़ी संख्या में किसान, कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादकः अनिल रॉयल
फोनः (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

भारतीय किसान परिषद का धरना नौवें दिन भी महिला शक्ति की अगुवाई में जारी

नोएडा। भारतीय किसान परिषद द्वारा बिजली के अधिकार को लेकर चलाया जा रहा धरना मंगलवार को नौवें दिन भी भारी महिला शक्ति की मौजूदगी में जारी रहा। धरने में बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने बच्चों के भविष्य की चिंता को देखते हुए आंदोलन को एक अनोखा मोड़ दे दिया। महिलाओं ने प्रण लेकर घोषणा की कि कल से वे भूख हड़ताल शुरू करेंगी और अनशन को दिन और रात दोनों समय जारी रखेंगी।

महिलाओं द्वारा जल को हाथ में लेकर यह कसम खाई गई कि जब तक उनके घरों में बिजली के कनेक्शन नहीं दिए जाते और जब तक सरकार उनके बच्चों के भविष्य को बिजली प्रदान कर सुरक्षित नहीं करती, तब तक महिलाएं आमरण भूख हड़ताल अनशन करेंगी। धरना प्रदर्शन कर रहे लोगों की मूल भावना यह थी कि सरकार और प्रशासन बिजली दिए जाने के संबंध में कोई प्रस्ताव अथवा प्रगति रिपोर्ट लेकर लोगों के मध्य नहीं आए हैं। अगर इसी तरह से सरकार और प्रशासन का रवैया बना रहा, तो जल्द ही भारतीय किसान परिषद के लोग एक बड़ा निर्णय लेंगे।

भारतीय किसान परिषद की अध्यक्ष सुखबीर खलीफा द्वारा माता और बहनों के सामने साफ शब्दों में कहा गया कि हर कदम पर संगठन बिजली के अधिकार की लड़ाई के लिए प्रत्येक कसौटी पर कसने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल बिजली के कनेक्शन की नहीं, बल्कि गांव के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उनके अधिकारों की लड़ाई है। संगठन इस लड़ाई को हर हाल में जीत कर ही दम लेगा।

ग्रेनो वेस्ट सोसाइटी में नशे में युवकों ने मचाया उत्पात

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट की आम्रपाली ड्रीम वैली 2 सोसाइटी में कुछ युवकों ने शराब के नशे में उत्पात मचाया। उन्होंने फ्लोर पर खड़ी एक बच्चे की साइकिल उठाकर फेंक दी और लोगों के फ्लैट के गेट भी बजाए। यह घटना 13 सितंबर को देर रात करीब 11:30 बजे की है।

युवकों का शोर सुनकर जब लोग अपने फ्लैट से बाहर आए, तो वे वहां से चले गए। हालांकि, सोसाइटी की लॉबी में लगे सीसीटीवी कैमरे में उनकी पूरी हरकत कैद हो गई। वीडियो में साफ दिख रहा है कि पांच युवक फ्लैट के बाहर हुड़दंग कर रहे हैं।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में दिख रहा है कि पांच लड़के लॉबी में आते हैं। उनमें से एक लड़का बच्चे की साइकिल उठाकर फेंक देता है। इसके बाद वे वहीं बैठकर जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

उनकी आवाज सुनकर एक फ्लैट का निवासी बाहर आता है और उन्हें जाने के लिए कहता है। दोनों पक्षों के बीच बातचीत होती है और फिर युवक लिफ्ट से चले जाते हैं।

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा की धर्मपत्नी स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा के निधन पर कांग्रेस सांसद ने जताया शोक

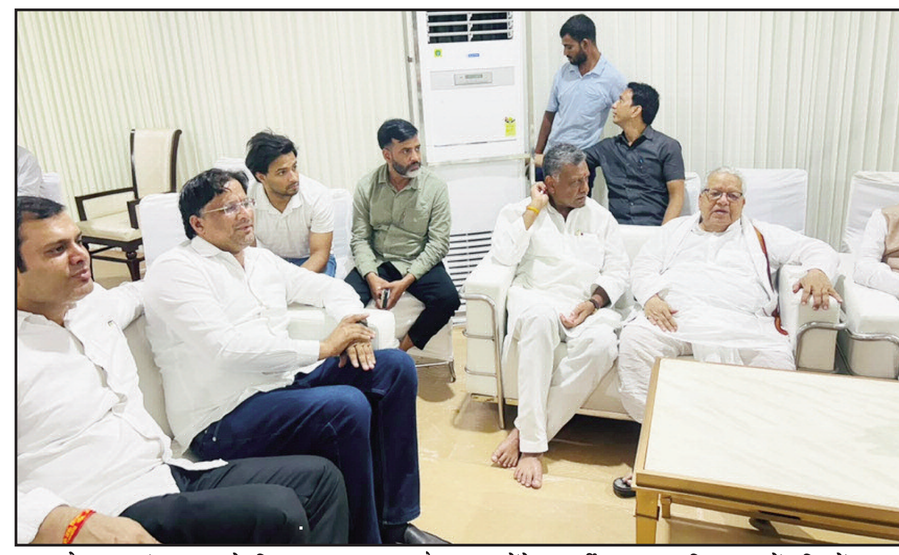

नोएडा। मंगलवार को बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ राज्यसभा सांसद अखिलेश प्रताप सिंह नोएडा पहुंचे और पूर्व राज्यपाल एवं पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री कलराज मिश्रा जी की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी के आवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की।

इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा जी का निधन परिवार एवं समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में शक्ति दें।

इस अवसर पर नोएडा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर सतेन्द्र शर्मा भी मौजूद रहे। सतेन्द्र शर्मा ने भी स्वर्गीय सत्यवती मिश्रा जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री कलराज मिश्रा जी एवं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

डूब क्षेत्र में दिए डेढ़ सौ से अधिक बिजली कनेक्शन

नोएडा। डूब क्षेत्र में बिजली कनेक्शन देने का सिलसिला जारी है। मंगलवार को भी शिविर लगाकर डेढ़ सौ से अधिक बिजली कनेक्शन जारी किए गए। अभी तक 625 से अधिक बिजली कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। बुधवार को भी शिविर लगाकर कनेक्शन दिए जाएंगे।

विद्युत निगम के उच्चाधिकारियों के मौखिक आदेश के बाद डूब क्षेत्र में कनेक्शन देने का सिलसिला जारी है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ दिनों में आदेश भी आ सकता है। परंतु डूब क्षेत्र में बिजली ढांचे को विकसित करने के लिए जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई होती नजर नहीं आ रही है। ऐसे में सवाल उठता है अधूरे और जर्जर बिजली ढांचे के बीच डूब क्षेत्र में कैसे निर्बाध आपूर्ति दी जा सकेगी। अभी डूब क्षेत्र में बिजली ढांचे को सुधारने के लिए कोई कार्रवाई होती भी नजर नहीं आ रही है। आने वाले कुछ महीनों में डूब क्षेत्र में निर्बाध आपूर्ति को बनाए रखना भी विद्युत निगम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण होगा।

बिजली कनेक्शनों का वितरण: विद्युत निगम द्वारा हिंड़न के डूब क्षेत्र में ही बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। हिंड़न में भी सेक्टर-63 के पास छिजारसी और चोटपुर गांव के डूब क्षेत्र के लोगों को शिविर लगाकर कनेक्शन दिए जा रहे हैं। कनेक्शन जारी करने से पहले बिजली ढांचे का भी पता नहीं किया जा रहा है कि उक्त स्थल पर बिजली ढांचा है या नहीं है। ऐसे में विद्युत निगम की कनेक्शन देने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। जबकि विद्युत निगम के अभियंता कनेक्शन जारी करने से पहले तकनीकी टीम की रिपोर्ट लेते हैं और मौके का सर्वे करते हैं। उक्त स्थल पर बिजली ढांचा है या नहीं हैं। इसके साथ ही देखा जाता है कि संबंधित क्षेत्र की बिजली लाइन लोड़ को झेल भी पाएगी या नहीं है। बिना किसी जमीनी स्तर पर जांच किए बिजली कनेक्शन बांटे जा रहे हैं।

शिक्षा नेशन ने 'अनलॉकएक्स' स्कॉलरशिप टेस्ट किया लॉन्च

नोएडा। शिक्षा नेशन ने के-12 विद्यार्थियों के लिए 'अनलॉकएक्स' स्कॉलरशिप टेस्ट लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी के अनुसार, यह स्कॉलरशिप टेस्ट एक सीधे और पारदर्शी मॉडल पर आधारित है, जिसमें विद्यार्थी को टेस्ट में जितने प्रतिशत अंक मिलेंगे, उतने ही प्रतिशत की स्कॉलरशिप मिलेगी। कंपनी ने इसे 'Indias Most Honest Scholarship Test' के रूप में पेश किया है। अनलॉकएक्स मॉडल के तहत यदि किसी विद्यार्थी को टेस्ट में 90 प्रतिशत अंक मिलते हैं, तो वह 90 प्रतिशत स्कॉलरशिप के लिए पात्र होगा। इसी तरह 80 और 70 प्रतिशत अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को क्रमशः 80 और 70 प्रतिशत स्कॉलरशिप मिलेगी। शिक्षा नेशन के अनुसार, इसमें अलग-अलग स्कॉलरशिप स्लैब या अंकों को नीचे की श्रेणी में राउंड-ऑफ करने की व्यवस्था नहीं होगी। पात्र विद्यार्थियों को प्रकाशित नियमों और शर्तों के अधीन पूरे वर्ष के लाइव कोर्स पर 40 से 100 प्रतिशत तक स्कॉलरशिप मिल सकेगी।

शिक्षा नेशन के संस्थापक एवं सीईओ सौरभ कुमार ने कहा, 'स्कॉलरशिप आज के-12 शिक्षा व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है, लेकिन विद्यार्थियों और अभिभावकों को अक्सर अलग-अलग स्लैब, पात्रता शर्तों, कोर्स से जुड़ी पाबंदियों और अन्य नियमों को समझना पड़ता है। हमारा मानना है कि अभिभावकों को पूरी स्पष्टता मिलनी चाहिए। अनलॉकएक्स इसी जटिलता को दूर करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है, जिसमें विद्यार्थी के प्रदर्शन और स्कॉलरशिप के बीच सीधा संबंध होगा। सिद्धांत सरल है–विद्यार्थी जितने अंक हासिल करेगा, उतनी ही स्कॉलरशिप वह अनलॉक करेगा।'

यह स्कॉलरशिप टेस्ट कक्षा 5 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क होगा और विद्यार्थी इसे घर से ऑनलाइन दे सकेंगे। कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थी जेईई या नीट के लिए समर्पित स्ट्रीम का चयन कर सकेंगे। वहीं कक्षा 5 से 10 के विद्यार्थियों के लिए टेस्ट में विज्ञान, गणित और एप्टीट्यूड से जुड़े प्रश्न होंगे। वर्ष 2026 का अनलॉकएक्स टेस्ट 8 से 14 अक्टूबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा, जबकि इसके परिणाम 17 अक्टूबर 2026 को घोषित किए जाने हैं।

कंपनी के अनुसार, विद्यार्थियों की तैयारी को आसान बनाने के लिए पंजीकृत छात्रों को शिक्षा नेशन ऐप के माध्यम से निःशुल्क तैयारी पैक भी उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सैंपल पेपर, वन-शॉट लर्निंग वीडियो और मेमोरी मैप शामिल होंगे। कंपनी का कहना है कि टेस्ट विद्यार्थियों द्वारा पहले से पढ़े गए पाठ्यक्रम और अवधारणाओं पर आधारित होगा, ताकि उन्हें किसी नई प्रतियोगी परीक्षा के लिए अलग से तैयारी न करनी पड़े। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की मौजूदा शैक्षणिक समझ का आकलन करना है।

सौरभ कुमार ने कहा, 'शिक्षा परिवारों के लिए पहले से ही एक बड़ा वित्तीय निर्णय है और स्कॉलरशिप को समझने के लिए जटिल गणनाओं या लंबे नियम-कायदों की जरूरत नहीं होनी चाहिए। यदि कोई विद्यार्थी अनलॉकएक्स में 90 प्रतिशत अंक हासिल करता है, तो परिवार को तुरंत पता होना चाहिए कि उसने 90 प्रतिशत स्कॉलरशिप अर्जित की है, लागू नियमों और शर्तों के अधीन। हमारा मानना है कि इस तरह की स्पष्टता शिक्षा संस्थानों, विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच विश्वास बढ़ाने में मदद कर सकती है।'

संक्षिप्त समाचार

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी दुकानदार को पॉक्सो कोर्ट ने किया बरी

नोएडा। पॉक्सो अदालत ने सेक्टर-75 स्थित मॉल में नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी मथुरा निवासी आरोपी को बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन के तीनों गवाह पीड़िता, मां और पिता कहानी का समर्थन नहीं कर सके। इसलिए संदेह से परे आरोप प्रमाणित नहीं माने जा सकते।

प्राथमिकी थाना सेक्टर-113 में दर्ज हुई थी। वादी ने 8 अप्रैल 2024 को दी गई तहरीर में कहा था कि आरोपी उसका पड़ोसी है। उसने त्योहारी सीजन में दुकान पर भीड़ का हवाला देकर दो-चार दिन के लिए मदद के वास्ते उसकी करीब 15 वर्षीय बेटी को भेजने को कहा था। बेटी सुबह दस बजे दुकान जाती और रात साढ़े दस बजे लौटती थी। 7 अप्रैल 2024 की रात एक महिला का फोन आया कि स्पेक्ट्रम मॉल की कार पार्किंग में पहुंचो। दुकानदार ने बेटी के साथ गलत काम किया है। आरोप था कि दुकानदार ने कार के भीतर दुष्कर्म किया गया और धमकी दी गई।

अभियोजन की ओर से तीन गवाह कराए गए। पीड़िता की मां ने कहा कि बेटी देर होने के कारण घबराई हुई थी और आरोपी ने उसके साथ कोई गलत काम नहीं किया। पीड़िता के पिता ने दुष्कर्म या छेड़छाड़ से साफ इनकार किया। स्वयं पीड़िता ने कहा कि आरोपी से घर छोड़ने को कहा था और पार्किंग में केवल विवाद हुआ था। अदालत ने तीनों को पक्षद्रोही घोषित किया। अदालत ने आरोपी को दोषमुक्त कर दिया, साथ ही वादी पिता के खिलाफ वाद पंजीकृत करने का आदेश दिया।

चैंबर निर्माण के विरोध में वकीलों का हंगामा, शिलापट तोड़ा

नोएडा। सूरजपुर स्थित जिला दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के कार्यालय में चैंबर बनाए जाने को लेकर अधिवक्ताओं के बीच मंगलवार सुबह को विवाद हो गया। चैंबर निर्माण का विरोध कर रहे दूसरे गुट के वकीलों ने कार्यालय परिसर में हंगामा किया। इस दौरान निर्माण से संबंधित शिलापट तोड़ने के साथ ही चैंबर के लिए लाए गए सामान को उठाकर फेंक दिया गया। घटना को लेकर अधिवक्ताओं के दोनों गुटों में तनाव की स्थिति बन गई।

बताया गया कि बार एसोसिएशन कार्यालय परिसर में चैंबर निर्माण की तैयारी की जा रही थी। इसके लिए कुछ सामान कार्यालय में लाया गया था। इसका विरोध कर रहे अधिवक्ता मौके पर पहुंच गए और निर्माण कार्य का विरोध करने लगे। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया। विरोधी गुट के अधिवक्ताओं ने चैंबर निर्माण से संबंधित शिलापट तोड़ दिया और वहां रखा सामान उठाकर बाहर फेंक दिया। हंगामे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला। अधिवक्ताओं का कहना है कि कार्यालय परिसर में किसी भी निर्माण से पहले सभी संबंधित पक्षों की सहमति और निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। वहीं, मामले को लेकर बार एसोसिएशन के दोनों गुटों में आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गए हैं। पुलिस मामले की जानकारी जुटा रही है।

किन्नर ने लिफ्ट मांगकर गाड़ी सवार की जेब से 45 हजार निकाले

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में किन्नर ने लिफ्ट मांगकर एक व्यक्ति की जेब से 45 हजार रुपये निकाल लिए। आरोपी ने सेक्टर-49 रेड लाइट तक जाने की बात कहकर लिफ्ट ली थी। कुछ दूरी चलने के बाद वह रुपये निकालकर यूटर्न के पास उतर गया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-12 निवासी दिग्यांशु ने पुलिस को शिकायत दी कि वह 11 सितंबर की रात करीब आठ बजे अपनी गाड़ी से घर से निकले थे। सेक्टर-12/22 की ओर से होते हुए वह सेक्टर-49 की तरफ जा रहे थे। सिटी सेंटर अंडरपास पार करने के बाद कुछ दूरी पर एक व्यक्ति ने उनसे लिफ्ट मांगी।

पीड़ित ने उसे गाड़ी में बैठा लिया। व्यक्ति ने बताया कि उसे सेक्टर-49 रेड लाइट तक जाना है। कुछ दूरी चलने के बाद गाड़ी में बैठे व्यक्ति ने किसी तरह उनकी जेब से रुपये निकाल लिए। इसके बाद करीब 100 मीटर आगे जाकर आरोपी ने गाड़ी रुकवाई और यूटर्न के पास उतरकर वहां से चला गया। पीड़ित ने बताया कि उनकी जेब में 500 रुपये के 90 नोट थे। इस तरह कुल 45 हजार रुपये चोरी हो गए। पुलिस ने ट्रांसजेंडर के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि आरोपी की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में कई ट्रांसजेंडर से पूछताछ की गई है।

करोड़ों की लागत वाला एलिवेटेड रोड अचानक धंसा, 20 फीट लंबा और और 10 फीट गहरा गड्ढा देख मचा हड़कंप

नोएडा। करोड़ों रुपये की लागत से नोएडा में बने एलिवेटेड रोड सेक्टर-61 से सेक्टर-18 के बीच का हाल बेहाल हो गया है. करीब 10 फीट अचानक सड़क धंस गई. इस रोड से हजारों की संख्या में रोजाना वाहनों का आना-जाना लगा रहता है. वहीं, सड़क के ऐसे अचानक से धंस जाने पर कई सवाल खड़े हो गए हैं.

सड़क के धंसने की जानकारी मिलते ही प्रशासन ने एहतियात बरतते हुए ट्रैफिक रोक दिया। इसके कारण एलिवेटेड रोड पर लंबा जाम लग गया, जिससे स्थानीय लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं।स्थानीय लोगों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जो सड़क रोज़ाना इतनी बड़ी संख्या में वाहनों को संभालती है, वहां अचानक ऐसा गड्ढा बनना गंभीर चिंता की बात है। लोग यह जानने के इच्छुक हैं कि इस तरह की घटना क्यों हुई और इसके पीछे क्या कारण है।

नोएडा अथॉरिटी की कार्यप्रणाली पर सवाल: सड़क धंसने की इस घटना ने एक बार फिर नोएडा अथॉरिटी की कार्यप्रणाली को सवालों के घेरे में ला दिया है। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस महत्वपूर्ण एलिवेटेड रोड की सुरक्षा पर अब सवाल खड़े हो गए हैं। नोएडा अथॉरिटी के अधिकारी इस घटना की जांच कराने की बात कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय नागरिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

सुरक्षा को लेकर बढ़ी चिंताएँ: जिस जगह 20 फीट लंबा और 10 फीट गहरा गड्ढा हुआ है, उसने एलिवेटेड रोड से गुजरने वाले लाखों वाहन चालकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

एस डी एल जी इंडिया ने पेश किया डीजल और इलेक्ट्रिक कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट की नई रेंज

नोएडा। एस डी एल जी इंडिया ने आज भारतीय क्षेत्र के लिए अपने इनोवेटिव कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट की रेंज पेश की। कंपनी ने देश के तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर, कंस्ट्रक्शन और खनन क्षेत्रों के लिए डीजल से चलने वाली और इलेक्ट्रिक एक्सकेवेटर्स, व्हील लोडर्स और मोटर ग्रेडर की नई रेंज लॉन्च की। इन नए लॉन्च में बेहतर हाइड्रोलिक्स, ऑपरेटर कंट्रोल और सुरक्षा सुविधाओं से लैस एडवांस्ड डीजल एक्सकेवेटर्स के साथ-साथ सस्टेनेबल एप्लीकेशन के लिए इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट भी शामिल हैं।

भारत के तेजी से विस्तार करते इंफ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिक क्षेत्र ऐसे एडवांस्ड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट के लिए नए अवसर पैदा कर रहे हैं, जो शक्ति, दक्षता और विश्वसनीयता का संयोजन प्रदान करते हैं। बड़े पैमाने पर होने वाले कंस्ट्रक्शन, इंफ्रास्ट्रक्चर और खनन कार्यों में पारंपरिक डीजल से चलने वाली मशीनरी महत्वपूर्ण बनी हुई है। वहीं, वहनीयता पर बढ़ते जोर के कारण इलेक्ट्रिक इक्विपमेंट में रुचि बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक एक्सकेवेटर्स एक स्वच्छ विकल्प प्रदान करते हैं, जो शून्य-उत्सर्जन और कम शोर वाले संचालन के साथ-साथ अधिक टिकाऊ और दक्ष कंस्ट्रक्शन समाधानों की दिशा में उद्योग की बदलती जरूरतों को पूरा करते हैं।

भारत के औद्योगिक विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की यात्रा में एक साझेदार के रूप में, एस डी एल जी इंडिया तकनीकी उत्कृष्टता, इनोवेटिव समाधानों, विश्वसनीय साझेदारियों और परिचालन उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वसनीय और टिकाऊ कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट उपलब्ध करा रही है, ताकि सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य और लाभप्रदता का निर्माण किया जा सके।

चार लोगों से 1.15 करोड़ की ठगी

नोएडा। साइबर अपराधियों ने ऑनलाइन ट्रेडिंग और शेयर बाजार में मोटे मुनाफे का लालच देकर चार लोगों से करीब 1.15 करोड़ रुपये ठग लिए। पीड़ितों ने साइबर क्राइम थाने में शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सेक्टर-58 निवासी विनोद कुमार शर्मा ने पुलिस को शिकायत दी कि ठगों ने जनवरी से जुलाई 2026 के बीच ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर उन्हें अपने जाल में फंसाया। आरोपियों ने निवेश पर मोटा मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। इसके बाद अलग-अलग बहानों से उनसे रकम जमा कराई गई। आरोपियों ने शुरुआत में 22 हजार 500 रुपये निवेश कराए। इसके बाद 50 हजार रुपये, डेढ़ लाख रुपये और अन्य रकम जमा कराई गई। ठगों ने कमीशन और निवेश से जुड़े लाभ का भरोसा दिलाकर भी रुपये लिए। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने उनसे लगातार रकम मंगवाई। बाद में रकम वापस मांगने पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने करीब 71 लाख रुपये की ठगी की शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ितों की शिकायतें: सेक्टर-12 निवासी सुनील कुमार वर्मा ने शिकायत में बताया कि उनके साथ 16 जून से छह अगस्त 2025 के बीच शेयर बाजार में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी की गई। व्हाट्सऐप ग्रुप के माध्यम से उन्हें निवेश की जानकारी दी गई और अधिक मुनाफे का लालच दिया गया। आरोपियों के निर्देश पर उन्होंने बैंक खाते से अलग-अलग बैंक खातों में करीब 19.50 लाख रुपये ट्रांसफर किए। रकम जमा होने के बाद आरोपियों ने संपर्क करना बंद कर दिया। पीड़ित ने बताया कि उन्होंने पहले भी साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। करीब 8.50 लाख रुपये विभिन्न बैंक खातों में फ्रीज कराए गए।

साइबर ठगी के तरीके: हरमेश लाल वर्मा ने बताया कि उनसे 30 जनवरी से दो फरवरी 2024 के बीच ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 13 लाख रुपये की ठगी की गई। आरोपियों ने उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया और अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा कराई। ठगी की रकम में 12.50 लाख रुपये और 50 हजार रुपये शामिल हैं। पीड़ित ने साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

एलिवेटेड रोड पर खाली गैस सिलेंडरों से लदे ट्रक में आग लगी

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में एलिवेटेड रोड पर मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खाली गैस सिलेंडरों से लदे छोटे ट्रक में आग लग गई। राहगीरों की सूचना पर दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। दमकल की चार गाड़ियों ने करीब आधे घंटे में आग को बुझाया। पुलिस के अनुसार एलिवेटेड रोड पर ट्रक के निचले हिस्से में वायरिंग में आग लगने से धुआं उठने लगा। यह देखकर चालक दिलीप कुमार ने तत्काल ट्रक रोका और नीचे उतर आया। इसी बीच आग ने विकराल रूप ले लिया। गनीमत रही कि ट्रक में लदे सभी गैस सिलेंडर खाली थे। यदि सिलेंडरों में गैस भरी होती तो आग लगने की घटना गंभीर रूप ले सकती थी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि राहगीरों ने इसकी सूचना दमकल विभाग और स्थानीय पुलिस को दी। विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, इस दौरान ट्रक से उठता धुआं आसपास से गुजर रहे वाहन चालकों के लिए परेशानी का कारण बना। ट्रक में आग लगने की घटना के चलते एलिवेटेड रोड पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हुआ। आग बुझने के बाद ट्रक को क्रेन की मदद से सड़क से हटाया गया। इसके बाद यातायात सामान्य करने की प्रक्रिया शुरू की गई। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। पुलिसकर्मियों ने लोगों को घटनास्थल से हटाकर यातायात व्यवस्था संभाली।

वीडियो वायरल: घटना का पांच सेकंड का एक वीडियो भी वायरल है। इसे किसी वाहन चालक ने अपने मोबाइल फोन से बनाया। वीडियो में एलिवेटेड रोड पर खड़े ट्रक से धुआं उठता दिखाई दे रहा है। ट्रक से निकलता धुआं काफी दूर तक नजर आ रहा था।

आईएमएस में बॉलीवुड थीम पर सजा कैंपस छात्रों ने रेड कार्पेट वॉक कर किरदारों को किया जीवंत

नोएडा। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में छात्रों ने रेड कार्पेट वॉक कर बॉलीवुड किरदारों को किया जीवंत किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपने पसंदीदा सितारों और फिल्मों के लोकप्रिय किरदारों का रूप धारण कर अपनी प्रस्तुती दी। आज के कार्यक्रम के दौरान छात्रों की रचनात्मकता, अभिनय प्रतिभा और शानदार अंदाज ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।

आईएमएस कल्चरल क्लब की हेड मीतु चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राएं अपने पसंदीदा बॉलीवुड पात्रों और सितारों के प्रतिष्ठित लुक में नजर आए। पूरे कैंपस में ग्लैमर, उत्साह और रचनात्मकता का माहौल देखने को मिला। छात्रों ने विभिन्न लोकप्रिय बॉलीवुड संवादों की शानदार प्रस्तुति देकर अपनी अभिनय प्रतिभा का प्रदर्शन किया और यादगार किरदारों को जीवंत किया।

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रेड कार्पेट वॉक रहा, जिसमें छात्रों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपने बॉलीवुड-प्रेरित लुक्स का प्रदर्शन किया। शानदार परिधानों, आकर्षक अंदाज और उत्साहपूर्ण भागीदारी ने इस आयोजन को और भी खास बना दिया। छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए कार्यक्रम को जीवंत एवं मनोरंजक बनाया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता और व्यक्तित्व को अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान किया। इस आयोजन के माध्यम से छात्रों ने अभिनय, फैशन और प्रदर्शन कला के साथ बॉलीवुड के प्रति अपने प्रेम को भी प्रदर्शित किया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली एसआईआर में नाम जुड़वाने की बढ़ी रफ्तार, 14 दिन में आए 52825 आवेदन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) के तहत ड्राफ्ट मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन आ रहे हैं। 31 अगस्त से 13 सितंबर के बीच 14 दिनों में 52,825 लोगों ने फार्म छह जमा किया है। यानी रोजाना औसतन करीब 377 आवेदन मिल रहे हैं। 30 अगस्त तक मिले 2,12,400 आवेदनों को जोड़ने पर फार्म छह की कुल संख्या 2,65,225 हो गई है। इनमें सबसे ज्यादा 6,580 आवेदन पश्चिमी जिले से आए हैं। इसके बाद उत्तर पश्चिम से

5,403, पूर्वी से 5,359 और उत्तर पूर्वी से 4,677 आवेदन मिले। न्यू दिल्ली जिले में सबसे कम 1,131 आवेदन आए। चार नवंबर को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए इस अवधि में 621 फार्म सात मिले। अब तक इनकी कुल संख्या 52,092 हो गई है। वहीं नाम, पता या अन्य जानकारी में बदलाव के लिए फार्म आठ की कुल संख्या 2,77,256 हो गई है। विदेश में रहने वाले भारतीयों के लिए फार्म छह ए के कुल 1,468 आवेदन मिले हैं। मालूम हो कि दावों और आपत्तियों की प्रक्रिया 30 सितंबर तक चलेगी। इनका निपटारा 29 अक्टूबर तक किया जाएगा और चार नवंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी।

कैंसर से जंग में भारत का एआई मॉडल बनेगा ब्रिक्स देशों का सहारा

नई दिल्ली, एजेंसी। कैंसर की बढ़ती चुनौती के बीच भारत में विकसित एआइ आधारित कैंसर प्लेटफार्म आइआंकोलाजी.एआइ ब्रिक्स देशों के लिए उपयोगी

माडल बन सकता है। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के बीच ' '''द ब्रिक्स हेल्थ जर्नल'''' में 10 सितंबर को प्रकाशित समीक्षा लेख में इसकी वैश्विक उपयोगिता की संभावनाओं को प्रस्तुत किया गया है। कहां गया है कि यह संसाधन सीमित देशों में कैंसर की शुरुआती पहचान, जोखिम के आकलन और उपचार संबंधी निर्णय में चिकित्सकों की प्रभावी सहायता कर सकती है। इसे प्रोफेसर इंचार्ज एम्स डिपार्टमेंट आफ बायोकेमिस्ट्री न्यूरोबायोकेमिस्ट्री डिवीजन एंड मालिक्यूलर डायग्नोस्टिक लैब प्रो. डा. अशोक शर्मा ने लिखा है। डा. अशोक शर्मा ने बताया कि ग्लोबोकैन 2024 के आंकड़ों के अनुसार ब्रिक्स देशों में हर वर्ष करीब 90 लाख नए कैंसर मामले आते हैं और 46.6 लाख मौतें होती हैं। ये देश दुनिया की 40 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं। बीते वर्ष चीन में 51.5 लाख नए मामले और .8 लाख मौतें दर्ज की गईं, जबकि भारत में 15.6 लाख नए मामले और करीब नौ लाख मौतें हुईं। भारत में आने वाले वर्षों में कैंसर बढ़ने का अनुमान है। 2040 तक नए मामलों की संख्या 23.3 लाख तक पहुंच सकती है। महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे अधिक पाया जाने वाला कैंसर है। डा. अशोक शर्मा ने बताया भारतीय मरीजों के आंकड़ों पर आधारित आइआंकोलाजी.एआइ को इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से एम्स नई दिल्ली और सी-डैक पुणे ने विकसित किया है। इसका उद्देश्य कैंसर की शुरुआती पहचान, खतरे के आकलन और उपचार संबंधी निर्णय में चिकित्सकों को सहायता देना है।

डूटा के तीन बार अध्यक्ष रहे डॉ. आदित्य नारायण मिश्रा कांग्रेस में शामिल, एएडी का भी पार्टी में विलय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी टीचर्स एसोसिएशन (डूटा) के तीन बार अध्यक्ष रहे शिक्षक नेता डा आदित्य नारायण मिश्रा सोमवार को अनेक प्रमुख शिक्षाविदों के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों के संगठन एकेडमिक्स फार एक्शन एंड डेवलपमेंट (एएडी) के भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में विलय की घोषणा की गई।

कांग्रेस कार्यालय में दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव, एआइसीसी के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, दिल्ली के प्रदेश संगठन महासचिव अनिल भारद्वाज और इंटक दिल्ली के चेयरमैन पंकज गर्ग ने डा मिश्रा के साथ डूटा के वर्तमान सचिव विमलेंदु, तबरेज आलम, राजेश झा सहित दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया एवं जेएनयू के कई प्रोफेसरों को भी पार्टी में शामिल कराया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसे समय में, जब उच्च शिक्षा महंगी होती जा रही है और छात्रों एवं शिक्षकों के सामने गंभीर चुनौतियां हैं, प्रमुख शिक्षाविदों का कांग्रेस से जुड़ना पार्टी को बौद्धिक रूप से मजबूत करेगा। देवेंद्र यादव ने कहा कि डा मिश्रा फेडरेशन आफ सेंट्रल यूनिवर्सिटीज टीचर्स एसोसिएशन के भी अध्यक्ष रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज देश के युवाओं और छात्रों को सही दिशा एवं बेहतर मार्गदर्शन की जरूरत है।

मोदी के जन्मदिन पर दिल्ली को 13820 करोड़ की सौगात

17 सितंबर से एक माह चलेगा सेवा संकल्प अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन्मतिथि 17 सितंबर को एक माह तक चलने वाले सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत होगी। दिल्ली भाजपा और दिल्ली सरकार द्वारा चलने वाले इस अभियान में सेवा कार्य के साथ ही लगभग 13,820 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा।

केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने और उसका लाभ पहुंचाने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में तीन-तीन दिनों के विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह अभियान केवल भाजपा कार्यकर्ताओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें लाभार्थियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं की व्यापक भागीदारी होगी।

प्रधानमंत्री की जन्मतिथि पर बड़े स्तर पर रक्तदान शिविर लगेगा। एक दिन में ढाई हजार यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। सामाजिक कल्याण विभाग स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर 25 हजार वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर लगाएगा।

दिल्ली में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए एक आधिकारिक मंच स्टेट आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (सोटो) तैयार किया गया है। यह केंद्र सरकार द्वारा संचालित व्यवस्था के अनुरूप बनाया गया है। सेवा संकल्प अभियान के दौरान इसका शुभारंभ किया जाएगा। इसका उद्देश्य दिल्ली में अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिक से अधिक लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित बाल देखभाल केंद्रों में बच्चों के लिए विभिन्न कल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

उन्होंने कहा कि श्रम विभाग दिल्ली के मजदूरों और निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण के साथ उनके स्वास्थ्य की जांच के लिए भी विशेष अभियान चलाएगा। शहरी विकास विभाग और दिल्ली नगर निगम के सहयोग से हर वार्ड और विधानसभा क्षेत्र में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। यमुना सफाई से जुड़े करीब आठ हजार करोड़ रुपये के परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जाएगा। इसके साथ ही यमुना सफाई के लिए सरकार की आगामी योजनाओं को भी जनता के सामने रखा जाएगा। पर्यावरण विभाग द्वारा 70 लाख पौधे लगाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए प्रत्येक वार्ड में पौधारोपण अभियान चलाया जाएगा।

9 नाकों पर एमएसएफएफ की मंजूरी अटकी, सर्दी से पहले काम पूरा होना मुश्किल

दिल्ली की हवा पर टोल का संकट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की सीमाओं पर टोल नाकों पर वाहनों के जाम से होने वाला प्रदूषण इस सर्दी में भी परेशानी का कारण बन सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत जिन नौ टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) व्यवस्था लागू होनी है, उसके लिए अभी राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) से मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में सर्दी शुरू होने से पहले यह व्यवस्था लागू हो पाएगी या नहीं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। वहीं, संबंधित एजेंसियों की धीमी कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। जनवरी 2026 में सुप्रीम कोर्ट ने एनएचएआइ के राजमार्गों पर स्थित टोल नाकों पर मल्टी लेन फ्री फ्लो (एमएलएफएफ) व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एनएचएआइ ने पिछले सप्ताह ही इन स्थानों का सर्वे किया है।

अब मंजूरी देने की प्रक्रिया एनएचएआइ के स्तर पर है। ऐसे में यदि इसी सप्ताह मंजूरी मिल भी जाती है तो व्यवस्था स्थापित करने में कम से कम तीन माह का समय लग सकता है। हालांकि, एमसीडी अधिकारियों का कहना है कि मंजूरी मिलने के बाद एनएचएआइ से जुड़े नौ टोल नाकों को एक से डेढ़ माह में एमएलएफएफ तकनीक से लैस करने का प्रयास किया जाएगा। एमसीडी ने सीएक्यूएम को भी अपना प्लान इस संबंध में जमा किया था जिसमें नौ टोल नाकों पर 31 अक्टूबर तक काम पूरा किया जाना है जबकि शेष पर 31 दिसंबर तक पूरा होना है। टोल वसूली का काम सहकार ग्लोबल नाम की कंपनी को दिया है। कंपनी एमसीडी के 154 टोल नाकों पर टोल वसूली के साथ एमएलएफएफ तकनीक भी स्थापित करेगी। अधिकारियों के अनुसार, कंपनी को इस व्यवस्था पर करीब 200 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे। यह राशि टेंडर की शर्तों में शामिल है। नए टेंडर से एमसीडी को टोल वसूली के रूप में सालाना करीब 964 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने का अनुमान है।

चलते यातायात के बीच तकनीक लगाना चुनौती

दिल्ली में एनएचएआइ के राजमार्गों पर एमसीडी के नौ टोल नाके हैं। इन सभी स्थानों पर वाहनों का भारी दबाव रहता है। ऐसे में एक से डेढ़ माह में एमएलएफएफ व्यवस्था स्थापित करना चुनौतीपूर्ण होगा। टोल नाकों पर यातायात को रोकना भी आसान नहीं होगा। खासकर गाजीपुर टोल नाके पर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के जरिये उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से बड़ी संख्या में वाहन दिल्ली आते हैं। एमसीडी टोल के कारण यहां पहले से ही जाम की स्थिति रहती है। ऐसे में चलते यातायात के बीच एमएलएफएफ तकनीक स्थापित करना बड़ी चुनौती होगी। इसी तरह देहरादून एक्सप्रेसवे से आने वाले वाहनों के कारण संबंधित टोल नाके पर भी काम के दौरान यातायात प्रबंधन चुनौतीपूर्ण रहेगा।

दिल्ली में 26-27 सितंबर को सजेगा पर्यटन का रंग, बांसेरा में छह थीम जोन; देशभर की कला-खानपान से होगा दीदार

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व पर्यटन दिवस पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) बांसेरा में दिल्ली वासियों को देश की कला, संस्कृति, खानपान और पारंपरिक मनोरंजन से रूबरू कराने की तैयारी में है। 26 और 27 सितंबर को होने वाले दो दिवसीय उत्सव के लिए डीडीए ने आयोजन एजेंसी नियुक्त करने को टेंडर जारी किया है। इस उत्सव में बांसेरा को अलग- अलग थीम वाले छह जोन में बांटा जाएगा। इनमें हुनर गली, यादों की गली, बचपन की दुकान, चिट्ठी घर, खाओ गली-भारत के जायके और मस्ती का अड्डा शामिल हैं। यहां हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, बच्चों से जुड़ी गतिविधियां, पुराने दौर की यादें, खानपान और मनोरंजन को एक साथ प्रस्तुत किया जाएगा। इन जोन की डिजाइन से लेकर स्टाल, कलाकार, कारीगर, उपकरण, सजावट और संचालन की जिम्मेदारी आयोजन एजेंसी की होगी। मुख्य मंच पर दोनों दिन लगातार कार्यक्रम होंगे। लोकनृत्य, संगीत, जादू, क्षेत्रीय एवं पारंपरिक प्रस्तुतियों के साथ लोगों की भागीदारी वाली गतिविधियां, खेल और फिटनेस कार्यक्रम भी कराए जाएंगे। आयोजन में पेशेवर गायक और विभिन्न सांस्कृतिक समूहों की प्रस्तुतियां भी प्रस्तावित हैं। डीडीए ने पूरे परिसर को भारतीय पर्यटन, पारंपरिक कला-शिल्प, संस्कृति और देश की क्षेत्रीय विविधता के अनुरूप सजाने की शर्त रखी है। यानी आयोजन सिर्फ मंच तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बांसेरा में आने वाले लोगों को अलग-अलग क्षेत्रों की संस्कृति और खानपान का अनुभव देने की योजना है। टेंडर में खानपान, गतिविधियों और अन्य राजस्व देने वाले क्षेत्रों से शुल्क लेने की भी व्यवस्था रखी गई है। हालांकि इसके लिए डीडीए की पूर्व अनुमति जरूरी होगी। आयोजक एजेंसी को होने वाली आय का सत्यापन योग्य रिकार्ड भी रखना होगा। आयोजक एजेंसी को ही कलाकारों, खानपान, यात्रा, ठहरने, स्थानीय परिवहन, मंच, साज-सज्जा, बिजली, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, भीड़ और कतार प्रबंधन, साफ-सफाई तथा कचरा प्रबंधन समेत जरूरी व्यवस्थाएं करनी होंगी। टेंडर में आयोजन की कुल अनुमानित लागत का उल्लेख नहीं है। एजेंसी को पूरे काम के लिए एकमुश्त दर देनी होगी। तकनीकी मूल्यांकन में कार्यक्रम की गुणवत्ता, सांस्कृतिक विविधता, लोगों की भागीदारी, थीम और प्रचार-प्रसार को अंक दिए जाएंगे। निविदा जमा करने की अंतिम तारीख 16 सितंबर है।

दिल्ली में उमस से बढ़ी बेचैनी, 40 डिग्री के पार महसूस हुआ तापमान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दिन भर बादल छाए रहने और हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान था। लेकिन वर्षा के इंतजार में दिल्ली वासी उमस भरी गर्मी झेलने को विवश रहे। हालांकि मौसम विभाग ने मंगलवार को भी बादलों की आवाजाही के साथ कहीं कहीं हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है। आंशिक रूप से बादलों की आवाजाही और तेज धूप के बीच सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हालांकि हीट इंडेक्स यानी महसूस किया जाने वाला तापमान 40 डिग्री से ऊपर रहा। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक 27.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 87 से 62 रहा। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार को भी आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कहीं कहीं हल्की वर्षा संभावित है। बुधवार- बृहस्पतिवार को भी ऐसा ही मौसम रह सकता है। इसके बाद फिर वर्षा के आसार खत्म होते जाएंगे और मानसून की विदाई की बेला शुरू हो जाएगी।

15000 जवान, एआई निगरानी और कमांडो का पहरा... दिल्ली में एजेंसियों की रणनीति से बेदाग रहा ब्रिक्स समिट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी में आयोजित दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन रविवार को बिना किसी व्यवधान के सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस आयोजन की सुरक्षा और प्रबंधन को केंद्रीय एजेंसियों, अर्द्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस की ऐतिहासिक और बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। विदेश मंत्रालय के कड़े दिशा-निर्देशों के तहत सभी सुरक्षा और प्रशासनिक एजेंसियां करीब डेढ़ महीने पहले से ही तैयारियों में जुट गई थीं, जिसका परिणाम यह सम्मेलन शत-प्रतिशत सफल रहा। सम्मेलन के सफलता पूर्वक संपन्न होने के बाद दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों को इस बड़ी सफलता के लिए बधाई दी है। दिल्ली पुलिस प्रवक्ता, एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजीव रंजन का कहना है कि सम्मेलन की संवेदनशीलता को देखते हुए राजधानी में सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे।

सर्वे हुआ, कार्रवाई के दावे भी हुए... फिर भी सत्य निकेतन में बेखौफ खड़ी हैं खतरनाक पांच मंजिला इमारतें

नईदिल्ली, एजेंसी। सत्य निकेतन इलाके में हुए पीजी इमारत हादसे के बाद सभी अवैध इमारतों पर कार्रवाई के दावे हुए। एमसीडी ने अवैध और खतरनाक हो चुके इमारतों का सर्वे भी कराया। पर हादसे के आठ दिन बाद भी सत्य निकेतन में अवैध पांच मंजिला इमारतों पर किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हो पायी। जबकि यहां ज्यादातर इमारतें पांच मंजिला हैं। कई मकान रहने के लिहाज से खतरनाक हैं। वहीं हादसे के बाद प्रापर्टी नंबर पी-13 की पांच मंजिला इमारत, जो एक तरफ खतरनाक तरीके से झुक चुकी थी, उसे सात दिन में भी निगम तोड़ नहीं पाया। वहीं इसके पास की एक और इमारत पर छह सितंबर को ध्वस्तीकरण की नोटिस चस्पा की गई थी। तीन दिन की मोहलत दी गई थी, पर एक सप्ताह बाद भी उसे तोड़ने का काम तो शुरू भी नहीं हो पाया है। बता दें कि एमसीडी की ओर से दिल्लीभर में पेइंग गेस्ट (पीजी) आवासीय भवनों का व्यापक सर्वे भी जारी है। अब तक करीब 2,453 भवनों की पहचान की गई है, जहां

पीजी सुविधाएं संचालित हो रही हैं। सर्वे और निरीक्षण की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। इन पीजी में 50 हजार से अधिक लोग रह रहे हैं। इधर, विभागीय दावों के मुताबिक राजधानी में अवैध निर्माण के खिलाफ एमसीडी की अब तक की कार्रवाई में दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में 251 अवैध निर्माण ध्वस्त जा चुके हैं, जबकि 571 संपत्तियों को सील किया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 28 अधिकारियों का तबादला

अब फास्ट ट्रैक कोर्ट में होगी परीक्षा मामलों की सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने न्यायिक व्यवस्था में बड़े प्रशासनिक बदलाव करते हुए परीक्षा में अनुचित साधनों से जुड़े मामलों के लिए विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट तय करने के साथ दिल्ली हायर ज्यूडिशियल सर्विस के 28 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं।

परीक्षा से जुड़े मामलों में हाई कोर्ट ने सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम, 2024 के तहत दिल्ली की विभिन्न अदालतों में लंबित सभी विविध कार्यवाही, जांच और मुकदमों को तत्काल प्रभाव से राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) (सीबीआइ)-25 की विशेष रूप से नामित फास्ट ट्रैक कोर्ट में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। भविष्य में इस अधिनियम के तहत दर्ज होने वाली नई एफआइआर और उनसे जुड़ी कार्यवाही की

सुनवाई भी इसी अदालत में होगी। यह व्यवस्था कानून में धारा 12ए जोड़े जाने के बाद लागू की गई है। अजय पांडेय को कमर्शियल कोर्ट साकेत में तैनाती दी गई है। वहीं राकेश पंडित, नरेश कुमार मल्होत्रा, नीलोफर आबिदा परवीन और मोहम्मद फारुख समेत कई अन्य अधिकारियों की भी नई जिम्मेदारियां तय की गई हैं। इसके अलावा शिवाली बंसल, सत्यव्रत पांडा, सुशांत चांगोत्रा, छवि कपूर और मनीषा खुराना कक्कड़ समेत कई न्यायिक अधिकारियों को विशेष अदालतों और विभिन्न जिलों में नई जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह तीस हजारी की दो कमर्शियल अदालतों समेत साकेत, द्वारका और अन्य जिलों की कुछ अदालतों को भी समाप्त किया गया है।

हायर ज्यूडिशियल सर्विस के 28 अधिकारियों की तैनाती

वहीं, 14 सितंबर को जारी आदेश में दिल्ली हाई कोर्ट ने हायर ज्यूडिशियल सर्विस के 28 अधिकारियों की नई तैनाती की है। इसके तहत अनिल कुमार सिसोदिया को जिला न्यायाधीश (कमर्शियल कोर्ट) तीस हजारी, आशुतोष कुमार को कमर्शियल कोर्ट-10, तीस हजारी और मनोज कुमार को कमर्शियल कोर्ट-02, पटियाला हाउस भेजा गया है। हाई कोर्ट ने कुछ अदालतों को समाप्त करने का भी निर्णय लिया है। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश अदालत को समाप्त कर वहां लंबित मामलों को अन्य सीबीआइ अदालतों में समान रूप से बांटने का निर्देश दिए।

दिल्ली मेट्रो को लगातार दूसरी बार राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) को लगातार दूसरी बार भारत सरकार के प्रतिष्ठित राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) मिला है। सिडको एग्जीबिशन सेंटर, नवी मुंबई में आयोजित हिंदी दिवस समारोह एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक डा. विकास कुमार को प्रदान किया।

कर्मचारियों के हिंदी के प्रति समर्पण का नतीजा

डॉ. विकास कुमार ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे सम्मान हिंदी को प्रशासन, तकनीकी कार्यों, प्रशिक्षण, डिजिटल मंचों और जनसेवा के अधिक सक्षम माध्यम के रूप में विकसित करने की नई प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने इस प्रतिष्ठित सम्मान को दिल्ली मेट्रो के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों का हिंदी के प्रति समर्पण और सतत परिश्रम का प्रतिफल करार देते हुए इसे दिल्ली मेट्रो के समस्त कार्मिकों को समर्पित किया।

संक्षिप्त समाचार

एटीपी रैंकिंग

जोकोविच सात पायदान नीचे खिसके, 24 साल बाद पहली बार 'टॉप 10' से 'बिग 3' नदारद

नई दिल्ली। यूएस ओपन के पहले ही राउंड में नोवाक जोकोविच को चौंकाने वाली हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद सोमवार को जारी एटीपी रैंकिंग में वह 'टॉप 10 से बाहर होकर 12वें स्थान पर खिसक गए। जोकोविच को पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोन के हाथों शिकस्त मिली थी। अक्टूबर 2002 के बाद ऐसा पहली बार

है, जब 'बिग थ्री' (जोकोविच, राफेल नडाल और रोजर फेडरर) में से कोई भी एटीपी रैंकिंग के 'टॉप-10' में शामिल नहीं है। 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता फेडरर ने साल 2022 में संन्यास लिया था, जबकि 22 बार के मेजर विजेता नडाल ने 2024 में खेल को अलविदा कह दिया था। 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच 39 साल की उम्र में भी खेल रहे हैं और उन्हें अपने 25वें मेजर खिताब की उम्मीद है, जिससे वे मार्गरेट कोर्ट के 24 खिताबों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देंगे।
हालांकि, 25वें खिताब की उनकी हालिया कोशिश तब खत्म हो गई जब मारियानो नावोन के खिलाफ मैच के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानी और उल्टी हुई। न्यूयॉर्क में हार के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे अतीत की सभी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है, लेकिन अब जो है, सो है। यह स्पष्ट था कि कोर्ट पर मुझे बहुत खराब महसूस हो रहा था।

विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनीं रिबाकिना, खत्म की सबालेंका की बादशाहत

नई दिल्ली। सोमवार को जारी साप्ताहिक डब्ल्यूटीए रैंकिंग में बेलारूस की एरीना सबालेंका से आगे निकलने के बाद एलेना रिबाकिना आधिकारिक तौर पर विश्व की नई नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी बन गई हैं। हाल ही में खत्म हुए यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराने के बाद ही रिबाकिना का टॉप स्पॉट पक्का हो गया था। कजाकिस्तान की स्टार खिलाड़ी ने फाइनल में सबालेंका को हराकर इस टूर्नामेंट का समापन किया। रिबाकिना सिंगल्स रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर 1 बनने वाली कजाकिस्तान की पहली (पुरुष या

महिला) खिलाड़ी बन गई हैं। पूरे सीजन में शानदार प्रदर्शन के कारण वह सबालेंका के काफी करीब बनी रहीं, जबकि बेलारूसी टेनिस स्टार का फॉर्म सीजन के बीच में थोड़ा गिर गया था। जहां सीजन के बीच में सबालेंका की लय बिगड़ी, वहीं रिबाकिना पिछले साल के आखिर से ही टॉप पर पहुंचने की ओर बढ़ रही थीं। उन्होंने इस साल सीजन के बीच में नॉर्थ अमेरिकन हार्ड-कोर्ट स्विंग पर शानदार प्रदर्शन किया और उसके बाद 'बिग एप्पल' (न्यूयॉर्क) में भी सफलता हासिल की। नंबर 1 पोजीशन पक्का होने पर रिबाकिना ने प्रतिक्रिया दी थी। डब्ल्यूटीए के अनुसार, रिबाकिना ने कहा, 'यह इतिहास है, और मुझे कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं प्रोफेशनल बनूंगी या इतने बड़े मंचों पर इस तरह के टूर्नामेंट खेलूंगी।'

ज्वेरेव ने जीता यूएस ओपन

फाइनल में बेन शेल्टन को दी शिकस्त

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अमेरिकी बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब और साल का दूसरा मेजर खिताब जीता। तीन घंटे 33 मिनट तक चले इस मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद ज्वेरेव ने एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। अब वह सिनर से 700 अंक आगे हैं। यह रैंकिंग बताती है कि साल के अंत में एटीपी का नंबर एक खिलाड़ी कौन बनेगा। ज्वेरेव अपना छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल और इस साल का तीसरा फाइनल खेल रहे थे, जबकि शेल्टन अपने करियर में पहले कभी इस स्टेज तक नहीं पहुंचे थे। जर्मनी के स्टार खिलाड़ी ज्वेरेव इस साल शानदार फॉर्म में रहे हैं। मेजर टूर्नामेंट्स में उनका रिकॉर्ड 25 जीत और सिर्फ 2 हार का रहा है। उन्होंने इस साल केवल दो खिताब जीते हैं, लेकिन दोनों ग्रैंड स्लैम ट्रॉफियां हैं। इसी वजह से वे साल के अंत में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी बनने की दौड़ में मजबूती से बने हुए हैं। अपनी जीत के बाद ज्वेरेव ने अपनी मां को खास तौर पर याद किया और बताया कि ग्रैंड स्लैम न जीत पाना उनके सामने आई सबसे बड़ी मुश्किल नहीं थी। ज्वेरेव ने कहा, 'जब आपके 4 साल के बेटे को डायबिटीज का पता चलता है और डॉक्टर आपको बताते हैं कि उस बच्चे की जिंदगी और खेल बहुत सीमित हो जाएंगे, तो उन डॉक्टरों के केबिन से बाहर निकलकर यह कहना कि 'मेरा बेटा जो चाहेगा, वही बनेगा' – इसके लिए एक बहुत ही मजबूत मां की जरूरत होती है।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर वह टेनिस खिलाड़ी बनना चाहता है, तो वह टेनिस खिलाड़ी बनेगा। अगर वह कुछ और करना चाहता है, तो वह कुछ और करेगा। मगर यह बीमारी हमारी पहचान तय नहीं करेगी। मुझे खुशी है कि हमने इससे मिलकर मुकाबला किया, और हम अभी जो कुछ भी कर रहे हैं, वह कर पा रहे हैं।'

शेल्टन 23 साल पहले यूएस ओपन में एंडी रॉडिक के बाद मेजर खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे थे। हालांकि, वह नंबर 1 सीड खिलाड़ी को नहीं हरा पाए। यह अमेरिकी खिलाड़ी 1975 में आर्थर ऐश के बाद इस स्तर पर जीत हासिल करने वाले दूसरे अफ्रीकी-अमेरिकी पुरुष बनने की कोशिश कर रहे थे। अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में हार के बावजूद 23 वर्षीय शेल्टन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को हराया था। इस शानदार अभियान के दम पर वह एटीपी रैंकिंग में अपने करियर की सबसे बेहतरीन चौथी रैंकिंग पर पहुंच जाएंगे।

धीरज बोम्मादेवरा ने रचा इतिहास

तीरंदाजी विश्व कप फाइनल जीतने वाले बने पहले भारतीय पुरुष खिलाड़ी

साल्टिलो (मेक्सिको)। जयंत तालुकदार के विश्व कप फाइनल में पदक जीतने के 16 साल बाद भारत को पुरुष रिकर्व वर्ग में फिर से बड़ी सफलता मिली है। धीरज बोम्मादेवरा ने बेहद दबाव भरे शूट-ऑफ में शानदार संयम दिखाते हुए जीत हासिल की। इसके साथ ही वह तीरंदाजी विश्व कप फाइनल का खिताब जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। दुनिया के नंबर 10 तीरंदाज और सेना के 25 वर्षीय खिलाड़ी धीरज ने साल्टिलो में हुए रोमांचक फाइनल में जापान के नाकानिशी जुन्या को 6-5 से हराया। पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबरी पर था, जिसके बाद शूट-ऑफ में धीरज ने 10 का स्कोर किया, जबकि नाकानिशी ने 9 का स्कोर किया और धीरज ने गोल्ड मेडल अपने नाम करने में सफल रहे।

यह सफलता धीरज के लिए और भी खास रही, क्योंकि पिछले दो तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में वह पदक नहीं जीत पाए थे। 2023 और 2024 में उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा था। हालांकि, इस बार उन्होंने नॉकआउट मुकाबलों में शानदार खेल दिखाया और फाइनल में दुनिया के 20वें नंबर के तीरंदाज नाकानिशी का सामना किया।

फाइनल में कोई भी तीरंदाज हार मानने को तैयार नहीं था। पांच सेटों में स्कोर 28-28, 28-29, 29-28, 28-30 और 28-27 रहा, जिससे गोल्ड मेडल का फैसला बहुत कम अंतर से हुआ। धीरज की जीत ने इस प्रतिष्ठित सीजन-एंडिंग इवेंट में भारत का रिकॉर्ड भी बदल दिया। तालुकदार ने पहले 2010 में एडिनबर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था, लेकिन टूर्नामेंट की शुरुआत से अब तक कोई भी भारतीय पुरुष गोल्ड मेडल नहीं जीत पाया था।

भारत की एकमात्र अन्य व्यक्तिगत विश्व कप फाइनल चैंपियन डोला बनर्जी हैं, जिन्होंने 2007 में दुबई में महिलाओं का खिताब जीता था।

खिताबी जीत के बाद क्रांति गौड़ पर आईसीसी ने लगाया जुर्माना

दुबई। भारत ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ विमेंस एशिया कप 2026 का फाइनल 72 रन से अपने नाम किया, लेकिन इस जीत के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने सोमवार को बताया कि क्रांति गौड़ ने खिलाड़ियों की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन किया है, जिसमें ऐसी भाषा, हरकत या इशारे शामिल हैं जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उनका अपमान करते हैं या आक्रामक प्रतिक्रिया भड़का सकते हैं। यह घटना श्रीलंका की पारी के शुरुआती ओवर की है, जब क्रांति ने ओपनर इमेशा दुलानी को बोल्ड करने के बाद पवेलियन की ओर इशारा किया। मैच फीस में कटौती के अलावा, क्रांति के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट प्वाइंट भी जोड़ा गया। यह 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध था।

क्रांति पर यह आरोप ऑन-फील्ड अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेसी ने आरोप लगाए थे। इसमें थर्ड अंपायर रोकेया सुल्ताना और चौथे अंपायर हुमैरा फराह भी शामिल थीं, जिसके बाद आईसीसी इंटरनेशनल पैनल की मैच रेफरी सुप्रिया रानी दास ने यह सजा दी।

क्रांति ने आरोप स्वीकारते करते हुए सजा मान ली, जिससे औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के तहत, लेवल 1 के अपराधों के लिए खिलाड़ी की मैच फीस का अधिकतम 50 प्रतिशत जुर्माना और दो तक डिमेरिट प्वाइंट्स दिए जा सकते हैं।

एक अलग फैसले में, शुक्रवार को श्रीलंका के हाथों सेमीफाइनल में हार के दौरान धीमी ओवर-रेट बनाए रखने के लिए पाकिस्तान पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद भी वे अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाए गए। आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत, अगर कोई टीम तय समय में अपने ओवर पूरे नहीं कर पाती, तो खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत हिस्सा हर ओवर के लिए काट लिया जाता है। पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने अपनी गलती मानते हुए सजा स्वीकार कर ली है।

विमेंस एशिया कप के साथ भारत ने 'एशियन गेम्स' के लिए भी बेहतरीन तैयारी की: देवजीत सैकिया

नई दिल्ली। भारतीय टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए 'विमेंस एशिया कप 2026' के फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से रौंदकर रिकॉर्ड 8वीं बार खिताब जीता। 'विमेन इन ब्लू' के प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष देवजीत सैकिया बहुत खुश हैं। उनका मानना है कि इस टूर्नामेंट के साथ भारत ने एशियन गेम्स की शानदार तैयारी की है। सैकिया ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'भारतीय महिला टीम ने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। भारत के सभी मैच एकतरफा रहे हैं। एशिया कप के साथ भारतीय टीम ने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी बेहतरीन तैयारी की है। मैं टीम और सपोर्ट स्टाफ को बधाई देता हूं। हमारी यही कोशिश रहेगी कि जीत के इस सिलसिले को जापान (एशियन गेम्स) तक ले जाएं।' सैकिया ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सफलता का श्रेय बोर्ड के पूर्व सचिव जय शाह को देते हुए कहा, 'जय शाह ने महिला क्रिकेट को बढ़ावा दिया है।

भाजपा नेता मिथुन ने शुरू की 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने 'बंगाल फुटबॉल एकेडमी' बनाने की पहल फिर से शुरू की है, जिसकी कोशिश करीब 15 साल से जारी है। सोमवार को उन्होंने न्यू टाउन में पूर्व फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी की योजना पर चर्चा की। मिथुन चक्रवर्ती की योजना प्रत्येक जिले से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को लाना है। वह पहाड़ी इलाकों पर भी फोकस करेंगे। उनकी योजना शुरुआत में 60 फुटबॉलर्स के साथ एकेडमी शुरू करना है। इसके साथ ही दिग्गज अभिनेता मिथुन ने एकेडमी के वित्तीय योजना के बारे में भी बताया। मीडिया के साथ बातचीत में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, 'बीते 15 वर्षों से कुछ हुआ नहीं, क्योंकि मैं शामिल था। मेरा नाम आते ही सब कुछ बैन कर दिया गया। कोई मैदान, कोई

फील्ड कुछ नहीं दिया गया... बोल के भी नहीं दिया। इसलिए 15 साल से ये ठप्प पड़ा हुआ था, लेकिन हम लोगों ने एक करोड़ रुपए जमा करके रखे हैं, जो अभी भी बैंक में हैं। अभी इस एकेडमी को चलाने के लिए, इसको ताकत देने के लिए और दो-तीन करोड़ रुपए मैं चंदे से जुटाउंगा, ताकि बंगाल फुटबॉल एकेडमी अच्छी तरह से चल सके।' उन्होंने कहा, 'हम लोग अभी डिस्ट्रिक्ट में लोगों को भेजेंगे। सब जगह से अच्छे खिलाड़ियों को चुनेंगे।

हम 60 खिलाड़ियों को चुनेंगे, जिसमें से आदिवासी खिलाड़ियों पर मेरी ज्यादा नजर है। पहाड़ी इलाकों में, दार्जिलिंग, कालिम्पोंग ये सब जगह हिल्स एरिया में जो लड़के अच्छा खेलते हैं, उनके ऊपर मेरी ज्यादा नजर है। हमने चार-पांच ग्राउंड सोच रखे हैं। टेंडर के जरिए हमें जो मिलेगा, हम उसी में काम करेंगे।'

चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का निधन

नई दिल्ली। वेस्ट हैम, क्यूपीआर और चेक गणराज्य फुटबॉल टीम के पूर्व गोलकीपर लुडेक मिकलोस्को का लंबी और गंभीर बीमारी से जूझने के बाद 64 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मिकलोस्को वेस्ट हैम फुटबॉल क्लब के दिग्गज खिलाड़ी थे। उन्होंने इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब के लिए 300 से ज्यादा मैच खेले। 2021 में उन्हें कैंसर का पता चला था और दिसंबर 2024 में उन्होंने इलाज बंद कर दिया था। वेस्ट हैम ने मिकलोस्को को श्रद्धांजलि दी, जिन्हें 1990-91 में क्लब का 'हैमर ऑफ द ईयर' चुना गया था। वेस्ट हैम ने एक बयान में कहा, 'बहुत गहरे दुख के साथ वेस्ट हैम यूनाइटेड

दिग्गज पूर्व गोलकीपर और कोच लुडेक मिकलोस्को के निधन की घोषणा करता है। लुडेक, आप शांति से सोएं; आप हमारे प्यारे, प्रेरणादायक गोलकीपर और एक नेक और बड़े दिल वाले इंसान थे।' वहीं, उनके बेटे मार्टिन मिकलोस्को ने वेस्ट हैम के प्रति अपने पिता के प्यार का जिक्र किया। मार्टिन ने कहा, 'कैंसर से बहादुरी और हिम्मत के साथ लड़ने के बाद मेरे पिता लुडेक के निधन की खबर देते हुए हमारा दिल टूट गया है। डैड को वेस्ट हैम यूनाइटेड से बहुत प्यार था, और उन्हें खास तौर पर हर मैच में अपना नाम जोर-शोर और गर्व के साथ गाए जाते हुए सुनना बहुत पसंद था। क्लब और उसके प्रशंसक हमारे परिवार का हिस्सा थे और हमेशा रहेंगे, इसलिए आप सभी का दिल से शुक्रिया।'